

सं 0 2 0 ]

नई विल्ली, शनिवार, मई 17, 1980 (वैशाख 27, 1902)

No. 20]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 17, 1980 (VAISAKHA 27, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached

and Subordinate Offices of the Government of India]

(5495)

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनिमयन ग्रिधिनियम नईदिल्ली-3, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० ए०-11/1/80—श्री डी० के० कोयल, सहायक प्रवर्तन धिकारी, प्रवर्तन निवेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय को इसके द्वारा प्रवर्तन निवेशालय के जयपुर फील्ड यूनिट में दिनाक 12-3-1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशो तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मण्डल, उप निदेशक (प्रशासन)

गृह मंस्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रेप्रैल 1980

सं० एफ-दो/6/80-स्थापना-कें० रि० पु० बल—श्री एस० टंडन, द्वारा महानिदेशक कें० रि० पु० बल के पद का कार्य-भार दिनांक 1-3-1980 ग्रपराह्म से संभाल लिये जाने पर, श्री पी० ग्रार० राजगोपाल, ने उक्त पद का कार्यभार उपरोक्त तिथि से छोड़ दिया है। सं० एफ०-वो/6/80-स्थापना-के० रि० पु० बल—राष्ट्रपति ने सीमा सुरक्षा बल के महानिवेशक श्री एस० टंडन, ग्राई० पी० एस० (यू० पी०-1944), को दिनांक 1-3-1980 प्रपराह्म से ग्रगले घावेश तक महानिवेशक के० रि० पु० बल के ग्रति-रिक्त कार्यभार पर नियुक्त किया है।

> नरेन्द्र प्रसाद, निदेशक (पुलिस)

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, विनांक 22 धप्रैल 1980

सं ० ए-19035/1/80-प्रणा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण अयूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री के० बोस, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यरो, को दिनांक 10-3-80 के पूर्वाह्न से श्रगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोबर, प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो

1—66 GI/80

# महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

# नई दिल्ली-11000 के दिनांक 23 मप्रैल 1980

सं० श्रो०-दो-1443/79-स्थापना-सहानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर राजिंसिह को 6-3-1980 के पूर्वीह्र से केवल तीन माह के लिये श्रथवा उस पद पर नियमित नियक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजय पुलिस बल मे कनिष्ट चिकित्सा श्रिष्कारी के पद पर सदर्थ रूप में नियवत किया है।

### दिनांक 24 भन्नेल 1980

सं०पी० सात-6/77-स्थापना-दो---राष्ट्रपति, श्री गुरमख सिंह, सूबेदार को उनकी पदोन्नति पर उप-पुलिस स्रधीक्षक (कम्पशो कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर स्रस्थायी रूप मे स्रगले आदेश जारी होने तक नियुवत करते हैं।

2 उन्होंने भ्रपने पद का कार्यभार 13वी वाहिनी के०रि० पु० बस से 22-3-80 (पूर्वाह्न) को संभाल लिया।

### दिनांक 28 ग्रप्रैल 1980

स० श्रो० दो-1343/77-स्थापना—राष्ट्रपति, ने श्री जनारधन पंडित राव गर्गा, उप-पुलिस श्रधीक्षक, 5 वाहिनी, के० रि० पु० बल, की सेवाएं, केन्द्रीय सिविल सेवा (श्रस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5(I) के श्रनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 3-11-79 के श्रपराह्म से समाप्त कर दी है।

के० म्नार०के० प्रसाद सहायक निदेशक (प्रशासन)

# महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 25 भ्रप्रैल 1980

- त् ० ई-16013(2)1/78-कार्मिक---दिल्ली पुलिस में नियुभित होने पर श्री ए० के० सिंह, भा० पु० से० (यू० टी० 64) ने 19 मार्च, 1980 के श्रपराह्म से के० भी० सु० ब० यूनिट बी० पी० टी० विशाखापत्तनम के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।
- सं० ई-38013(3) 1/79-कार्मिक हिल्या से स्था-नान्तांरत होने पर, श्री एस० सी० जना ने 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से के० ग्रो० सु० व० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

हु० अपठनीय महानिरीक्षक, के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 अप्रैल 1980

सं० 11/119/79-प्रशा०I—राष्ट्रपति, श्ररणाचल प्रदेश सांख्यिकीय सेवा के श्रिष्टिकारी श्री एच० सी० शर्मा को

अरुणाचल प्रदेश, शिलांग में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 3 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक, जन-गणना, कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# श्री शर्मा का मुख्यालय शिलांग में होगा।

### दिनांक 23 ग्रप्रैल 1980

सं० पी०/पी० (35)-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 7 ग्रगस्त, 1979 की समसंख्यांक ग्रधिसूचना के अनुक्रम म भारत निर्वाचन ग्रायोग सचिवालय के हिन्दी ग्रनुवादक श्री के० एन० पंत की नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा हिन्दी ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की श्रविध को 30 जून, 1980 तक या जब तक यह पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, विद्यमान शतीं के ग्रनुसार सहर्ष बढ़ाते हैं।

# श्री पन्त का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/1/80-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के ग्रिधिकारी श्री पी० भास्करन नायर को केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 7 मार्च, 1980 के पूर्वीह्न से ग्रगले ग्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पी० भास्करन नायर का मुख्यालय कोटयाम में होगा।

सं० 11/1/80-प्रणा०-1--राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के अधिकारी श्री के० के० मुहम्मद को केरल, तिवेन्द्रम में जन-गणना कार्य निवेशालय में तारीख 19 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निवेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# श्री मृहस्मद का मुख्यालय कालीकट में होगा। दिनांक 28 ग्राप्रैल 1980

सं० 11/102/79-प्रमा०-I—राष्ट्रपति, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद, में जन गणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री बी॰ सत्यनारायण को उसी कार्यालय में तारीख 3 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्याई और तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सह्यं नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री सत्यनारायण का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तद्यं नियुक्ति श्री बी॰ सत्यनारायण को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी । तद्यं तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं, उस ग्रेड में विरिष्ठता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नित के लिए नहीं गिनी जायेंगी । उपरोक्त पद पर तद्यं नियक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-ा—राष्ट्रपति, जम्मू व कथमीर, श्रीनगर में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एच० एल० कल्ला को उसी कार्यालय में तारीख 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिये या जब तक पव नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णतः ग्रस्थाई शौर तवर्ष श्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री एच० एल० कल्ला का मुख्यालय श्रीनगर में होगा।
- 3. उपरोक्त पव पर सबर्थ नियुक्ति श्री एच० एल० करूला को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरिष्ठता और ग्रागे उच्च पद पर पदोन्नित के लिये नहीं गिनी जायेंगी। उपरोक्त पद पर सबर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली मे, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निवेशक जन-गणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री ए० के विषयास को उसी कार्यालय में तारीख 27 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्षकी प्रविध के लिये या जब तक पद नियमित प्राधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः ग्रस्थाई श्रीरतदर्थ ग्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्यके पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री ए० के० विश्वास का मुख्यालय नई विल्ली मे होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री ए० के० विश्वास को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी । तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं, उस ग्रेड मे वरिष्ठता श्रीर आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जायेंगी । उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधि-कारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्ध किया जा सकता है ।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I---राष्ट्रपति, बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तक्ष्तीकी) के पद पर कार्यरत श्री श्रार० बी० सिंह को उसी कार्यालय में तारीख 30 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित श्राधार परभराजाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई श्रौर तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री भ्रार० बी० सिंह, का मुख्यालय पटना मे होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तवर्थ नियुक्ति श्री श्रार० बी० सिंह को उप निवेशक जन गणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी । तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं, उस ग्रेड में

विरिष्ठता भीर मागे उच्च पद पर पदोन्नित के लिये नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्त को नियुक्त-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कीई कारण बताए रह किया जा सकता है।

संख्या 11/102/79-प्रशाल-I—राष्ट्रपति, उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्यं निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्यं (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एस० के० स्वैन को उसी कार्यालय में तारीखा 31 मार्च,1980 के पूर्वाह्म से एक वर्षं की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आभार पर भरा जाए, जो भी ध्वधि पहले हो, पूर्णतः धस्थाई और तदर्थं ग्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्यके पद पर सहर्षं नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री एस० के० स्वैन का मुख्यालय कटक में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री एस० केः हवैन को उप निदेशक जनगणना कार्यके पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। सदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्यके पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरय्दता और श्रागे उच्च पद पर पदोन्निक लिये नहीं गिनी जायेगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश, शिमाला में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत, श्री सी० डी० भट्ट को उसी कार्यालय में सारीख 28 मार्च, 1980 के ध्रपराह्न से एक वर्षकी अवधि के लिये या जब तक पद नियमित श्रीधार परभराजाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई श्रीर तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री सी०डी० भट्ट का मुख्यालय शिमला में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री सी० छी० भट्टको छन निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेंगी। तदर्थ तौर पर छप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेष्ठ में विर्टटता और श्रागे उच्च पद पर पदोन्नित के लिये नहीं गिनी जायेंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं 0 11/102/79-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री डी० एन० महेश को उसी कार्यालय में तारीख 29 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्रीधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णतः इरथाई श्रीर रदर्श श्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्यके पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 श्री महेश का मुख्यालय जयपुर में होगा।

3. एपरोक्त पर पर तवर्थं नियुक्ति श्री डी० एन० महेश को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोर्ड हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विश्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नित के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियक्ति को निग्णक्त-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोर्ड कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, मेघालय, शिलांग में जनगणना कार्य निवेशालय में सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री वी० पी० रस्तोगी, उसी कार्यालय में तारीख 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्षकी अवधि के लिये या जब तक पद नियमित प्राधार पर भरा जाए, जो भी प्रविध पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई प्रार तदर्थ प्राधार पर उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुवस करते हैं।

- 2. श्री वी०पी० रस्तोगी का मुख्यालय शिलांग में होगा।
- 3. उपरोक्त पर पर तदर्थं नियुक्ति श्री की ०पी० रस्तोगी को उद्दिग्द नागा। हार्य के पर पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हह प्रदन नहीं करेगी। सदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेष्ठ में बरिष्ठता और श्रागे उच्च पर पर प्रोन्नित के लिये नहीं गिनी जायेंगी। उपरोक्त पर पर तदर्थं नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेठ पर किसी भी समय विना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रणा०-1---राष्ट्रपति, श्रसम, गोहाटी में जनगणना कार्य निवेशालम में सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तक्षनीकी) के पद परकार्यरत श्री ए० पृथ्य को उसी कार्यालय में तारीख 31 मार्च 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई श्रीर तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्यके पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री ए० पृथ्युका मुख्यालय गोहाटी मे होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री ए० पृथ्यु को उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निदेशक जन-गणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेष्ठ में वरिष्ठता धौर श्रागे उचन पद पर पदोन्नित के लिये नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।
- सं० 11/102/79-प्रशा०-I—-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री श्रार० पी० तोसर, को पंजाब, जण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिये या जब

तक पद नियमित द्राधारपर भरा जाए, जो भी भवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थं द्राधार पर उप निदेशक अन-गणना कार्य के पद पर सहर्ष नियमत करते हैं।

- 2. श्री तोमर का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति श्री श्रार० पी० सोमर् को उप निदेश क जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियम्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थं सौर पर उप निदेश क जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेंड में विरुठता और ग्रागे उच्च पद पर पदोन्तित के लिए नहीं गिनी जायेंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेश पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र, बम्बर्ड में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री डी० पी० खोबराग को जेसी कार्यालय में तारीखा। प्रप्रेल, 1980 के पूर्वाह से एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित भाषार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः ग्रस्थाई गौर तदर्य प्राधार पर उन निदेश क जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

- 2. श्री डी० पी० खोबरागडे का मुख्यालय अम्बर्ध में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री डी॰ पी॰ खोबरागर्डं को उन निदेशक जनगणना कार्यं के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्यं के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता भीर श्रामे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जापेंगी। उत्तिक पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जापेंगी। उत्तिक पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के जिनेक पर हिसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया का सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पंजाब, चण्डीगढ़ में जन गणना हार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जन गणना हार्य (तहनोकी) के पद पर कार्यरत श्री धार० के० सिंह को उसी कार्यालय में तारीख 31 मार्च 1980 के पूर्वीह से एह वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित धाधारपर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णंतः घस्थाई धौर तहथं प्राचारपर उन निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष निष्कुक्त करते हैं।

- 2. श्रो श्रार० के० सिंह का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति श्री ग्रार० कें ि सिंह को उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कीई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेकाएं उस ब्रेड में वरिष्ठता ग्रीर ग्रागे उच्च पद परपदोन्नति के लिये नहीं गिनी जायेंगी। उपरोक्त पद पर सदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेश परिकासी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा महता है।

सं० 11/102/79-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, तमिलनाबु, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय में सहामक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एम० पंचापकेणन को उसी कार्यालय में तारीख 3 धप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित धाधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णत: सस्थाई भौर तदर्थ ग्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री पंचापकेशन का मुख्यालय मद्रास में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्त श्री एम० पंचापकेशन को उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस सेख में विरिष्ठता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।
- सं० 11/102/79-प्रमा०-I—-राष्ट्रपति, प्रण्डमान व निकीबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर में जनगणना कार्य निदेशास्त्रय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पव पर कार्यरस श्री एस० पी० शर्मा को उसी कार्यालय में तारीख 1 ध्रप्रैल, 1980 के अपराह्म से एक वर्ष की सर्वधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी सर्वधि पहले हो, पूर्णतः स्रस्थाई स्रौर तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करसे हैं।
- श्री एस० पी० शर्मा का मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर में होना।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्त श्री एस० पी० मर्मा को उप निदेशक जनगणना काय के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता भौर भागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।
- सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक मिदेशक जन-गणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एस॰ सी० संक्तेना को उसी कार्यालय में तारीख 27 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्पाई शौर तदर्थ श्राधार पर उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।
- श्री एस० सी० सक्सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

- 3. उपरोक्त पद पर तदर्भ नियुक्त श्री एस० सी॰ सक्सेना को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्भ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्भ नियुक्ति को नियुक्ति-श्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताएं रह किया जा सकता है।
- सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पाण्डिचेरी, पाण्डिचेरी में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एम० नागण्यन को उसी कार्यालय में तारीख 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई भौर तक्ष्यं श्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियमत करते हैं।
  - 2. श्री नागप्पन का मुख्यालय पाण्डिचेरी में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तवर्थ नियुक्त श्री एम० नागप्पन को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में बरिष्ठता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी आएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेश पर किसी भी समय बिना कारण बताए रह किया जा सकता है।
- सं० 11/102/79-प्रशा-1—राष्ट्रपति, उत्तर प्रवेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निवेशाक्षय में सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री प्रजीत सिंह को उसी कार्यालय में तारीख 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की प्रविध के लिए या जब तक पूर नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णतः सस्थाई भौर तदर्थ आधार पर उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।
  - 2. श्री प्रजीत सिंह का मुख्यालय लखनऊ में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्त श्री श्रजीत सिंह को उप क्षियेसक जनगणना कार्य पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रवान नहीं करेगी। सदर्व तौर पर उप निदेकक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।
- सं० 11/102/79-असा० --- राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश, भोपाल में जनवणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री राम सिंह को उसी कार्यालय में तारीख 31 मार्च 1980 के पर्धाहरण

से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित भाधार पर भरा जाए जो भी भ्रवधि पहले हो, पूर्णतर ग्रस्थाई भौर तदर्थ भाधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहुर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राम सिंह का मुख्यालय भोपाल में होगा।

3. उपरोक्त पद पर सवर्ष नियुक्ति श्री राम सिंह को उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हुक प्रवान नहीं करेगी । तदर्थ तौर पर उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नित के लिए नहीं गिनी जाएंगी । उपरोक्त पद तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

पी० पदमनाभ भारत के महापंजीकार

### वित्त मंद्रालय

(म्राधिक कार्य विभाग) दिनांक 15 अप्रैल 1980

प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद

सं० 7(48)/789--शी जी० म्रार० बिलगोत्ना, कार्यालय म्रधीक्षक को दिनांक 15-4-80 के पूर्वाह्म से दिनांक 28-2-81 तक की म्रवधि के लिए म्रथवा जब तक यह पद नियमित म्राधार पर भरा जाए इनमें से जो भी पहले हो, तब तक के लिए तबर्थ भ्राधार पर र० 840-40-1000-द० भ्र० 40-1200 के वेतनमान में प्रशासनिक म्रधिकारी (समूह वें राजपितत) के रूप में पबोन्नत किया जाता है।

सं० 7(49)/790—श्री के० एन० डोंबले, भंडार पाल को दिनांक 15-4-80 के पूर्वाह्म से विनाक 28-2-81 तक की श्रवधि के लिए अथवा जब तक या पर नियमित श्राधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी पहिले हो, तब तक के लिए तदथ श्राधार पर ६० 840-40-1000-ई० बी० 40-1200 के वेतनमान में भंडार श्रधिकारी (समह'ब'राजपद्वित ) के रूप में पदोल्नत किया जाता है।

> श॰ रा॰ पाठक महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविधि नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1980

सं प्र 1/2(1)/6—निदेशक लेखापरीक्षा वाणिज्य निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे दर्शाई गई तिथियों से 840-40-1000-ई० बी० 40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई लेखपरीक्षा ग्रधिकारियों के रूप में सहर्ष पदीन्नत करते हैं:—

नाम पदोन्नित की तिथि

(1) श्री के० ग्रार० गोबिन्दाराजन

10-3-80(अपराह्न)

(2) श्री जे० सी० गोपाल

20-3-1980(भ्रपराह्म)

(3) श्री ए० सी० साही

25-3-1980 (पूर्वाह्न)

ह॰ म्रपठनीय उपनिवेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

# महालेखाकार का कार्यालय, श्रान्ध्र प्रवेश

हैदराबाद, दिनांक 26 म्रप्रैल 1980

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/38---महालेखाकार, श्रांध-प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय, के श्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस० जनार्धन राव-U को महालेखाकार श्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान २० 840-40-1000 ई०-बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर 17-4-80 के पूर्वाह्म से जब तक श्रांगे श्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रगा०-I/8-132/80-81/38—महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के प्रधीन लेखा सेवा के स्थापी सदस्य श्री वि० एन० राम सुन्नामनियम को महालेखाकार ग्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद, द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000 ६०-बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर 18-4-80 के ग्रपराह्म से जब तक ग्रागे ग्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति, उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डासने वाली नहीं है।

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/38—महालेखाकार, प्रांध्य प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के प्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री स्वर्ण श्रोनिवास राव I को महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान र० 840-40-1000 है०-बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर 18-4-80 के प्रपराह्म से जब तक श्राणे श्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

रा० हरि**ह**रन वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) वाणिज्य एवंनागरिक भ्रापूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नर्दे दिल्ली, दिनांक 24 भ्रप्रैल 1980 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

स० 6/1329/80-प्रशा० (राज०)/2362—राष्ट्रपति, श्री प्रवनागी लाल, केन्द्रीय सचिवालय श्रामुलिपिक सेवा के स्थायी वर्ग "ग" के श्रामुलिपिक को श्रगला श्रादेश होने तक 26 मार्च 1980 के पूर्वाह्र से मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय में उसी सेवा में श्रामुलिपिक वर्ग "ख" के रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० सी० भटनागर उप-मुख्य नियन्सक, ब्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियन्सक, ब्रायात-निर्यात

संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-नियति का कार्यालय (केन्द्रीय साइंसेस क्षेत्र) नई दिल्ली, दिनांक 10 धक्सूबर 1979 निरस्त श्रादेण

फाईल सं० श्रिप्रम /लाइसेंस/45/ए०एम०-79/ई०पी० 41/सी० एल० ए० — मैससँ पैक्सम एक्सन एण्ड स्प्रिगस आ० लि० 53 इन्डस्ट्रीज एरिया, नजफगढ़, रोड, नई विस्ली ध्राप्तम लाइन्सेंस संख्या /पी०/एल०/2863327/सी०, दिनोक 16-1-79 रुपये 7,85000/- के लिये स्टैनलेंस स्टील स्ट्रीप्स 24/26/28/एस० डब्ल्यूजी० का ध्रायात के लिये दिया गया था। उन्होंने इस श्रायात लाइसेंस की एक्सचैंज, पर पज कापी को बिना कस्टम कार्यालय में पंजीकृत तथा उपयोग किये बिना खो जाने के बारे में इस कार्यालय को सुचित किया है।

- 2. भावेदक फर्म ने भ्रपने उपरोक्त कथन के समर्थन में एक भ्रपथ पत्न कार्य विधि पुस्तिका 79-80 के पैरा 333 से 335 के भ्रनुसार प्रस्तुत किया है। भ्रतः मैं सन्तुष्ट हूं कि उपरोक्त लाइसेंस की मूल एक्सचैंज पर पज कार्पा खो गई है।
- 3. भ्रायात व्यापार भावेश 1955 दिनांक 7-12-55 (तथा संशोधित) की धारा 9 (सी०सी०) में प्रदक्त भ्रधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं भ्रायात लाइसेंस की मूल एक्सचेंज पर पज कापी को निरस्त करने का भ्रादेश देता हूं।
- 4. म्रावेदक की प्रार्थना पर श्रम कार्य विधि पुस्तिका 1979-80 के पैरा 333 से 335 के म्रनुसार उपरोक्त श्रायात

याइसेंस की अनुलिपि (एक्सचेंज परपज कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

> एस० बाला विश्वन पित्ले उप मुख्य श्रायात निर्यात नियंत्रक कृते मुख्य संयुक्त नियन्त्रक श्रायात-रिर्यात

मैससे पैक्समा, एक्सल एण्ड स्प्रिंग्स प्रा० लि० 53, इन्डस्ट्रीज ट्रीपल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली।

### उद्योग मंत्रालय

वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय धम्बई, दिनांक 26 श्रप्रैल 1980

सं० सी० ई० भार०/3/80—सूती बस्स्र (नियन्द्रण) भावेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र भायुक्त की भ्रधिसूचना सं० सी० ई० भार०/3/69, दिनांक 19 मितम्बर 1969 में निम्नलिखित भ्रतिरिक्त संशोधन करता हं, भर्यात:—

उक्त प्रधिसूचनामें:

(1) पैराग्राफ को ए और वो वी में जहां कही भी "नियंत्रित साड़ी" ये शब्द झाये हों, इनके पहले निस्निश्चित शब्द जोड़ दिये जायेंगे

''सिंगल या जोड़ी के रूप में पैक हुई''

(2) पैराग्राफ दोसी श्रीर दो डी में जहां कहीं भी "पैक हुई नियंक्षित साड़ी" ये शब्द श्राये हों, इनके पहले निम्नलिखित शब्द जोड़ दिए जायेंगे "संगल या जोड़ी के रूप में"

> म० वा० चेम्बुरकर संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय (नागरिक पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली-110019, बिनांक 25 अप्रैल 1980

सं ए-11013/1/79-स्थापना—इस निदेशालय की 18-10-1979 की इसी संख्या की प्रिधसूचना के कम में नागरिक पूर्ति विभाग के स्थानापन्न वरिष्ठ हिन्दी धनुवादक श्री पी० एस० रावत की वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में हिन्दी प्रधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति को पूर्णतया ध्रस्थायी तथा तदर्थ आधार पर पहली मार्च, 1980 से 31 धगस्त, 1980 तक प्रथवा नियमित पदधारी के नियुक्त होने तब, जो भी पहले हो, जारी रखा गया है।

ए० के० भ्रग्नवाल, मुख्य निदेशक

# पूर्ति विभाग

# पूर्ति तथा नियटान महानिवेशालय (प्रशासन प्रनभाग-६)

नई दिल्ली, दिनांक 21 अप्रल 1980

सं प्र-6/247 (355)-II—राष्ट्रपति, निरीक्षण/निदेशक (धातु जमशेदपुर के अधीन भिलाई में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री के एस के रामन को विनांक 28-3-1980 (पूर्वाह्म) से निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक (धातु) (भारतीय नरीक्षण सेवा ग्रुप ए धातु भाखा के ग्रेड-III) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री रामन ने भिलाई में सहायक निरीक्षण अधिकारी (घातु) का कार्यभार दिनांक 27-3-1980 (अपराह्म) से छोड़ दिया और दिनौंक 28-3-1980 (पूर्वाह्म) को निरीक्षण निवेशक (धातु) अमग्रेदपुर के कार्यालय में सहायक निवेशक निरीक्षण (धातु) का कार्यभार सम्भाल लिया।

### दिनांक 22 म्रप्रैल 1980

सं० ए-17011/761/80-प्र०-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री समीर कुमार मुखर्जी को दिनांक 14-3-1980 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक के लिये उसी कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण श्रीकारी (इंजीनियरी) के रूप में नियुक्त किया है।

> पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन) इन्ते महानिदेशक पूर्ति सथा निपटान

#### इस्पात भौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 22 भन्नेल 1980

सं०ए-19011 (26) 70-स्थापना-ए०--विमागीय पदो-न्नित समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एच० अनंन्तरमैया, अधीक्षक खनन भूवैज्ञानिक, तदर्थ श्राधार पर को स्थानापन्न रूप में श्रधीक्षक खनन भूवैज्ञानिक के पद पर भारतीय खान अपूरों में दिनांक 27-3-1980 के पूर्वाह्म से श्रमले आदेश दकः सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

### **दिनो**क 26 ग्रश्नैल 1980

सं० ए० 19012/27/80-स्था०-ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एम० गुनेश स्थाई विरिष्ठ तक मीकी सहायक (खनन श्रीभगांतिकी) को दिनांक 16 भगेल, 1980 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "व" के पद में स्थानापन्न सहायक खनन श्रीभयन्ता के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

### विनोक 28 मप्रैस 1980

सं० कर ए० 19012/(108) 78-स्था०-ए०---विभागीय प्रवोन्नित समिति की सिफारिश से श्री ए० एस० भस्ला, वरिष्ठ तक्ष्मीकी सहायक (सांख्यिकी), को दिनांक 5 ध्रप्रैल, 1980 के ध्रपराह्म से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान स्पूरों में तबर्थ श्राधार पर खनिज श्रधिकारी (सांख्यिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त प्रदान की गई है।

सं० ए०-19012/129/80-स्था०-ए०-विभागीय पदोन्तित सिमिति की सिफारिश पर श्री ए० एस० भाकेराव स्थाई वरिष्ठ तक्तीकी सहायक (खनन श्रीभयांतिकी) को दिनांक 11 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान क्यूरोमें वर्ग "ब" के पद में स्थानापन्न सहायक खनन श्रीभयन्ता के रूप में पदोन्तित प्रदान की जाती है।

एस० वी० धली कार्यालय ध्रध्यक्ष भारतीय खान अ्यूरो

# सूचना श्रीर प्रसारण मंद्रालय

#### प्रकाशन विभाग

नर्ड विल्ली, विनांक 23 मर्प्रैल 1980

सं० ए०-12025/2/80-प्रशासन-ग्र-शी बी० डी० शर्मा भूतपूर्व ग्राटिस्ट के 29 फरवरी, 1980 को सेवा निवृत्त हो जाने पर निदेशक, प्रकाशन विभाग उनके स्थान पर एतद् द्वारा स्थायी उत्पादन सहायक श्री बी॰ सी० मण्डल को प्रकाशन विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 सपये के वेतनमान में तदर्थ ग्राधार पर स्थाना-पन्न रूप से 1-3-80 के पूर्वाह्न से ग्राटिस्ट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री मण्डस की वर्तमान नियुक्ति उनको झाटिस्ट के पद पर नियमित नियुक्ति के दावे का हक प्रदान नहीं मरती। यह सेवा उस ग्रेड की वरीयता के लिये भी नहीं गिनी जायेगी।

ज० च० डंग<del>काल</del> उप निदेशक (प्रशासन)

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 22 भ्रप्रेल 1980

सं० ए० 12025/31/78-(ए० आई० एव० पी० एव०)/
प्रशासन—र राष्ट्रपति ने डा० एस० आर० दत्ता को 14 मार्च, 1980
पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य शिकान
एकं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में फिजियोलोजियल एवं
इन्डस्ट्रियन हाइजिन के सहायक प्रोफेसर के पर पर अस्थायी
प्राधारपर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/7/(एस०जे०एच०)/प्रशासन-<del>1 स्वास्टय</del> क्षेत्रा महानिदेशालय ने स्वास्टय एवं परिवार कस्याण मंज्ञालय के संवर्ग के श्री दलीप सिंह, सह्यकः (केन्द्रीय सविवालय सेवा के ग्रेड-4) को 5 श्रप्रैल, 1980 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक सहरतंग प्रसाताल, नई दिल्ली में सहायकः प्रभासिकः श्रव्धि री के पद पर प्रतिनियुक्ति श्राधार पर नियुक्त विया है।

श्री दलीप सिंह सहायक प्रशासनिक श्रधिवारी के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री एच० एल० धमीजा ने 5 श्रप्रैल, 1980 पूर्वीह्न को उसी श्रस्पताल से सहायव प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

### दिनांक 24 अप्रैल 1980

सं० ए०-17-17/74-प्रशासन (भाग) — मोरीशास सरवार से प्रतिनियुक्ति से लौटने पर छा० एस० धार० मेहता ने 5 धप्रैल, 1980 पूर्वीह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय मे वेपद्रीय रहारध्य शिक्षा ब्यूरो (क्षेत्रीय ग्रध्ययन एवं प्रणिक्षण केन्द्र) में स्वास्थ्य शिक्षा ग्रिधिकारी के पद का कार्यभार संभान लिया है।

#### विनांक 28 भ्रमेल 1980

सं० ए०-19019/47/77 (म्रार०एच० टी०सी०) प्रणा०-1→ केन्द्रीय सिविल सेवा (म्रस्थायी सेवा) भ्रधिनियम, 19€5 के उप नियम (1) के परन्तुक के म्रनुयार राष्ट्रपति ने म्रामीण स्वास्थ्य प्रणिक्षण केन्द्र के महायक जन स्वास्थ्य इंजीनियर श्री मोहम्मद इकराम की सेवायें 7 दिसम्बर, 1979 श्रपराह्म से समाप्त कर दी हैं।

सं० ए०-32014/3/77-जे० ग्राई० पी०/प्रणासन-1—ग्रिखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संग्थान, कलकत्ता में ब योकैमिस्ट्री तथा न्यूट्रीणन के सहायक प्रोफेसर के पर पर ग्रापनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री जी० राज-गोगलने 1 फरवरी, 1980 पूर्वाह्न में जवाहरलाल स्नातकोत्तर विकित्न शिक्षा एवं ग्रामंत्रान संस्थान पांडिचेरी से वैज्ञानिक ग्राधिकारी-कम-ट्यूटर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

भामलाल कुठियाला, उप निदेणक प्रभामन

नई दिल्ली, दिनाव 24 अप्रैल 1980

सं ० ए०-6-52/79-डी० सी०---विश्व स्वास्थ्य संगठन शिक्षावृत्ति कार्यक्रम की पूर्ण करने तथा विदेश से लीटने के बाद डा० ए० सी० दास गुप्त ने 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाहन से एसोणियेट फार्मास्यटिकल कैमिस्ट के पद का कार्यभाग संभाल लिया है ।

संगत सिंह,श्रवर मचिव

संचार मलालय

कार्यालय उप निदेशक, लेखा (डाक) भोषाल, दिनांक 23 श्रप्रैल 1980

सं० एडमिन/डिसि० केस एम० एल० एन०/214— अधोहस्ताक्षरी, के० ना० से० (व० नि० अ०) नियमावली 2—66G1/80 1965 के नियम 14 के अंतर्गत इस कार्यालय के निम्न श्रेणी लिपिक श्री एम० एत० नंदवानी के विकद्ध के० ना० से० (श्राचरण) नियम।वली, 1964 के नियम 3 (1) के प्रावधानों वा उल्लंघन किये जाने की बाबत एक जांच की जाना प्रस्तावित करते हैं।

- 2 श्री एम० एल० नन्दवानी को निर्देश दिया जाता है कि वे इम श्रिध्मूबना के राजपल में प्रकाशित होने से 10 दिनों के अन्दर, श्रारोप की धाराएं तथा आरोप की प्रत्येक धारा के समर्थन में दुराचरण या दुर्थ्यवहार की प्रस्थापनाओं का विवरण एवं उन दस्तावेजों की सूची जिनके द्वारा आरोप की धाराओं को पश्चिमाणित किया जाना प्रस्तावित है, प्राप्त यरने के लिए अबोह्स्ताक्षरी के ममक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों।
- 3. श्री एम० एल० नन्दयानी को पुनः सूचित किया जाता है कि यदि वे पैरा 2 में वर्णित तिथि के पूर्व व्यक्तिगत रूप मे उपस्थित नहीं होते हैं तो जांच प्राधिवण्ण जनके विश्व एक पक्षीय जांच करमकता है।

एम० श्रार० नारायणन, उप निदेशक

# ग्रामीण पुर्नानर्माण मंश्रालय विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीदाबाद, दिनांक 23 ग्रंप्रैल 1980

सं० ए० 19023/12/79-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तुतियों के श्रनुमार श्री श्रार० के० एस० पिल्लें को जो तदर्थ श्राधार पर विपणन श्रिधकारी वर्ग-II) के रूप में काम कर रहे हैं, इस निदेशालय के अर्धान मद्रास में तारीख 29 फरवरी, 1980 (पूर्वाञ्च) से श्रगले श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर स्थानापन्न विपणन श्रिधकारी (वर्ग-II) के रूप में नियक्त किया जाता है।

सं० ए० 19023/2/80-प्रणा०-III---संघ लोक सेवा ध्रायोग की संस्तुतियों के प्रनुसार श्री एच० के० विसमित्र सहायक विपणन ग्रधिकारी को उस निदेणालय के ग्रधीन नई दिल्ली में तारीख 26 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से ग्रगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन ग्रधिकारी (वर्ग-II) के रूप में नियक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने के उपरान्त श्री विसमित्र ने तारीख 24 मार्च, 1980 के श्रपराह्म में बम्बई में महायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए०-19025/17/80-प्रणा०-III—विभागीय पदोन्नति सिमिति (वर्ग 'ब') की संस्तृतियों के श्रनुसार श्री के० सत्यराव वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेणालय के ग्रधीन गुन्ट्र में तारीख 26 मार्च, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले ग्रादेण होने तक स्थाना-पन्न महायक विपणन श्रिधकारी (वर्ग-I) नियुवत किया गया है।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

# भाभा परमाण ग्रनुसंघान केन्द्र

#### कार्मिक प्रभाग

# बम्बई-400 085, दिनांक 20 मार्च 1980

सं० 5/1/80-स्था॰ II/1082—नियन्त्रक, भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र श्री ए० के० कात्रे, सहायक को स्थानापन्त सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर दिनांक 1-2-1980 (पूर्वाह्र) से 7-3-1980 (श्रपराह्र)तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 28 मार्च 1980

सं० 5/1/80-स्था०-II/1193---नियन्सक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री एल० बी० गावडे, सहायक को स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी के पद पर दिनांक 26-11-1979 (पूर्वाह्न) से 2-1-1980 (श्रपराह्न) तक नदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 7 ग्रप्रैल 1980

सं० 5/1/80-स्था०-II/1291---- नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री एस० श्रार० पिंगे, गलैक्शन ग्रेड लिपिक को स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्राधकारी के पद पर दिनांक 4-2-1980 (पूर्वाह्र) से 28-3-1980 (गपराह्य) नक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

कु० एच० बी० विजयकर, उप स्थापना भ्रधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग

### क्रय एवं भंडार निदेशालय

### बम्बई-400001, दिनांक 5 म्रप्रैल 1980

सं० डी० पी० एस०/21/1(2)/78-स्थापना/5388—परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने एक स्थायी क्रय सहायक श्री जनार्दन तुकाराम नेरूरकर को 2 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए उसी निदेशालय में रूपये 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन सहायक क्रय श्रिधकारी नियुक्त किया है।

सं० डी० पी० एस०/4/1(5)/77-प्रणा०/5415— परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋष ग्रीर भंडार निदेणालय के निदेणक ने एक स्थायीवत भंडारक ग्रीर स्थानापत्न सहायक भंडार श्रधिकारी श्री सूरज प्रकाण श्रानन्द को 25 जनवरी, 1980 से उसी निदेणालय में सहायक भंडार श्रधिकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

> के० पी० जोसफ, प्रशासन ऋधिकारी

### नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 20 ग्रगस्त 1979

सं० पी० ए० श्रार०/0705/3726—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री सी० श्रार० प्रभाकरन को, सहायक लेखाधिकारी श्री बी० दानैय्या के स्थान पर, जोकि श्रवकाण ग्रहण करने वाले हैं, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 16-8-1979 से 25-9-1979 पर्यन्त, तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

#### दिनांक 29 ग्रगस्त 1979

सं० पी० ए० म्रार०/0702/3750—नाभिकीय ईंधन मिम्मश्र के मुख्य कार्य-पालक ने भ्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री पी० एस० श्रीधरन को नाभिकीय ईंधन सिम्मश्र, हैदराबाद में दिनांक 10-8-1979 पूर्वाह्म से स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रिधकारी/म्रभियन्ता (एस० बी०) के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर ग्रागामी म्रादेशों तक के लिये नियुवत किया है।

सं० पी० ए० श्रार०/0702/3751—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री एस० पात्र की दिनांक, 10-8-1979 पूर्वाह्न से नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रिधकारी/ अभियन्ता (एस० बी०) के पद पर अस्थायी श्राधार पर श्रागामी श्रादेणों तक के लिये नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० श्रार०/0702/3752—-नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने स्थायी फोरमैन श्री ए० जी० के० राव को दिनांक 10-8-1979 पूर्वाह्म से नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में स्थानापन्न वज्ञानिक श्रधिकारी/श्रभियन्ता (एस० बी०) के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर अगःमी श्रादेशों तक के लिथे नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० ग्रार०/0702/3753—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी', श्री के० एम० श्रीधरन, को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में प्रातः वितांक 10-8-1979 में स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्राधिकारी/ग्राभियन्ता (एम० बी०) के पद पर ग्रम्थायी ग्राधार पर ग्रागामी प्रादेशों तक के लिये नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० श्रार०/0702/3754—नाभिकीय ईंधन मिमाश्र के मृख्य कार्यपालक ने श्रस्थायी फोरमैन, श्री एम० राममूर्ति को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में दिनांक 10-8-1979 पूर्वाह्न से स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी शिभग्ना (एम०वी०), के पद पर श्रम्थायी श्राधार पर यागामी सादेशों तक के लिए नियुषत किया है।

मं० पो० ए० स्नार०/0702/3755—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने स्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी', श्री एस० वेंकटेंगन, को नाभिकीय ईंधन, समिश्र, हैदराबाद में दिनांक 10-8-1979 पूर्वाह्न से स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी/ श्रभियन्ता (एग०बी०) के पद पर स्रस्थायी श्राधार पर श्रागामी अदिशों तक के लिये नियुक्त किया है। सं० पी० ए० ग्रार०/0702/3756—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी', श्री ग्रार० गोपालराव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में दिनांक 10-8-1979 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रिमियन्ता (एस०बी०) के पद पर श्रस्थायी ग्राधार पर श्रागामी ग्रादेशों तक के लिये नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० ग्रार०/0702/3757—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने ग्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक सी', श्री एस० नागेश्वरैया को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में दिनांक 10-8-1979 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रिधकारी/ ग्रिभियन्ता (एस बी), के पद पर श्रस्थायी ग्राधार पर श्रागामी ग्रादेशों तक के लिये नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० भ्रार०/0702/3758—नाभिकीय ईंधन मिन्नश्र के अर्थपालक ने श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी', श्री सी० एस० रामा राव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में दिनांक 10-8-1979 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रीधकारी/ श्रीभयन्ता (एस० बी०) के पद पर श्रस्थायी श्राधार परश्रागामी श्रादेशों तक के लिये नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० ग्रार०/0702/3759—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने ग्रस्थायी वैज्ञानिक सहार्य 'सी', श्री एन० कामेश्वर राव को नाभिकीयईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में दिनांक 10-8-1979 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रिधि-कारी/ग्रिभियन्ता (एस० बी०), के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर प्राणामी प्रादेगों नह के लिये नियुक्त किया है।

### दिनां ह 5 नवम्बर 1979

सं० नाईस :पी०ए०आर०/0705/5254—नाभिकीय देंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक महायक लेखानार श्री एस० रंगराजन को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, में दिनाक 14-11-1979 से 17-12-1979 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक लेखाधिवारी के पद पर तदर्थ ग्राधार परिनयुक्त करते हैं। यह निय्धित महायव लेखा अधिकारी श्री बी० बी० राव की, लेखाधिकारी दित्य के पद पर, प्रदोन्नति के कारण की गई है।

### दिनांक 19 दिशम्बर 1979

सं० नाईम/पी०ए० श्रार०/0705/5484—नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालय ने भहायक लेख (६ र्र) श्री बी० वे. टेश्वर राव को नाभिकीय ईश्वन राक्ष्य के में रह इ. 14-11-1979 से 17-12-1979 पर्यना स्थानापन लेखा विकार विद्यापत विद्यापत है । इह नियुक्त लेखाधिकारी द्वितीय, श्री जी० बी० के० राव द्वारा अवकास ग्रहण करने के कारण की गई।

यू० वासुदेवा नाव, प्रशासन इ.स्कारी

राजस्थान परमाण् विद्युत परियोजनः भ्रणुणक्ति~323303, दिनांक 28 श्रपैत 1980

सं राज्यविक प्रवृभिती/9(8)/80/स्थाव/775---राद-स्थात परमणुविद्युत परियोजना के मख्य परियोजना अभि- यन्ता, महालेखापाल जयपुर के कार्यपालक के अनुभाग श्रीधकारी (लेखा) श्री सदाशिय पंडित को राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में सहायक लेखा श्रीधकारी (रुपये 650-950) के पद पर सामान्य प्रतिनियक्ति की शर्ती के श्रीधार पर 10 मार्च, 1980 के भपराह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिये अथवा श्रीगामी श्रादेश होने तक नियक्त करते हैं।

गोपाल सिंह प्रशासन ग्रधिकारी (स्थापना) वास्ते मख्य परियोजना इंजीनियर

### परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016,दिनांक 23 भ्रप्रेल 1980

सं० प० ख० प्र०-1/23/80-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक श्री सूर्यनारायण माली को परमाणु खनिज प्रभाग में 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से लेकर प्रगले श्रावेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रिध तारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/23/80/प्रणासन—परमाणु कर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री एम० रमेश को परमाणु खनिज प्रभाग से 1 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर श्रगले आदेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रिकारी/प्रभियन्ता ग्रेड एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/23/80-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री वासुदेवन राजगोपालन को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 धप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से लेकर श्रगले ग्रादेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक ग्राधारा/ग्राभियन्ता ग्रेड 'एस० बी'०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० खा० प्र-1/23/80-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री महेन्द्र कुमार खर्रे को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से लेव र अगले आदेग होने तक अस्थायी हप स वैज्ञानिक श्रिधारी/आ। सपन्ता ग्रेड 'एस० बीठ' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-1/23/80-प्रशासन----गरमाणु ऊर्जा विभाग क परकाणु व्यक्तिज प्रभाग के कि ति . प्रीतिमोद्दुमार की गरमाणु खनिज प्रभाग में 1 अर्थेत, 1580 के पूर्वाह्म ते रोद र प्रगत पादेश होने नह अस्यायी रूप स पैशानिक अविकारी/ क्राभाना ग्रेड'एग० शिंक, निष्ठुका करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/23/80-प्रशासनः - परमाणु उजी विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशव श्री रामा मूर्ती श्रीधरको परमाणु खनिज प्रभागमे 1 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न स लेकर श्रमले श्रादेश होने तक श्ररथायी रूप स वैज्ञानिक ग्रिधारी/श्रीभयन्ता ग्रेड 'एस० बीठ, निष्कृत व न्ते हैं।

संवष्ठ वर प्र-1/23/30-प्रजासन - न्यस्याण् इद्यो व्यवस्य इत्यम्याणु व्यक्तित प्रभागको निदेशकात्री पाद्यपर्दी, युक्ता सायस्य हो १८नाणु प्रकार समाग ने 1 धर्मेन, 1930 विक्रमणह्य स लेकर अगले आदेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्राधकारी/ श्रिभयन्त। ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते ह ।

सं० प० खा० प्र-1/23/80-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री के १० वेणु गोपाल कृष्ण को परमाणु खनिज प्रभाग में 8 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रिध कारी/श्राभयन्ता ग्रेड (एस० बी०) नियुक्त करतह।

> एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ऋधिवारी

# तारापुर परमाणु बिजलीघर टीव्यव्यविक्तिक पीव, दिनांक 23 स्रप्रैल 1980

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-प्रार००---मुख्य प्रतीक्षर, तारापुर परमाण बिजलीघर, परमाण ऊर्जा विभाग श्री हे० बाला प्रष्णान, सहायक कार्मिक श्रीधकारी जोकि श्रवकाश पर गए हैं, के स्थान पर श्री पी० गणपति, स्थार्या वैयक्तिक सहायक को तारापुर परमाण बिजलीघर में २० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनअभ में दिनांष 22 श्रप्रैल, 1980 (पूर्वाह्म) से 24 मई, 1980 तक के लिये तदर्थ श्राधार पर पर्वक कार्मिक प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई मुख्य प्रशासनिक श्रधिकारी

# रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र कलपमनम, दिनोंक 19 श्रप्रैल 1980

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/276/72/574---मैं, केन्द्रीय सिविल सेश (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के नियम 14के अन्तर्गल रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक अधिवारी/एग० बी० श्री डी० सैयद गौसके विरुद्ध जान करना नाहता हूं। जिन अवचार और कदाचार के आरोपों के बारे में जांच करने वा प्रस्ताव है, उरवा सारइस ज्ञापन के साथ लगे आरोपों के अनुष्छेदों के विवरण (अनुबन्ध-I) में दिया गया है। अवचार अथवा बदाचार के आरोपों के प्रत्येव अनुष्छेद वा विवरण इस ज्ञापन के संलग्न है (अनुबन्ध-II)। ऐसे वागजात की सूची भी संलग्न है जिनके द्वारा इन आरोपों की पुष्टि करने वा प्रस्ताव है (अनुबन्ध-III)।

- 2. श्री सैयद गौम को निदेण दिया जाता है कि वे श्रयने बचाव में श्रयना लिखित बयान इस ज्ञापन के मिलने की तारीख से 10 दिन के प्रन्दर प्रस्तुत करें ग्रौर यह भी बताएं कि क्या बहु चाहते है कि उनकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से की जाए।
- 3. उन्हें भूचित किया जाता है कि जांच ग्रारोपों के केवल उन्ही श्रनुच्छेदों के बारे में की जायेगी जिन्हें उन्होंने स्वीकार न किया हो। इसलिये, उन्हें चाहिए कि वह ग्रारोपों के प्रत्येक श्रनुच्छेद को स्पष्ट रूप से स्वीकार अथवा श्रस्वीकार करें।
- 4. श्री सैयद गौस को यह भी सूचित किया जाता है कि यदि उन्होंने ऊपर पैरा-2 में निर्धारित तारीख से पहले श्रथवा उस

तारीख तक श्रपने बचाव में श्रपना लिखित बयान प्रस्तुत नहीं किया, श्रथवा अन्यथा जांच प्राधिकारी के समक्ष वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो पाए श्रथवा उन्होंने केन्द्रीय मिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंवण श्रीर श्रपील) नियमावली, 1965 के नियम 14 के उपबंधों या उक्त नियम के श्रनुसरण में जारी किए गए श्रनुदेशों/निदेशों का श्रनुपालन नही किया या उनके श्रनुपालन से इंकार किया तो जांच-प्राधिकरण उनके विरूद्ध एक तरफा जांच कर सकते हैं।

5. श्री सैयद गौस का ध्यान केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्राचरण) नियम, 1964 के नियम 20 की थ्रोर विलाया जाता है जिसके श्रनुमार, कोई भी कर्मचारी सरकारी सेवा के श्रधीन श्रपनी सेवा से संबंधित मामलों में श्रमने हित-साधन के लिये किसी भी घरिष्ठ श्रधिकारी पर किसी भी प्रकार का राजनीतिक अथव बाहरी प्रभाव न तो डलवाएगा थ्रोर न ही डलवाने की कोशिशक करेगा। यदि जांच की इस कारवाई के श्रन्तगंत श्राने वाले किसी भी मामले के बारे में उनकी थ्रोर से किसी श्रन्य ध्यक्ति से कोई श्रम्थावेदन प्राप्त हुआ तो ऐसा माना जाएगा कि श्री मैयद गौम को एस अभ्यावेदन की जानकारी है श्रार वह श्रम्यावेदन उनकी पहल पर भेजा गया है तथा केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्राचरण) नियमायतो, 1964 के नियम 20 के उल्लंघन के लिए उनके विख्ड कार्रवाई की जायेगी।

6. इस ज्ञापन की पावती भेजें।

ह०

(एन० श्रीनिवासन) परियोजना निदेणक

संवा में श्री डी० सेयद गीस, मेल पडालन तथा डाकखाना गिजी तालुक, जिला दक्षिणी आकंटि

> बेद कुमार जायसवाल, वरिष्ट हिन्दी अधिकारी परमाणु खर्जा विभाग, नई दिल्ली-110011

> > श्रनुबन्ध-[

रिए केटर अनुसंघात केन्द्र के वैज्ञानिक अधिकारी/एस० श्री०, श्री डी० सैयद गौस के विरुद्ध लगाए गए आरोपों के

> ग्रनुच्छेदों का विवरण ग्रनुच्छेद-ग

श्री सैयद गौम को, जब वे रिणेक्टर श्रनुसंधान केन्द्र, कलपक्कम में वैज्ञानिक श्रिधिकारी/एस० सी० पद पर नियुक्त थे, 9 जुलाई, 1979 से 1 सितम्बर, 1979 तक, 55 दिन की अर्जित छुट्टी वैयक्तिक कारणों से स्वीकार की गई थी। इस ग्रवधि के बाद भी वे श्रनधिकृत रूप से छुट्टी पर रहे।

श्री सैदय गौस ने उपयक्त कार्य करके श्रपने कर्त्तंच्य के प्रति निष्ठा का श्रभाव प्रदिश्ति किया है श्रीर ऐसे ढंग से व्यवहार किया है जो सरकारी कर्मचारी के श्रनुरूप नही है। ऐसा करके उन्होंने केन्द्रीय मिविल सेवा (श्राचरण) नियमावली, 1964 के नियम 3(II) श्रीर (III) का उल्लंघन किया है।

### ग्रनच्छेद-][I

उपर्युवत पद पर रहते हुए श्री सैंदय गौस भ्रापनी ड्यूटी से भ्रमुपस्थित रहने के बाद बिना भ्रमुमति लिए देश से बाहर गए।

श्री सैयद गौर ने उनर्बन कार्यकरके अपने कर्त्तव्य के पति निष्ठा का अभाव प्रदिश्तित किया है श्रीर ऐसे उंग से व्यवहार किया है जो सरकारी कर्मचारी के अनुस्प नहीं है। उन्होंने ऐसा करके केन्द्रीय सिविल सेवा (श्राचरण) नियम।वलीं, 1964 के नियम  $3(I^I)$  श्रीर (III) का उल्लंघन किया है।

#### ग्रन्बध-II

श्री डी स्याद गौम, वैज्ञानिक ग्राधिकारी/इंजीनियर-एस० बी ०, रिऐक्टर ग्रनुसंधान केन्द्र के विरुद्ध विरिधन ग्रारोधों के ग्रन्चेदों भी पुष्टि करने वाला दुर्ज्यवहार या कदाचार के लाखनों का विवरण ।

### ग्रनुच्छद-**I**

जिस समय श्री डी० मैयद गौस रिऐक्टर अनसंधान केन्द्र मे वैज्ञानिक ग्राधिकारी/इंजीनियर-एस० बी० के पद पर काम कर रहेथे, उन्हे 9-7-79 मे 1-9-79 तक 55 दिन की ग्राजिन छुट्टी विशेष रूप से यह समझते हुए दी गई थी कि संस्वी हत छड़ी की समाप्ति पर वह इयूटी पर लीट प्रायेगे। तथापि, उन्होंने श्रपनी छट्टी यह श्रन्रोध करते हुए बढ़ाई कि उन्हें 2-9-79 से छ० मास की श्रीर छट्टी देदी जाए जोकि सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत नहीं की गई। उन्होंने इयुटी पर लाँटे बिना सेवा से भ्रापना त्याग-पत्न 10-10-79 को इस भ्रन्रोध क साथ भेज दिया कि उन्हें तत्काल सेवा से मुक्त कर दिया जाए। श्री गौंस को इस कार्यालय के तारीख 18 ग्रक्तूबर, 1979 के पञ्ज मं० भ्रार० भ्रार० सी०/पी० एफ०/276/72/16207 हारा यह भी भूचित किया गया था कि उनका त्यागान व्वीकार नहीं किया जा रहा है और उन्हें इयुटी पर वापस श्राना चाहिए तथा तव त्यागपत्र की स्वीकृति के लिये तीन माग का नोटिस देना चाहिए ।

# ध्रन्**च्छंद-**11

उपर्युक्त पद पर रहते हुए श्री डी० मैंयद गाँउ, रिण्वटर श्रनुसंघान केन्द्र में सक्षम श्रधिकारी स श्रावश्यक श्रनुमित प्राप्त किए बिना दुबई चले गए। बस्तु-स्थिति तो यह है कि उन्होंने कार्यालय को अपनी दुबई यात्रा के विषय में सूचित तक नहीं किया। उनके दुबई चले चाने के तथ्य की पुष्टि के लिए कार्यालय को संबंधित डाक प्राधिकारियों के माध्यम से काफी जाच-पड़ताल करनी पड़ी।

### ग्रन् बन्ध-]]]

उन कागज-पत्नो की सूची जिनसे श्री डी० मैयद गौस, वैज्ञानिक ग्राधिकारी/एस० बी० के विरूद्ध विरचित श्रारोपो की पुष्टि करने का प्रस्तावहै।

- 1. 9-7-79 में 1-9-79 तक 55 दिन की ग्राजित छट्टी के लिए श्री डी॰ मैथद गौम का ग्रावेदन-पन ।
- स्वास्थ्य ठीक न होन के कारण 6 माह के लिये छुट्टी बढ़ाने के वास्ते श्री गौस का तारीख 1-9-79 का पत्त ।

- 3 श्री सैयद गौस को डाकखाना मेल यडयालम् तालु रू गिजी के पते पर भेजी गई 12 सिनम्बर, 1979 की टिप्पणी मंख्या श्रार०श्रार० मी०/पी० एफ०/276/72-1444 ।
- 4 पाडेनेल्री के डाकखानों के वरिष्ठ अधीक्षक का नारीख 20-9-79 का पत्र संख्याबी-1/एस० पी०/डी० एल० जी० एस०।
- 5 श्री सैंयद गाँस का नारीख 21-9-79 का पत्र, जिसके साथ चिकित्सा प्रमाण-पत्न भेजा गयाथा।
- 6 श्री सैयद गौम का नारीज 10-10-79 का पत्र, जिसके साथ त्यागपत्र भेजा गयाथा।
- 7 श्री गौन को भेजा गया तारी प्र 18 श्रक्तूबर, 1979 का पत्र संख्या श्रारञ्झारण सी०/पी० एक ०/276/72/16207 जिस्से उन्हें यह निदेण दिया गया था कि वे इ्रूटी पर दाजिर हो, श्रीर व्किथे स्थापी क्रिके हैं, इसलिये नीय महीने का नोटिस दे।

### श्रंतरिक्ष विभाग

# भारतीय अन्तरिक्ष ग्रनुसंधान संगठन श्रंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-380053, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

स० इस्ट/मी० ए०/7067—निदेशक, श्रंतरिक्ष उपयोग केन्द्र, श्री प्रकुल्ल बन्द्र भगजतीकाद दवे को श्रंतरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीक श्रंतरिक्ष श्रनुमधान संगठन/श्रंतरिक्ष विभाग मे श्राभिषता एस० बी० (योजिकी), के पद पर अन्यायी रूप मे 14 मार्ब, 1980 के पूर्वाह्म से 30 जून, 1980 तक की श्रविध के लिये नियुषत करते हैं।

> एम० पी० श्रार० पणिकर प्रशासन श्रीवकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनाक 22 अप्रैल, 1980

स० ए० 32013/13/79-ई०-1—-राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री एच० बी० सिंह, निदेशक, विमान निरीक्षण को दिना हु 17 मार्च, 1990 से श्रान्यण के आधार पर इसी विमाग में निदेशक विमान सुरक्षा के रूप में नियक्त किया है।

> चितरंजन कुमार बत्स सहायक निदेशक प्रणापन नागर विमानन विभाग

नई दिल्ली, दिनोक 22 अप्रैल 1980

सं० ए०  $32013/8/76-\xi-I$ — इस विभाग की दिनांक 10 म $\xi$ , 1979 की श्रक्षिसूचना सं० ए०  $32013/8/76-\xi-I$ 

के अप में राष्ट्रपति ने श्री बी० हाजरा को 31-12-79 के बाद श्रीर घार माह की श्रवधि के लिये अथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट में क्षेत्रीय निदेशक के रूप में तदर्य श्राधार पर निय्वत किया है।

सी० के० वत्स सहायक निदेशक प्रणासन

# नई दिल्ली, दिनांक 21 अप्रैल 1980

मं० ए०-32013/17/78-ई-ए.---राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुवित को 30 अर्थेल, 1980 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मन्जूरी दी है।---

ऋम सं०	नाम	स्टेशन
1.	श्री जी० एस० कलसी	~~~~~~~~~~~ लेह्
2.	श्री ए० टी० रिचार्ड	मद्रास, एयर पोर्ट
3.	श्री राजिन्द्रपाल (सह	बम्बई एयर पोर्ट
4.	थी। भ्रम्ल भ्रानन्द	तीम्पति
5.	श्री एच० ग्रार० जोशी	बम्बई एयर पोर्ट
6.	श्री सी० एम० कोठियाथ	वस्बई एयर पोर्ट
7.	श्री मस० मी० हरिया	बेगम ग्ट
8	शी एम० एस० गोसेन	दिल्ली एयर पोर्ट, पालम

त्रि० वि० जौह्री उप निदेशक (प्रशासन)

# नई दिल्ली, दिनां । 21 शर्पंत 1980

म० ए० 32012/3/78-ई० एस०—महानिदेणक नागर विमानन ने क्षेत्रीय निदेणक कलकत्ता, क्षेत्र के कार्यालय के श्री क० सी० मोनडेल श्रीक्षेत्र को 31 मार्च, 1980 (पूर्वाह्र) मे श्रन्य स्रादेण होने तक क्षेत्रीय निदेणक, महास, को अदान एयरपोर्ट, महास के कार्यालय में नियमित स्राधार पर प्रशासनिक श्रीधकारी (समृह "ख" पद) के रूप में नियुक्त किया है।

एन० ए० पी० स्वामी पहासः चित्रशाः प्रणासन कृते सहानिदेशक नागर विकासन

# नई विल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1980

म० ए० 40012/1/80-ई० एस०--श्री एम० ग्रार० गंगालकृष्ण प्रिन्ठ विमास निरीक्षक (श्रनार्शस्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने प्रति-निय्तित पर) 13 जनवरी, 1980 (अपराह्म) से मूल नियम 56(क) के श्रन्तर्गत सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं।

> एन० ए० पो० स्त्रामी, सहायक निदेशक, (प्रशासन)

# विदेश संचार सेवा महानिदेशक का कार्यालय बम्बई, 19 अप्रैल 1980

सं ० 1/236/80/स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेणक एतद् द्वारा बम्बई शाखा के स्थायी सहायक प्रशासन ग्रिधिकारी श्री वी० स्वामीनाथन को एकदम तदर्थ ग्राधार पर ग्रत्यकालीन खाली जगह पर 16-1-80 में लेकर 1-3 80 (दोनों दिन मिलाकर) तक की ग्रवधि के लिये मुख्य कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप से प्रणासन ग्रिधिकारी नियुश्त करते हैं।

> एच० एल० मलहोता उप निचेणक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

# वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 22 श्रप्रैल 1980

स० 6/300/78-स्थापना-1--- अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एव महाविद्यालय, देहरादून, श्री मुरेन्द्र सिंह रावत, सहायक कुल सचिव, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को दिनांक 31 मार्च, 1980 के अपराह्म से सेवा निवृत्त की श्रायु होने पर रारकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुस्रति देते हैं।

> र्रातन्त्र नाय महर्ना कुल सचिव यस श्रमुसंबान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय खनाद गुल्क ्वं सामा गुल्क समाह्तीलय बम्बई-400 012, दिनांक 21 स्रप्रैल 1980

मं० 11/3 ई-6/80—वेन्द्रीय उत्पाद शुल्क तमाहर्तानय, वस्वई-II के समूह "ख" के श्रयीक्षक श्री व्ही० जी० कोलवणकर का दिनांक 3-12-79 को देहावसान हो गया।

स्त 11/3ई-6/80—-बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता-लय के निस्निजित अधोक्षक समूह "ख" अधि-वार्षिकी स्वैच्छिक आधार पर अपने नामों के श्रो० अंकित तिथियों का अप० में सेवानिवृत्त हो गये हैं:—

<b>ऋम</b> सं०	नाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
1	2	3
1.	श्री ग्रार० एन० हलचट्टी	31-7-1979
2.	श्री एम० डो० रणदिवे	31-8-1979

1	2	3
3.	श्री कें० रमेशचन्द्रन	31-10-1979
4.	श्री ए० व्ही० बागवे	31-10-1979
5.	श्री एम० के० घोखा	31-10-1979
6.	श्री ग्रार० एस० पंजवानी	31-10-1979 (स्वैच्छिक)
7.	श्री एच० बी० सहानी	15-11-1979 (स्वैच्छिक)

विजय कुमार गुप्ता समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

# समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर 440001, विनाक 24 भ्रमेल 1980

सं० 1/80—भूतपूर्व मधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, श्रेणी "ख" प्रभाग उज्जैन, समाहर्ता क्षेत्र इन्दौर के श्री जी० एस० प्राहुजा की, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली का ग्रादेश क्रमांक 29/80 जो कि मिसिल संख्या (ग्रस्पष्ट) दिनांक 21-2-1980 के ग्रन्तगंत जारी किया है, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क के पद पर पदोन्नित होने पर उन्होंने श्री एम० एम० शीराजी, सहायक समाहर्ता को कार्यभार से मुक्त कर सहायक समाहर्ता (निवारक)/(तकनीकी)/(लेखा) एवं (मूल्यांकन) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय, नागपुर का दिनांक 18-3-1980 के पूर्वाक्ष से कार्यभार संभाल लिया।

सं० 2/80—श्री एम० एम० शीराजी, सहायक समाहर्ता, (निवारक)/(तकनीकी)/(लेखा) एवं (मूल्यांकन) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय, नागपुर की तैनात बदलने पर उन्होंने श्री के० एस० राव, सहायक समाहर्ता, जिनका तबादला हैदराबाद समाहर्ती क्षेत्र को हुआ है, को कार्यभार मुक्त कर सहायक समाहर्ता (मुख्या०) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नागपुर का दिनांक 12-3-1980 के अपराह्म से कार्यभार संभाल लिया।

के० शंकररामन समाहर्ता

### वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी का

### कायलिय

फरक्का बराज परियोजना

फरक्का, विनोक 27 दिसम्बर 1979

सं० 112—श्री पंचानन दास, ग्रनुभाग ग्रधिकारी जो महालेखाकार, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता कार्यालय में थे, इन्हें पुनरादेश तक लेखा ग्रधिकारी के पद पर विश्लीय सलाहकार एवं मध्य लेखा ग्रधिकारी का कार्यालय, फरक्का बराज परियोजना में 24-11-1979 श्रपराह्न से स्थानापन्न की हैमियन से प्रति-नियक्ति पर नियक्ति की गई।

> बी० के० राय विनोम सलाहकार एवं मुख्य लेखा ग्रधिकारी फरक्का बराज परियोजना

# केन्द्रीय जल भ्रौर विद्युत भ्रनुसंधानणाला

पुणे-411024, दिनांक 23 श्रप्रैल 1980

सं० 602/9/80-प्रशासन—संघ लोक सेवा ग्रायोग से किए गए जयन के कारण निवेशक, केन्द्रीय जल श्रौर विद्यत ग्रमसंधानशाला, पुणे, श्रीमती ए० ए० मोहोलकर की सहायक श्रनसंधान ग्रधिकारी (इंजीनियरी-दूरसंचार) के पद पर वेतन रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर दिनांक 10 ग्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से नियुषत करते हैं।

श्रीमती ए० ए० मोहोलकर के लिये दिनांक 10-4-80 से दो साल की परिवीक्षाविध रहेगी।

> एम० स्रार० गिडवानी प्रशासन प्रधिकारी कृते निदेशक

# महानिदेशालय विमीण

के द्वेत को तति ति विभाग नई दिल्ली, दिनांक 25 श्रप्रैल 1980

स० 27-सी०/प्रार० (6)/77-ई०सी०-11---राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के प्रस्थायी मृत्य इंजीनियर (सियित) श्री एन० डी० राजन (जो कि इस समय श्रवकाण पर है के सेवा से निवृत्त होने के नोटिंग को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री राजन 18-5-1980 (श्रपराह्न) को सेवा से जिवृत्त हो जायोंगे।

#### दिनांक 27 धप्रैंग 1980

मं० 23/2/77-ई० मी०-II-- केन्द्रीय लीक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वार्धवय की आयु प्राप्त करने पर प्रत्येक के प्रागे लिखित तारीखों से मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं:—

ऋम सं०	नाम ग्रोर पद	मेया निव{त्तकी तारीख	वर्तमा	न पदनाम
1	2	3		4
सर्व	श्री		•	
1. π	म० बो० बाजनेयी	29-2-80	विल्ली	केन्द्रीय
	प्रवोक्ष ह इंजीनियर (सिविल)	दोपहर बाद	के० लो०	नि०वि०,
-	गि० बी० दत्ता चौधरी -		नई दिल्ली। कलकत्ता	केन्द्रीय
ī	कार्यपालक इंजीनियर	दोपहर बाद	परिमडल के० लो० नई दिल्ली	नि० वि०,

		_	
1	2	3	4.
3	श्री जे० मुकर्जी, कार्यपालक इजीनियर (विद्युत)	31~3-80 दोपहर बाद	कलकत्ता केन्द्रीय (विद्युत) मङ्गल सं० 1, के० लो० नि०वि०,कलकत्ता ।
4.	श्री कामता प्रसाद, कार्यपालक इंजीनियर (मित्रिल)	31-3-80 दोपहर बाद	(एच) मडल के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
5.	श्री के० टी० श्रसनानी, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	31-3-80 दोपहर बाद	मल्यांकन सेल, श्रायकर विभाग, रोहित हाउस, नई दिल्ली।

- 2. सेवा निवृत्त होने के नोटिस की स्वीकृति होने पर श्री एस० जी० गेडिंगल, निर्माण सर्वेक्षक दिल्ली केन्द्रीय परिमंडल सं० 7, नई दिल्ली 29-2-1980 (श्रपराह्म) को सेवा से निवक्त हो गये हैं।
- 3 सेवा निघृत्त होने के नोटिस की स्वीकृति होने पर श्री पी० पी० गोयल, निर्माण सर्वेक्षक, ग्रधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक कार्यालय (नई दिल्ली ग्रंचल), के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली तुरन्त भेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एच० डी० सिन्हा, प्रशासन उप निदेशक

पू० सी० रेलवे

महाप्रबन्धक (का०) का कार्यालय मालीगाव, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

सं० ई०/55/111/97(0)—निम्नलिखित प्रधिकारियों को द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक लेखा ग्रधिकारी के रूप में उनके सामने लिखी गयी तारीख से स्थायी किया जाता है:—

नाम			जब से स्थायी किया गया
1. श्री बी० एन० साहा			23-3-78
<sup>2</sup> . श्री बी० गुह		-	1-5-78
3. श्री ए० मिह			1-7-78
4. श्री ए० एल० बन्धा			1-12-78
	•	बी०	वैकटरमणी,
			महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यं मंत्रालय (कम्पनी कार्यं विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी ऋधिनियम, 1956 और मै॰ प्रकाश कैमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनोक 21 मई 1979 सं० 3128/5364-6039—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
मैं प्रकाश कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दिश्यिन न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

हर लाल, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रॉर, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स भोपाल नोन फेरोस मेटल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिभिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० 15186/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं मसं भोपाल नोन फरोस मेटल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स ज्योति सिल्क मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बस्वई, दिनांक 14 अप्रैस 1980

सं० 8400/560(5)— कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560की उपधारा (5) के धनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मैंसर्स ज्योति सिल्क मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं मैसर्म स्वाधीन कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० 8629/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुमरण में एतद् द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर मैं मसे स्वाधीन कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मैंसर्स सायोनारा गारमेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1980

सं० 13880/560(5)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् बारा सूचनावी जाती है कि मैसर्स सायोनारा गारभेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० सी० गुप्ता, कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

# कम्पनी अधिनियम 1956 और होटल बूरजा इस्टरनेशनल लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 7 भ्रप्रैल 1980

सं० पी० सी० /560/350—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप घारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि होटल बूरजा इन्टरनेशनल लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० एन० मौलिक कम्पनी रजिस्ट्रार, जे० एण्ड के०

### श्रायकर श्रपील श्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 22 भ्राप्रैल 1980

सं० एफ० 48-ए०डी० (ए०टी०) 80—श्री एस० वी० नारायणन, वरिष्ठ ग्राशुलिपिक ग्रायकर, ग्रपील ग्रधिकरण हैदराबाद, त्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हें तदर्थ श्राधार पर, ग्रस्थायी क्षमता में ग्रायकर ग्रपील श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ बम्बई में तीन महीने के लिये ग्रर्थात दिनांक 1-12-79 से 29-2-1980 तक सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने की ग्रनुमित प्रदान की गयीथी, देखिये इस कार्यालय का दिनांक 7-2-1980 की ग्रिधसुचना सं० एफ-48-एडी-(एटी)/79, को ग्रव उसी क्षमता में ग्रायकर ग्रपील ग्रधिकरण चण्डीगढ़ न्यायपीठ, चण्डीगढ़ में और तीन महीने के लिये ग्रर्थात् दिनांक 1-3-1980 से 31-5-1980 तक या तब सक जब तक कि उस्त पद हेतु नियमित नियुक्त नहीं हो जाती, जो भी शीघ तर हो सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की ग्रनुमित दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तद्दर्थं भ्राधार पर है भ्रौर यह श्री एस० वी० नारायणन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा प्रधान नहीं करेगी भ्रौर उनके द्वारा तद्दर्यं भ्राधार पर प्रदत्त सेवाएं, न तो वरीयता के श्रभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पान्नता ही प्रदान करेगी।

> टी० डी० गुक्ला ग्रध्यक्ष

# कार्यौलय श्रीयकर श्रीयुक्त विल्ली-1, दिनांक 21 मार्च 1980 (श्रीयकर स्थापना)

विषय:स्थापना ---राजपिततः श्रायकर श्रधिकारियों (श्रेणी-2) की पुष्टि

स० ई-1/सी० प्राई०टी० (1) डी०पी०सी० (क्लास-2) कन्फर्मेशन/78-79/46378-नीचे बताए गए धायकर प्रधिकारियों (श्रेणी-2) को जिन्हें विभागीय पदोन्दित समिति ने पुष्टि के लिये ठीक पाया है, उनके नाम के सामने कमशः दी गई तारीख से ६० 650-30-740-35-810-ई०बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में घायकर घ्रधिकारियों (श्रेणी-2) के स्थायी पदों पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है:—

ऋम स सं०	o प्रधिकारीकानाम	पुष्टिकरनेकी तारी <b>ख</b>
1	2	3
1.	श्री आई० एल० गावा	1-1-1979
2.	श्री डी०पी० खेड़ा	1-3-1979
3.	श्री एस० के० संभरवाल	1-3-1979
4.	श्री म्नार० ए० सिंह	1-3-1979
5.	श्री ग्रार०के० क्पूर	1-3-1979
6.	श्री के० एस० मिन्हास	12-8-1979
7.	श्री सी० एल० मेंदीरत्ता	1-9-1979
8.	श्री ग्रार० पी० श्रीवास्तव	1-10-1979
9.	श्री सत्येन्द्र प्रकाश	1-12-1979

पुष्टि भी इन तारीखों में, बाद में आवश्यक होने पर परिवर्तन किया जा सकता है।

> एम० डब्ल्यू०ए०खान भ्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

# प्ररूप आई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ(1) के अधीन मज्जा

### धारत सरकार

कार्यालय, वहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 मप्रैल 1980

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/----यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- च्याये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी कृषि भूमि है तथा जो तह० प्रताप गढ़ में स्थित है (श्रीर इससे छपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, प्रतापगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बालार मृस्य से कस के बृण्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, स्वसंके बृण्यमान प्रतिकत से ऐसे बृज्यमान प्रतिकत का प्रवह प्रतिक्षत से प्रसिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निक्नसिखित हरेण्य से उन्त जन्तरण लिखित में वास्तविक क्या से स्वित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण स हुँ किसी पाप का बाबत उक्त अधिनियम, के सधीन कर देने के धाकरक के दासिस्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किती धन या अथ्य आस्तियों को, निन्तें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उनत प्रधिनियम या प्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के सिए;

अतः भ्रव, उन्त प्रशिनयभ, की क्षारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उप-धारा (1) के बधीन, िम्तिशिवत व्यक्तियों, अर्थात्।-- 1. श्री भीम सिंह पुत्र श्री गोरधन सिंह राजपूत, श्रीमती पुष्पेन्त्र कुमार जी उर्फ, पुष्पाकुमारी पित्न श्री भीमसिंह, श्री जयराम पुत्र श्री भीम सिंह, राजकुमार पुत्र श्री भीम सिंह, निवासी ग्राम श्ररनोदा, तहसील प्रतापगढ़, जिला चित्तोड़गढ़।

(श्रन्तरक)

 श्री नाना लाल पुत्त श्री एकलिंगजी सुनार निवासी मन्दसोर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्याणि के घर्तन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने िसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीध से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबढ़ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोत्स्ताक्षती के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पायीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों ीर पर्दो का, जो उन्त निध-नियम के धश्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

# भनुसूची

12 बीघा 19 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम ग्ररनोव तहसील प्रताप गढ़ जिला चित्तोड़ गढ़ में स्थित है भौर उप पंजियक, प्रताप गढ़ द्वारा कम संख्या 661 दिनांक 21-8-79 पर पंजि-बद्ध विक्रय पक्ष में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त, (निरीक्षण) मर्जनरेंज, जयपुर

तारीख: 24 भ्रप्रेल 1980

मोहरः],

प्रकप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयक्**र प्रक्षि**मियम, 1961 (1961 था 43) की बारा 269-घ (1) के घ्यीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षन)

भ्रजन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 भन्नेल 1980

श्रादेण संख्या राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/——यतः मुझे, एम० र्ल० चौहान

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० कृषि भू मि हैं तथा जो तह ० प्रतापगढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय प्रतापगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 21-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भिक्त है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिथित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त यश्चित्यम के अभीन कर देने के यन्तरक के ∵विस्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिष; योर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या वन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

यतः ग्रंब, उक्त ग्रंबिनियम की धारा 260-ग के ग्रनुसरन में, में, उक्त ग्रंबिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्मजिकित व्यक्तियों अर्थात्:—— 1. श्री भीम सिंह पुत्न श्री गोरधन सिंह राजपूत, श्रीमती पुष्पेन्द्रकुमारजी उर्फ पुष्पाकुमारी पिल्त श्री भीम सिंह, श्री जयराम पुत्र श्री भीम सिंह, राम कुमार पुत्र श्री भीम सिंह निवासी ग्राम ग्ररनोदा तहसील प्रतापगढ़, जिला चित्तोड़गढ़ ।

(श्रन्तरक)

2. श्री स्थाशा पुत्र श्री तारा चन्द भावसार निवास मन्दसौर (मध्य प्रदेश) (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के छअंन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या ततसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब द किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---६समें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाषित है, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

13 बीघा 2 विस्वा सिंचित कृषि भूमि जो ग्राम अरनोद तहसील प्रतापगढ़ जिला चित्तोड़ गढ़ में स्थित है ग्रीर उप पंजियक, प्रताप गढ़ ब्रारा कम संख्या 663 दिनांक 21-8-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तत रूप मे विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख 24-4-80 मोहर: प्ररूप गाई• टी० एनं• प्स•-----

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289व (1) के मधीन सूबमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 24 श्वप्रैल, 1980

श्रादेश संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जम---- यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो तह० प्रतापगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कार्यालय प्रतापगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 21-8-79 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिध है और सन्तरित (अन्तरितियों, के बोद एसे सन्तरिक (अन्तरित्यों) भीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों, के बोद एसे सन्तरित के लिए तथ पाया थवा प्रतिक , सिन्तिविध है इहें पर उक्त प्रकारण लिखित में वास्तिक , सिन्तिविध से सिंग का गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उबत अधि-नियम, के धर्धान कर बेने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के भिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी द्वान या अन्य आस्तियों की । अन्ते कारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित:— 1. श्री भीम मिंह पुत्र श्री गोरधन सिंह राजपूत, श्रीमती पुष्पेन्द्रकुमारजी उर्फ पुष्पा कुमारी परिन श्री भीम सिंह, श्री जयराम पुत्र श्री भीम सिंह, राजकुमार पुत्र श्री भीम सिंह नियासी ग्राम अरनोदा, तहसील प्रतापगढ़, जिला चित्तों डगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीनारायण पृत्न नानालाल सुनार, निवासी मन्दसौर (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

उन्त संपत्ति के गर्नन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की चनिष्ठ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती डा, के शांतर पूर्वोश्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अबीद्काक्षरी के गत लिखिल में किये जा सकते।

स्पद्धीकरण. --इसर्वे प्रयुक्त गण्यो गार पदों का, जा उक्त अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा, को उन प्रथाप में दिया गया है

### **अनुसूची**

23 बीघा 19 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम श्ररनोदा तहसील प्रतापगढ़, जिला चित्तोड़गढ़ में स्थित है श्रीर उप-पंजियक, प्रतापगढ़ द्वारा कम संख्या 769, दिनांक 28-8-79 पर गंजिबद्ध विकथ पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एन० चौहान सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर ।

तारीख: 24-4-1980

मोहर:

प्रकृष् आई रटी० एत० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 24 श्वर्षेल 1980

निदेश संख्या राज०/सहा० ध्रा० धर्जन/——यतः मुझे एम० एन० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण. है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिमकी गं किया मूित है है तथा जो प्रापगढ़ में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद प्रनूप्वी में स्रीर जो पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिक्ष कारी के नार्यालयह प्रनापगढ़ में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्प्रधीन दिनांक 21-8-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्:——

1. श्री भीम सिंह पुत्र श्री गोरधनिग्ह राजपूत, ते नित्र पुष्पेन्द्र कुमार जी उर्फ पुष्पा कुमारी पत्नि श्री भीम सिंह श्री जयराम पुत्र श्री भीम सिंह एंश्री राम कुमार नावालिंग पुत्र श्री भीम सिंह जी नित्रासी ग्राम अरनोद्द तहसील प्रतापगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ताराचन्द पुत्र श्री राजमल भवसार निवासी मन्दसूर (एम० पी०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरो।

स्यष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

25 बीघा 16 बिस्वा कृषि भुमि जो ग्राम श्ररनोष तहसील प्रतापगढ़, जिला चित्तोङ्गढ़ में स्थित है श्रीर उप पजियक प्रतापगढ़ जिला चित्तोङ्गढ़ द्वारा कर सख्या ७६०, दिनांक 21-8-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विकरणात है ।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) य्रजन रेंज, जयपुर

तारीघ 24-4-80 **मोहर**ः ्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 श्रप्रैल 1980

निर्देश सखगा राज०/महा० श्रा० श्र**जन/——यतः मुझे, ए**म० एन० चौहान्

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए ये ग्रधिक है स्रोर जिसकी स० 8 म नान है तथा जो तह० प्रतापगढ़ में स्थित है (भ्रीर इससे उप:बद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टी हर्ता श्रधिकारी के कार्यालय प्रतापगढ में रजिस्टीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-8-79 को पूर्वोक्त नमानि के उचिन काजार मृत्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए शन्तरित की गई दै और तुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवाहर्वास्त प्रथालि का उवित्त वाजार मूल्प, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिल से, ऐते इस्थमान प्रतिकत्तका पन्द्रह प्रतिसत से प्रधिक है भ्रोर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशा से उक्त प्रनारम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी ितनी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री भीम सिंह, श्रीमती पुष्पा कुमारी, श्री जयराम जिएए पिता भीम सिंह एवं श्री राम कुमार नाबालिंग सरपरस्त श्री भीम सिंह निवासा ग्राम श्ररनोष्ठ तह० प्रतापगढ़ जिला चित्तोङ्गढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्री कान्तीलाल पुत्र नानालाल जी सोनी, सर्राफा बाजार, मन्दसोर (एम० पी०)

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान समात्ति जोग्नाम श्ररनोद तहसील प्रतापगढ़, जिला चित्तोड़गढ़ में स्थित है श्रीर उप पंजियक, प्रतापगढ़ द्वारा किम सं० 770 दिनां क 23-8-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न म श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एस० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रज, जयपुर

तारीख 24-4-80 मोहर : प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर,दिनांक 24 मप्रैल 1980

निर्देश संख्या राज०/सहा०आ० अर्जन/---यतः मुझे एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत पश्रम शिधिकारी को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० महान सम्पत्ति है तथा जो तह० चित्तौडगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चित्तं ड्रगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिकहै और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीन ऐसे प्रन्तरण के निष्त्र तथ पाथा गया प्रति-फन निम्नितिखा उद्देश्य से उसन अन्तरण निज्यित में वास्तिक रूप पे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसो श्राय था किसी प्रत वा श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आधार पिंधनियम, 1922 (1922 हा 11) या उका अधिनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत् :-- श्री भीम मिह राजपुल, श्रीमती पुब्या कुमारी, श्री जयराम एव रामकुमार नाबालिग पुत्र सरपरस्त श्री भीम मिह निवासी ग्राम श्ररनोदा तहसील प्रताप गढ़, जिला जित्तौलगढ़ ।

(भ्रग्तन्यः)

2 श्री प्रदुम्न कुमार पुत्र ताराचन्द जी भीवसार, नाबः िंग सरपरस्त पिता ताराचन्द जी, सर्राफ बाजार मन्दसीर (एम० पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वीक्त पम्यक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उका मनात्ति के ग्रार्जन के पन्यत्थ में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिन द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखिन में किए जा सकेने।

स्परदी हरण '-- इनमें प्रयुक्त अध्यो ग्रीर पर्दो हा, तो एकत अधिनियम ह श्रष्टपाय 20- ह में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में विया गया है।

### अनु**सूची**

महान समिति का भाग जो, ग्राम ग्ररनोदा तहसील प्रतापगढ़ जिला वितोडगढ़ में स्थित हैं ग्रौर उप पंजियक, प्रतापगढ़ जिला वितोडगढ़ द्वारा पंजिबद्ध विकय पत्न संख्या 768 दिनांक 23-8-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप सं विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख 24-4-80 मोहर:

# प्ररूप चाई० टी• एत• एस•---

आयकर अधि।नयम, 1961 (1961 का 43) की भार। 269-व (1) के अधीन मुजना

भारभ नरकार

कः लिय, सन्। । आ स्कर बायुक्त (निरीक्षण)

मायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 24 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० रः त०/महा० आर० आर्जन/---पतः, मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके प्रश्वाल 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-12 के ध्रश्वित समाप प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का करण है कि स्थार समने जिसका द्वित बाजार मूस्य 25,000/-रु० से शक्षिक है

श्रीर जिमकी सं० है, तथा जो तह० प्रतापगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री इति अधिकारी के कार्यालय, प्रतापगढ़ में रिजस्ट्रीकरण प्रधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-8-79 वोपूर्वोक्त मणानि के कि कि जाजार मूच्य में कम के यूष्यमान एतिए से कि कि कि प्रवास करने का कारा है कि प्रयापविक्त की महि और मुझे यह विश्वास करने का कारा है कि प्रयापविक्त मनति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डत प्रतिश्व से प्रविच है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितिणों) के बीच ऐसे अन्तरण क निए तम पाया गया प्रति फल विश्वान विका व्यय से उन्त प्रथम कि निए तम पाया गया प्रति फल विश्वान विका व्यय से उन्त प्रथम कि निए तम पाया गया प्रति फल विश्वान विका व्यय से उन्त प्रथम कि निए तम पाया गया प्रति फल विश्वान विका व्यय से उन्त प्रथम कि निए तम पाया गया प्रति फल विश्वान विका व्यय से उन्त प्रथम कि निए तम पाया गया प्रति का विश्वान विका विका कि निए निया से वास्त्रिक का से किया निवास कि निया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबन जकत अधि-त्व्यम, के प्रश्न कर देने के अल्लारक के दापिस्थ में कमी कार्य राज्यसे जबने में सुविधा के लिए; धीर/या
- ्ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों का. बिटीं भारतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिया।

अतः अब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26 कि की उपचारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— 1. श्री भीम सिंह, श्रीमती पुष्पा कुमारी, श्री जयराम मुख्तयार ग्राम पिता भीम सिंह, श्री रामकुमार नाबालिंग सरपरस्त श्री भीम सिंह निवासी ग्राम श्ररनोद तह० प्रतायगढ़, जिला चित्तींड्गढ़ ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मांति लाल पुत्र नानालाल, सुनार सर्राफा बाजार मन्दसोर (एम० पी०)।

(भ्रन्मरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त समानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ,

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी धार्त्रेप :---

- (क) इन सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या त्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की प्रवधि, अ) भी अवधि बाद में उभाष्त होती हो, के भी र हरीका व्यक्तियों में न कियो व्यक्ति त्या
- (ख) इस यूचना है राजपन में यक्तागत की तारीख से 45 दिन के भीतर तकत स्वावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्यत्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चित्रित में किए जा सकेंगे।

हपडटीकरण १---इसमें प्रयुक्त शब्दीं तीर प्रते का तो उपत अधिनियम के घड्याय 20-क में परिभाषित है, बडी अथे हागा, जो उस घटनाय में दिया गया है।

### अनुस्को

मकान सम्पत्ति जो ग्राम ग्ररनोद तहसील प्रतापगढ़ जिला वित्तौड़ गढ़ में स्थित है ग्रोर उप पंजियक, प्रतापगढ़ द्वारा कम संख्या 767 दिनांक 23-8-79 पर पंजिबद्ध विकय पक्त में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम०एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 24-4-1980

मोहर:

# प्रकृप काई० टी० एत० एस०-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भ्रामीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० राज०/अग्रा० भ्रा० म्रर्जन—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- स्पए से प्रधिक है

भीर जिमकी सं० रेस्टोरेन्ट नं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (श्रीर इमने उप। बढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 16-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई हैं श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्वह प्रतिशत से श्रिष्ठक हैं श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रस्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रवः, उक्त श्रष्टिनियम की धारा 289-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रष्टिनियम की धारा 269-त्र की उपनारा (1) के अधीत, तिम्तलिखित व्यक्तियों, प्रथीतः --4—66QI/80

- सर्त्रश्री फूल चन्द नाईवाला पुत्र रूडमल एवं केलाश चन्द पुत्र सूरजभान शर्मा निवासी गोविन्दराय जी का रास्सा, चान्द्रपोल बाजार, जथमुर। (श्रन्तरक)
- 2. मर्बश्री धनजी पुत्र भोरीलाल हरीनारायण, चिमनलाल एवं छुट्टन लाल पुत्रान धनजी, प्लाट नं० 13, बासखों हाउस के पास, चौकड़ी गंगापोल, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारीकरकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियांकरताहूं।

उना समास्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूबना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:--इनमें प्रयुक्त गर्क्से ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्ताट म्राफ लैण्ड जिसमें एम्र कमराबना हुम्मा है भीर जो वर्तगाय के ताम म्रा रहा है, जिसके नम्बर रेस्टोरेन्ट नं० 1 है तथा जो उा गंजियत, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2045 दिनांक 16-8-79 पर गंजियत विकय पत्न में भ्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-4-1980

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

झर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 म्रप्रैल 1980

निर्देश संख्या राज०/सहा० भ्रा० भ्रजेंन/—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान,

षायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रीधन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिन्न का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रीधक है,

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो कोटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध हारी के कार्यालय, कोटा में रिजस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 23-8-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से प्रधिक है और प्रान्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तिवि का से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी उसके या उससे अधने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उपत भिक्षिनियम पी धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उपन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्त्लिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री यशवन्त सिंह जी, कोटा । (ग्रन्तरक)
- 2. जुगल किशोर जी श्रास्मज श्री देवी लाल जी निवासी श्रार्यं समाज रोड, कोटा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पडटीकरणः --इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-तियन के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही स्रयं होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसृची

रधुनाथ गिरी जी के मठ के नाम से विख्यात, मकान का भाग जो रामपुरा कोटा में स्थित है ग्रीर उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 1102 दिनांक 23-9-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर वितृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 24-4-1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन एस०-

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य सहायक आवकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 24 धरील 1980

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० प्रर्जन/---यतः, मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गृया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो कोटा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीवक्षारी के कार्यालय, कोटा में रिजस्ट्रीकरण श्रीविनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीविन दिनांक 24-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीवक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत का निम्तिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी बन पा प्रन्य प्रास्थियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण म, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री रजजीत सिंह हाडा पुत्र यशवन्त सिंह राजपूत निवा० माथनी हाल, निवासी कोटा मुख्तयार ग्राम दीवान लक्ष्मण सिंह पुत्र राम सिंह राजपूत नि० हरसी परगमा डबरा जिला खालियर, एवं श्रीमती मिथिलेश कुमारी पत्नि रणजीत सिंह, नि० कोटा ।

(मन्तरक

 श्री जुगल किशोर श्रात्मज देवी लाल कर्ता फर्म देवीलाल जुगलकिशोर जन, रामपुरा, कोटा ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूवना के राजपल में प्रकाशिन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्यडड़ीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर मदों का, जो खक्त श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

रघुनाथ गिरी के मठ के नाम विख्यात रामपुरा बाजार कोटा में एह महान का भाग जो उस र्गाजियक कोटा द्वारा कम संख्या 1105 दिनांक 24-3-1979 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में छीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

त।रीख 24-4-1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनारु 24 भन्नेल, 1980

प्रदेग सङ्काराज०/नहा० प्रा० अर्जन/---पत , मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सर्व मान है तथा जो कोटा में स्थित है (श्रीर इससे उक्षबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कि श्रीमहारी के कार्यालय, कोटा में रिजस्ट्री- रण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनाक 22-8-1979

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एस स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अथित:—

श्री रणजीत मिह हाडा, श्रांत्मज श्री यणवन्त सिह जी नित्र सी रघुनाथ गिरी मठ, नगरपरिषद, कोटा के सामने, कोटा ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती रतनकुमारी जैंन, धर्मपरनी श्री जुगल विशोरजी (नश्र,स) रःमपुरा, बजापाङ्गा, श्रार्थ समाज रोड, कोटा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्ता में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपस्ति मो हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मो किए जा सकागी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

रघुनाथ गिरी जी के मठ के नाम से विख्यात रामपुरा, कोटा में स्थित महान हा नाग जो उप पिजयक, कोटा द्वारा कम स० 1101, दिनाक 22-8-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> एम० एस० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख 24-4-1980 मोहरः प्ररूप आई ० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 24 भ्रप्रैल, 1980

श्रादेश संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/—यसः, मुझे, एम० एल० चौहान

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो कोटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्याशय, कोटा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनां के 22-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित क्युवितयों अर्थात्:—

 श्री रणजीत सिंह श्रामत्ज श्री यणवन्त गिंह निवासी कोटा ।

(भ्रन्तरव)

2. श्रीमती रतन कुमारी पत्नी श्री जुगल विशास जी निवासी बजापाड़ा, रामपुरा, श्रीर्य समाज रोड, कोटा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बत्य किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण.—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

रघुनाथ गिरी जी के मठ के नाम से विख्यात रामपुरा, कोटा में स्थित मकान का भाग जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा कम संख्या 1103 दिनों हे 22-8-79 पर पंजीबद्ध विक्य पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० एस० चौहान सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, जयपुर

त:रीख: 24-4-80

मोहरः

प्ररूप आई० टी० आई० एन० एस०⊶

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनामः 24 श्रप्रैल, 1980

श्रादेश राज्या राज० /सहा० श्रा०श्रर्जन/——यतः, मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

श्रीर जिपकी सं भिक्त न है तथा जो कोट। में स्थित है (ग्रीर इसमें उत्तबद्ध ग्रुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधि तरी के कार्यालय कोटा में रिजस्ट्रीक रण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रंथीन दिनांक 22-8-79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

शिरणजी सिंह हाडा आ० यशवन्त सिंह नि० माथनी तह० बारां हाल नि० कोटा मुख्तार आम दीवान लक्ष्मण सिंह राजपूत नि० हरसी परगना डबरा, जिना ग्वालियर, म० प्र० एवं श्रीमती मिथिलेश कुमारी परनो रणजीत सिंह नि० कोटा।

्श्रम्तरवः)

2. श्री चन्मय जैन, पुत्न जुगल किशोर सर्राफ, पोरघाल निवासी बजापाड़ा, नाबालिंग जय पिता ।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकेंगे।

न्यप्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### धनुसूची

रबुताथ गिरिजी के मठ, के नाम से विख्यात, रामपुरा **बाजार,** कोटा में एक मकान का भाग जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा कम संव 1104 दिनाक 22-8-79 की पंजीबद्ध विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

त⊧रीख: 24-4-80

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 भ्रप्रैल, 1980

भ्रावेश संख्या राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार। 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 व 6 है तथा जो कोटा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय में कोटा रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-8-1979 को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का अपण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>1</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——  श्री मकसूद मसीह पुत्र श्री लाल मसीह, रिटायर्ड रेलवे हैंड मास्टर, गुलाब सिंह वकील, उडवाड़ा के पास, कोटा अंकणन ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी श्री मदन लाल जी मेवाडा, मानसिंह, हाउस के पास, रंगपुर रोड, ढडवाड़ा, भीगगंज, मंडी, कोटा जंकणन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### वन्स्ची

प्लाट नं० 5 व 6 मानसिंह हाउस के पास, डडवाड़ा, कोटा जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1037, दिनांक 4 ग्रगस्त, 1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है ।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 24-4-80

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 29 श्रप्रैंल 1980

भावेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० — है तथा जो भीम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भीम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-8-79

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधः के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थास्ः---  श्री बस्तीमल पुत्न गनेशमल महाजन, निवासी भीम, जिला उदयपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री रोणन लाल पुत्न जवाहर लाल मल महाजन निवासी डाक बंगले के पास, भीम जिला उदयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिस में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्तिस व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थादीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति का भाग जो नेशनल हाईबे नं० 1, पी० डब्स्यू० डी० डाक बंगले के सामने, भीम, जिला उदयपुर में स्थित है और जो उप पंजीयक, भीम द्वारा दिनांक 30-8-79 पर पंजीबद्ध विकिय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, जयपुर

सारी**ख**: 29-4-19**86** 

मोहर:

प्ररूप माई॰ टी॰ एतः एकः---

भायकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भन्नीन सूचना

भारतः सरकारः कार्यालयः, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

> श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 29 श्वर्प्रैल 1980

भ्रादेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/—यतः मुझे एम० एल० चौहान

आयक्तर ग्रिप्तियम, 1961 (1981 का 43) (जिले इसकें। इसके पश्चात 'उक्त ग्रिप्तियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिप्ति सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मूल्य 25,000/-रू से ग्रिप्ति है

और जिसकी सं० — है तथा जो भीग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भीम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 30-8-79

को पूर्जोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से काम के वृष्यमान प्रतिकास के लिए प्रकारिक की नई है और पुत्रे यह, विष्यास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पन्नि का जीवक बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकाल से ऐसे वृष्यमान प्रतिकाल का पण्डह प्रतिगत से धिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर घन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्धा धन्तरण विचित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है: —

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के धधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीम अस्कानक अधिकान, 1922 (1922 का 11) या जनक अधिकानक, या धन-कर अधिकायम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिती क्षाम प्रकट, यहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा के लिए;

भतः भव, उक्त भधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं; उक्त भिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) अधीन निम्मिलित व्यक्तियों, प्रचीत्:—  श्री बस्तीमल पुक्कगनेशमल महाजन निवासी भीम, जिला उदयपुर ।

(भन्तरक)

2. श्री बस्तीमल पुत्र जवाहरमल महाजन निवासी डाक बंगले के पाम, भीम, जिला उदयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिमोः करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तानील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी
  ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयं होगा, जो उस भध्याय में विमा गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति का भाग जो नेशनल हाईवे नं० 1, पी० डब्स्यू० डी० डाक कंगले के सामने, भीम, जिला उदयपुर में स्थित है धौर जो उप पंजीयक, भीम द्वारा दिमांक 30-8-79 पर पंजीबद्ध विकास पन्न में भीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० एल० **चौहान** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर **प्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रजैन रेंज, जयपुर

तमरीचा: 29-4-1980

मोहरः

5---66GI/80

प्ररूप आहुर. दी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, विनांक 29 म्रप्रैल, 1980

म्रादेश संख्या राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/— 697—यत. मुझे एम० एस० चौहान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रापित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० — है तथा जो भीम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भीम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (,1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-8-79

को पूर्वांक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल में, एमें द्रियमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एंसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन विस्तिस्ति व्यक्तियों अधित्:——  श्री बस्तीमल पुत्र गनेशमल महाजन, नियासी भीम, जिला उदयप्र।

(ग्रन्तरक)

 श्री गणपतलाल पुत्र जवाहर मल महाजन निवासी डाक अगले के पास, भीम जिला उदयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहिय़ा करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यीकारणः — इसमे प्रयक्त शब्दो और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

सम्पत्तिका भाग जो नेशनल हाईवेनं० 1, पी० अब्स्यू ०डी० डाक बंगला के सामने, भीम, जिला उदयपुर मे स्थित है और जो उप पजीयक, भीम द्वारा दिनाक 30-8-79 पर पंजी बद विक्रम पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्गणत है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्कत, (निरीक्षण) धर्जन रेज, जयपुर

तारीख 29-4-80 मोहरः प्रका माई०टो •एम •एस •---

आयकर बिधितमन, 1961 (1961 को 43) की बारा 269-च (1) के मधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 2 भ्रप्रैल 1980

निदेश सं० डी० एल० म्राई०/8/79-80--श्रत मझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायक्त, ग्रर्जन रंज, रोहतक शायकर ग्रिप्तिमयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'जबत मिश्रनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० रिहायमी प्लाट नं० 8 जोकि 1059 बर्ग गज का है तथा जो फरीदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध भ्रन्सुची में श्रीर जो पूर्ण रूपरस वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ना ग्रधि-कारी के कार्यालय देहली में राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन दिनांक भ्रागस्त, 1979 को पूर्वीकन सम्पत्ति के छचित बाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रस्तरित को गई है भीर मुझे यह विक्वान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (मन्तरको) भीर मन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखत चंद्रका में उक्त प्रस्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है.---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बावन, उक्त अधिनियम के आग्रीन कर देने के प्रश्वरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचन में पृथिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपामे में सविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग्के भनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, ग्रमीतः→ श्री जनक राज,
 185, जौर बाग, न्यू देहली।

(ग्रन्तरक)

स'रदार फकीर सिंह मक्कड,
 जी-42, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी जासीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

हंगकरोक्तरण:--इसमें प्रवृक्त शक्वों मीर वरों का, जो उन्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाविस है, वही सर्व होगा जा उस मध्याय में दिवा गमा है।

### अनुसूची

सम्पत्ति रिहायसी प्लाट नं० 8 जोिक 1059 वर्ग गज का है। तथा ब्लाक सी-1, सैक्टर-11 माडल टाउन, फरीदाबाद में में स्थित है तथा जिसका और ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री कमाक 391 दिनाक 29-8-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रज, रोहतक

तारीख : 2-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कौर्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 भ्रप्रैल 1980

निदेश सं० एस० ग्रार० एस०/56/79-80—ग्रतः मृंधे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, रोहतक

श्वायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त श्रिविनियम' कहा गया है), की 'घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 26,000/- रुपये से ग्रिकिक है गौर जिसकी सं० कृषि भूमि 187 कनाल गांव कोतली में है तथा जो सिरसा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिविकारी के कार्यालय सिरसा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (पं908 का 16) के ग्रिधीन विनांक ग्रंगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्षित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे तृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे तृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्रीय की वागत उकत प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/य।
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों को, जिन्हें भारती । श्रायकर श्रीधिनिषम, "१९२२ (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः, मब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनु-तरण में, में, उन्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निर्म्तलीखत व्यक्तियों, मर्चात् :-- श्री रमवीर सिंह, पुत्र श्री राम वयाल पुत्र चन्द्रभान, निवासी महेन्द्र गढ़ विद्यासागर पुत्र श्री राम सरन, निवासी गांव कोतली (सिरसा)।

(ग्रन्तरक)

 श्री सतीश कुमार रमेश कुमार पुतान श्री भूसंख राज, गांव कोतली (सिरसा)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रजँन के जिए नक्ष्येंवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस 'सूबना'के राजपत्त में प्रकाशन की लारीख से 45 बिन की 'श्रविध पा तस्सवधी क्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जी भी श्रविध बाद में समाप्त हॉली हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य व्यक्ति खारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यक्तिकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति कृषि भूमि 187 कनाल है जोकि गांव कोतली, सिरसा में स्थित है जिसका भीर ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कायलिय में कमांक 3326, दिनांक 120-8-79 में विया भया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखः 1-4-80

मीहर:

प्र**कप**्**षाई० सी० एस०** एस०---

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत संस्कार

# बार्यासय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीजन)

श्चर्णन रेज, रोहतक रोहतक,दिनाक 2 श्चर्यल 1980

निदेश सं० ए० एम० बी०/16/79-80—म्प्रत. मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक प्रायकर प्रायुक्त, प्रार्जन रेज, रोहतक सावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के स्वीन 'संसम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिन सा उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्षए से 'संक्रिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 10536 वार्डनं० 6 है तथा जो 'भ्रम्बाला, शहर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक भ्रनुसूची में 'श्रीर जो पूर्ण मप से वर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनाक भ्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान व्रित्रक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार बृश्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रमाह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरका (अन्तरितीं) के बीच ऐस अन्तरण के लिए स्य जाया गया बति कल निम्नितिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किल्य जाया गया विकास किया निम्नितिवित नहीं किया गया है:---

- (क) घरतरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिलियम के मधीन कर देने के भस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; घौर/या
- (क) ऐसी-किसी माय या जिसी धन या अस्य आस्तियों की, -जिम्हें भारतीय सायकर श्रिधिनवम, 1922 (1932 को 11) या उक्त श्रिधिनियम, श्रा धन-कर श्रिधिन्यम, श्रा धन-कर श्रिधिन्यम, -1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्व धन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा या किया बाना चाहिए वा, फिपाने में प्रश्रीविद्यान के सिए;

ंश्वत: अथ, धवस प्रधिनियम की धारा 269-व के सनुबरण वें, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (.5) के अधीन निम्नलिखिन स्वक्तियों, अथित :---

- श्रीमती लीला बन्ती विधवा श्री प्यारे लाल पुत्र श्री गनेशवास जैन, निवासी अम्बाला, शहर। (अन्सरक)
- 2 मैंसमं न्यू वैराइटी स्टोर, भ्रम्बाला णहर। (भ्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:→-

- (क) इन सूचना के राजनज में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  स्वितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबढ़
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोत्स्ताक्षरी के पास
  किवित में 'किए जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जी उक्त श्रीवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिचाधित हैं, वही भ्रष्टं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

सम्पत्ति युकान नं० 10536 वार्ड नं० 6 जोकि भ्रम्बाला महर में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रिजस्ट्रीकर्ता भ्रम्बाला के कार्यालय मे रिजस्ट्री क्रमाक 3018 दिनांक 16-8-79 में दिया गया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 2-4-1980

प्ररूप आई > टी ॰ एन ॰ एन ॰ ----

आगंकर प्रधितियम, 1981 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, रोहतक रोहतक, दिनांक 1 ग्रप्रैल 1980

निदेश सं० के० टी० एल०/3/79-80— अतः मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अशोन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सन्नति, जिनका उनित बाजार मून्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि 91 कनाल, 11 मरले, पट्टी गद्दर है तथा जो पट्टी गद्दर कैथल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्-सूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कैथल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त, 1979

को दिश्वा निर्मात के ब्रोबा बाजार मूल्य से कम के ब्रथमान प्रतिफात के निर्माति के ब्रोबा बाजार मूल्य से कम के ब्रथमान प्रतिफात के निर्माति का गई है प्रोर मृज्ञ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्मिल का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुषमान प्रतिकान से ऐसे द्रुष्यमान प्रतिकाल का पत्कह प्रतिशत प्रधिक है घोर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे घरतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्नलिकित छोष्य से उक्त पर्मारण निवा में सस्ति कि कप में प्रयान नहीं किया गया है।--

- (+) अन्तरग संदुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, या घन-कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना बाहिए बा, खिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बन, उनत बिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के बजीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री विजय कुमार गृप्ता, पुत्र श्री हरी किणन गप्ता विश्वेश्वर, पट्टी गद्द ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री हुकम चन्द पुत्र ज्वाला दास
  - (2) श्री रोशन लालपुत्र गनेश दास
  - (3) श्री मुरिन्द्र सिंह पुत्र नर्रामहदास
  - (4) पंडित श्रोमप्रकाण निवारी पुत्र हरी राम निवासी कैथल :

(ग्रन्तिरिनी)

को यह सूचना जारी करक पर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यशिह्या करता हुं

जनत सम्पत्ति ६ रक्षी क संबंध में का भाषालग :---

- (क) इस पूचना के रागात्र म अकाशन का तारी ख में 45 विन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों मर मूचना की तामोल से 36 दिन् की धवधि, को भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, भी नर पूर्वो का ध्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना ह राजपन्न में प्रकाशन को तारीख में 45 दिम के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पान सिंखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो अकत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में पश्चिमश्चित है, वही सर्च हाना जा उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसृची

सम्पत्ति कृषि भूमि 91 कनाल 11 मरले जोकि गाव पट्टी गद्दर तह० कैथल में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्री कर्ता कैथल के कार्यालय में रजिस्ट्री कमाक 1641, विनांक 21-8-79 में दिया गया है।

> गों० सि० गोंपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-4-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 27 मार्च 1980

निवेश सं० टी० एच० एन०/3/79-80—स्रतः मुझे गो० मि० गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायकत, अर्जन रेंज, रोहतक श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के स्रोति सजन प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर ानांत जित्तका उवित्त बाजार मूल्य 25,000/-ध्यण मे श्रिधक है

श्रीर जिसकी सं० द्कान नं० 103 नई अनाज मन्डी, है, तथा जो टोहाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूपें से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टोहाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अक्तूबर, 1979 को

पूर्वोक्त समात्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफत के किए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्त्रह प्रतिणत श्रधिक है भीर अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमा हरने या उनन बचने में युविजा के लिए; श्रीर/या
- (प्र) ऐसी किसी आय सा किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ श्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव उनन अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, में, उना प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन। निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री जागीर सिंह निवासी गांव मुधेर, तह० टोहाना । (श्रन्तरक)
- श्रीमती मुरिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरदियाल मिह निवासी गांव मुधेर, तह० टोहना।
   (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ग्रविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में साकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूत्रना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा िक्षित अन्य व्यक्ति हारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रीध-नियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं वहीं श्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है ।

# अनुसूची

सम्पत्ति बुकान नं० 103 जोकि नई ग्रनाज मन्डी, टोहाना म स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता टोहाना के कार्यानय में रजिस्ट्री क्रमांक 1277 दिनांक 11-10-79 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 27-3-80

मोहरः

प्ररूप प्राईं । टी । एन । एस ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) के भ्रष्ठीत सूचना

## भारत सरकार

क्तरपतिष, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 27 मार्च 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख इ अधीन नजन प्राधिसारों की, यह विश्वास करने का कारम है कि स्यावर सम्यक्ति जिससे उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ• से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 104, नई भ्रनाज मंडी टोहाना है तथा जो टोहाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुभूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से घणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय टोहाना में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक भ्रक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त सपम्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाबार मूल्य; उसके दृष्यमान प्रतिकत से लेके दृष्यमान प्रतिकत का प्रश्वास प्रतिकत का प्रश्वास प्रतिकत को प्रश्वास प्रतिकत अधिक हैं भौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर प्रश्वासितों (धन्तरितियों) के बोच ऐसे प्रस्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफन, निम्ननिक्षित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण, लिखित में वास्तविक कर ने क्षिन नहीं किया गया है :---

- (भ) प्रश्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उनत प्रवि-नियम के प्रशान कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; घोर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या प्रयय-प्राक्तियों को जिम्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1822 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, किराने में सुजिक्षा के निए

भतः भन, उता भिनियम की धारा 269-ग के भनुतरण में, में उत्त प्रिथितियम को धारा 269-ण की खणकरा (1)-के प्रचीन, निस्तिशिखन व्यक्तियों, भर्षांत:--  श्री गुरिवियाल सिंह पुत्र श्री जागीर सिंह पुत्र श्री भगत सिंह निवासी मुन्धेर, तह० टोहाना ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मुरिन्द्र कौर, पश्नी श्री गुरदियाल सिंह निवासी गांव मुन्धेर, तह० टोहाना। (श्रस्तरिती)

को यह सूत्रना चारी छरके पूड़्येंक्त सम्पत्ति के सर्वेत के लिए कार्यवाहियां करता है।

## वक्त सम्मत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भाषोसः--

- (क्त) रा भूतना के राजरत में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन को अवधि या तरसम्बन्धी म्यक्तियों पर भूवना को नामील से 30 दिन की भवधि, यो की भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स-) इसः सूत्राना के राजपत में प्रकाशनः की साक्षेत्रः से 45 दिन के मीसर उक्त स्थावार सकारितः में शिक्षकः किसी मध्य व्यक्तिः द्वारा अधोद्दलस्थानि के पाक निश्चित में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरण :--इसर्गे प्रयुक्त कन्यों घौर पर्यो का, भो उक्त घिक नियम, के अध्याय 20क में परिकाधिक हैं, बड़ी घर्ष होगा, जो उस घट्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं 104 जोकि नई अनाज मंडी, टोहाना में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रिजस्ट्रीकर्ता टोहाना के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 1278, दिनांक 11-10-1979 में दिया गया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

ताररीखा: 27-3-80

प्रकप आई० ही• एत• एत• ------

आयकर प्रशिविषय, 1941 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के स्थीत सुचता

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जैन रेंज, रोहतक रोहतक, विनांक 1 भ्रप्रैल 1980

निदेश सं० पी० एन० पी०/14/79-80—अत: मुझे, गो० सि० गोपाल, निरोक्षी सहायक आयकर आयकत, अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त घिमियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रचीन सक्तन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्व 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए ल० 345, जिसकी नाप 680 वर्ग गज व माउल टाउन है तथा जो कि पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उपित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान अस्तिक ने लिये अग्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का नार्ण है कि बवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत को एवड प्राचित्रत अधिक है और प्रत्वे प्रविकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत का पत्वह प्रतिशत अधिक है और प्रत्वे प्रतिकत (अग्तरित वों) के बीच वेसे प्रत्वे प्रतिकत की स्वत्वे प्रतिकत निम्ननिविद्य उपेश प्रतिकत निम्ननिविद्य उपेश प्रतिकत निम्ननिविद्य उपेश प्रतिकत निम्ननिविद्य उपेश प्रतिकत में वास्तविक कर वे कविद्य नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण २ हुई किसी आग की वार्यत छक्त श्रीध-नियम के श्रीत कर देने के श्रन्तरक के वासित्व में कसी करने या उसने बचने में पृतिश्रा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर संघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व सम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिने था, जिराने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उबत पश्चितियम की ग्रारा 269-ए के अनुनरच में मैं, तक्त मिलियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ख्बीत, निम्निल्खित व्यक्तियों, वर्षीत् !--- 5---66GI/80

- श्री देविन्द्र सिंह टन्डन पुत्र श्री इकबाल सिंह निवासी 473-ग्रार, माडल टाउन, पानीपत । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जगवीश लाल, अशोक कुमार, पुत्नान श्री कशमीरी लाल निवासी 345, श्रार० माडल टाउन, पानीपत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोदत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप !--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की श्रविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचव की तामील से 30 दिन की श्रविश्व, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी करें 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास निकात में किये जा सकेंगे।

क्षच्छीकरण:—इसमें प्रपुक्त शब्दों मौर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के सम्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, वही धर्ष होगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 345-एल, जोकि माडल टाउन, पानीपत में स्थित है तथा 680 वर्ग गज का है तथा जिसका भौर ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 2781 दिनांक 13-8-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रंज, रोहसक

तारीख: 1-4-1980

# प्रकप भाई०टी०एन०एस०---

भागकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के ग्राधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 1 ग्रप्रैल, 1980

निदेश सं०एन०एन०एन०/5/79-80—— श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत श्रीधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रीति सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रीक है

प्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति तीन दुकानें, रिहायसी मकान सहित है तथा जो नारनौल (महेन्द्रगढ़) में स्थित है (प्रौर इससे उपायद्व प्रनूम्ची में प्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नारनौल में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख अगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उनत श्रिधितियमं, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिथीत:—  श्री हजारी लाल पुत्र कांशीराम पुत्र श्री राम चन्द्र वैध्य गांव धालेडा, हाल, नारनौल खुद व मुख्तार खास सुरजमल मोहनलाल, शिव चरण, नारनौल। (ग्रन्तरक)

ल

- (1) श्री याद राम पुत्र पूरन मल निवासी खानपुर ।
  - (2) श्रीमती ग्यारसी देवी पुत्नी श्री शेलूराम निवासी रिवाली।

(म्रन्तरिती)

3. कई किरायेषार जैसे कि 37-ई, फार्म में दिया है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहोप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जोभी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो छक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति तीन दुकानें, रिहायसी मकान सहित जोकि नई मंडी, नारनील में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रधिक विवरण रिजस्ट्री कर्ता नारनील के कार्यालय में रिजस्ट्री ऋगांक 1451, दिनांक 20-8-79 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-4-1980 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एत० एस०----

जावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 1 मई 1980

निदेश सं० एस० श्रार० एस०/48/79-80—-श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, शर्जन रेंज, रोहतक श्रायकर श्रीयुक्त, शर्जन रेंज, रोहतक श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 476/1 है, तथा जो सदर बाजार, सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकाी के कार्यालय सिरसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसो धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात् ः →

 श्री पदम सैन जैन पुत्र श्री प्रभुवयाल पुत्र श्री जगाराम मुख्य लिपिक/सुपरिन्टेन्डेन्ट, सिचाई विभाग, सिरसा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुलख राज पुत्र बरकत राम पुत्र श्री चम्बा राम पार्टनर, मैसर्स सन्तलाल मुलख राज

जामा मस्जिद के सामने, संदर बाजार, सिरसा । (झस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित~ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वब्दीकरण :—-इसमें प्रयुक्त सम्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# **श्रनुस्**धी

सम्पत्ति दुकान तं० 476/1, जोकि सदर वाजार सिरमा में स्थित है तथा ज्यादा विवरण रिजस्ट्री कर्ता सिरमा के कार्यालय में रिजस्ट्री कमाक, 3238 दिनांक 13-8-79 में दिया गया है।

> गो० मि० गोगाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

त(रीख 1-5-80 मोहर:, प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, ब्रहायक धायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 1 मई 1980

निदेश सं० के० एन० एल० /32/79-80—-श्रतः मूक्षेगो० सि० गोपाल,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके पर्यचीत् 'उंक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के मधीन संभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द से अधिक है और जिसकी सं०

हुकान नं० 176 महाबीर दल रोड, करनाल, है तथा जो करनाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्त में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन भारीख मितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छट्टेग्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्। ---

- श्री राधेक्याम पुन्न श्री हीरा नन्द अरोड़ा, निवासी 96 ध्याल सिंह कालोनी, करनाल। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री योद्धा राज पुत्र श्री बूखुराम श्ररोडा, निवासी राम नगर, करनाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के <mark>श्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्क्षप:--

- (क) इस सूचिता के राजपंत्र में प्रकार्णन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचिता की तामील से 30 दिन की अवधि ,जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्विकत विश्वितयों 'में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिमा गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 176 जोकि महावीर ६ल रोड, करनाल में स्थित है तथा जिसका पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 3668, दिनांक 25-9-79 में दिया गया है।

> गो० मि० गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-5-80

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> ग्रर्जनरेंज, रोहतक रोहतक ,दिनांक 1 ग्रप्रैल, 1980

भीर जिसकी सं० दुकान न० 179 महावीरदल रोड, करनाल में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के वार्यालय वरनाल, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरिन की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त श्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

कतः, अन, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के धामीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री योध राज पुत्र श्री बुद्ध राम धरोड़ा, निवासी रामनगर, करनाल । (ग्रन्तरक)
- श्री राधे क्याम पुत्र श्री हीरा नन्द ग्ररोड़ा, निवासी 96, दयालसिंह कालोनी, करनाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के मिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उत्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दो ग्रीर पक्षों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, त्रही ग्रर्थ होगा, जो उन ग्राच्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

सम्यक्ति दुगान नं 179 जोति महाबीर दल रोड, वरनाथ में स्थित है तथा जिसका पुरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ती करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3367 दिनांक 25-9-1979 में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-5-1980

प्रकप माई० टी० एन० एस०---

# आयकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 मई 1980

निदेश स० बी० जी०ग्रार०/39/79-80---यतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० रिहायसी मकान नं० 3-डी, 129, एन० आई० टी, रक्जा, 233-33 वर्ग गज है तथा जो फरीदा ब.द में स्थित है (ग्नौर इससे जपाबद अनुसूची श्नौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिप्तियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/या
- (थ) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रष्ठितियम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रश्विनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, प्रवीत् :---

- श्रीमती भिरावा देवी पत्नी श्री साहिब राम निवासी 3-डी, 129, न्य टाउन शिप, फरीदाबाद (श्रन्तर्क)
- 2. श्री विधि चन्द पुत्र श्री झांगी राम श्रीमती लाजबन्ती पत्नी श्री विधि चन्द निवासी 3-डी, 129, एन०ब्राई० टी० फरीदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवित्र या तत्सम्बन्धी क्यित मों पर सूचता की तामीन से 30 दिन की भ्रवित्र, जो भी भ्रवित्र बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्वब्दी सरग: --इसमें प्रयुक्त घड़दों और पदों का, जा उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

समिनि महान नं० 3-डी, 129 एन० म्राई० टी०, रकबा 233-33 वर्ग गज फरीदाबाद में स्थित तथा जिसका पूरा विवरण रिजस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 7583, दिनांक 29-1-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक

नारीख 1-5-1980 मोहर:

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-र नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां क 17 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/I-8-79-80/376---यतः मक्षे जी० सी० भ्रग्रवाल

आयकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अवीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृख्य 25,000/- कपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भाग नं० 108 पहली मंजिल, डी० एल० एफ० मक्तान नं० एफ-40 कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाय अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1979 की पूर्वोक्त कर जिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम श्रांतक के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उक्ति वाजार मूक्य उसके वृश्यमान प्रतिफल के। प्रमुख उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकात में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किमी घाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के घंधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचमे में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिश्रित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधित्यम, या धन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिवियम की बारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स डी० एल० एफ० यनाइटड लिमिटेड,
 21-22, नरन्द्रा पलस, पालियामट स्ट्रीट,
 दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मै० माडन इन्टरप्राइजिज , द्वारा श्री प्रम नरायण, जी० टी० रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंबन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इन प्ता के राजात में प्रकाशन की लारीया से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर
  मूचना को तामीन से 30 दिन की भविष, जो मो
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (मा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव दें कियी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्थीकरण:--इमर्मे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिविनयम के भन्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा जो उस स्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भाग नं 108) (पहली मंजिल) डी ० एल ० एफ ० मकान न ० एफ ० ४०, कनाट प्लेम, नई दिल्ली । (क्षेत्र फल: ४13,63 वर्ग फुट) ।

जी० सी० ग्रग्नयाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नर्ष्ट दिल्ली-110002

तारीख: 17 ग्रप्रैल, 1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० ──

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/8-79/339---यतः मुझे, जी० सी० म्राग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० इ-444 है तथा को ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1979 को पूर्वोक्स सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिषधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तितयों अर्थात्:—

- कमला तेंहरान प<sup>्</sup>नी श्री शान्ती सरूप तेंहरान निवासी 101 सुन्दर नगर, पठानकोट, पंजाब। (भ्रन्तरक)
- 2. मैसर्ज भारत बिल्डर्स द्वारा हिस्सेवार श्री कीमती लाल पुत्र श्री ठाकुर दास निवासी 7/25, पुराना राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के शुर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्लाट नं इ-444, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-48, क्षेत्रफल 250 वर्ग गज।

> जी० सी० ध्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायुकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-1980

प्ररूप आहर् टी॰ एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 प्रप्रैल, 1980

निर्वेश सं० धाई० ए० सी० /एक्यू०/I/एस० धार० III/8-29/345—श्रतः मुझे, जी० सी० प्रग्नवाल, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० एम०-20 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्व रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-8-1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--7—6601/0

- 1. श्री जगन नाथ भग्नवाल पुत्र श्री मूलचन्द निवासी सी-48, न्यू मुलतान नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुनील कुमार कोहली पुत्न श्री सत्यापाल कोहली निवासी द्वारा पी० बी० नं० 1233 (सफेद) कुवेटा, श्रब ए०-117 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

एक बुकान का प्लाट सं० एम-20 जिसका क्षेत्रफल 195 वर्ग गज तथा जो कि ग्रेटर कैलाग में स्थित है। जी० सी० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 17-4-80

1110 ((2))

कार्यालय, सहायक अध्यकर भायक्त (निरोक्षण)

भर्जन रेंज,I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 भ्रप्रैल 1980

निर्वेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०—
III/8-79/353---यतः मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
बासकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
दिक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,00 √-क० से अधिक है

भीर जिसक सं० ई-34 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, तारीख 27-8-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है जोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (धन्तरको) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त धिक्षित्यम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को जिन्हें भारतीय धायकर धांधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

जतः धन, उक्त प्रजिनियम की घारा 269-ग के प्रमुक्षरण में, भें, उक्त प्रजिनियम को जारा 269-व की प्रवशासा (1) श्रुष्टीन निम्नलिखित व्यक्तियों, क्षत्रीय !---

- 1. श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी श्री स्व॰ श्री लाल **ज**न्द ई॰-24, कालका जी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राजकुमारी बतरा पत्नी श्री कृष्णा चन्द बतरा ई-24, कालकाजी, नई विल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करने पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तस्त्र-धन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तासील से 30 दिन को श्रविध, यो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताझरी ने पास निम्बित में किए जा सकेंगे।

हाक्टी इरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **प्रनुस्**ची

एक सम्पत्ति नं० ई०-24 जिसका क्षेत्रफल -200 वर्ग। गज तथा जो कि कालकाजी, में स्थित है।

> जी० सी० झग्रवाल सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेज-I दिल्ली/नई विस्ली

तारीख: 17-4-1980

रुपये से प्रधिक है

## प्रकृप भाई । ही । एन । एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज—I, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 मप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/I/एस० आर०-II/8-79/391—यतः मुझे, जी० सो० अग्रवाल, धायकर धिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मह्य 25,000/-

धौर जिसकी सं० है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 स्ट्राप्त 1878) है ग्राप्ति नारीक ग्राप्त 1979

का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1979
की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करन
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के प्रश्वह
प्रतिशत से ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती
(ग्र-नरितियों) के बीच ऐसे ग्रग्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रग्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धारतरण से हुई किसी भाग की वाबत उक्त प्रशि-निगम के भंधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (■) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिम्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवनियम, या धनकर भिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

प्रतः मन, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के समुनरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-ण की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:---

- श्री श्रम्बा प्रसाद अग्रवाल निवासी एस०-36 दुकान ग्रीन पार्क, नई दिल्ली श्रौर श्री महेन्दर कुमार जैन निवासी 202 विनय मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मुल्कराज सखेजा निवासी के०-89 कर्बला म्रलीगंज, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वोक्त संपक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करताहुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी घालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविभ, जो भी भविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हिनबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिश्वितयम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भर्य होचा को सस अभ्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक फीहोल्ड रिहायणी प्लाट नं० 2 ए ब्लाफ-टी जिसका क्षेत्रफल 322 वर्ग गज है तथा जो ग्रीन पार्क एक्स टेंशन में स्थित है।

> जी० सी० झग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**व**: 17-4-1980

प्ररूप आई. टी. एनः एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली 110002, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०1/8--79/346---

श्रतः मुझे, जी० सी० ग्रग्नवाल,

रूप से कधित नहीं किया गया है:---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं बी०-225 है तथा जो ग्रेटर कैलाण नं 1, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वर्धिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्रीमती सुनीता चोपड़ा, पत्नी सुभाग चोपड़ा निवासी
   ए०/13 डब्ल्यू० ई० ऐ० करोल बाग नई दिल्ली।
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सत्या सचदेव पत्नी के० एल० सचदेव निवासी के०-2/8, माडल टाउन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील को 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वरसधी

प्लाट नं० 225, ब्लाक नं० बी० एरिया 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश, नं० 1, नई दिल्ली।

> जी० सी० ध्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

त।रीख: 17-4-1980

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के ग्रंधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज I.

4/14-क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 17-4-1980

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-I/8-79/409—यतः मुझे, जी०सी० श्रग्रवाल,

भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- २० से भ्रिधिक है

भीर जिसकी संख्या ई-17 है तथा जो एन० डी० एम० ई० पार्ट नं० I में स्थित है । भ्रीर इससे छपाबद्ध भ्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उस से बचने में मुनिधा के लिए, ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

पतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, प्रयीत् :—

- (1) श्री दरशन मिह पुत्र श्री परीतम मिह श्रालमवाला कला वाया भागापूरन जिला फरीधकोट (पंजाब) (श्रन्तरक)
- (2) श्री जे॰ डी॰ शर्मा, पुत्र स्वी॰ शिव दस श्रीर सुधीर तरिखा पुत्र जे॰ डी॰ शर्मा निवासी 116, उदया पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की प्रविध या तत्सं खंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति ब्रारा श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उम श्रध्याय में विया गया है।

# ग्रन<u>ु</u>सूची

क्षाई मंजाला मकान नं० ई०-17एन० डी० एस० ई० पार्ट नं० I नई दिल्ली, एरिया 200 वर्ग गज ।

> जी ० सी० प्रग्नवाल सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-80

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के **ग्र**िधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज।

दिनांक 17 अप्रील 1980

निदेश सं श्राई ० ए० सी ० /एक्यु ० I/78-79/336--- यत: मुझे, जी० सी० अग्रवास भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इनके पश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारम है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित 25,000/- स्पए ने सक्षिक है मुल्य श्रीर जिसकी संख्या ई०-280 है तथा जो ग्रेटर कैशाश कैलाश नं ा, में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख मगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मृख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश न उना भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) ग्रन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अस, उद्यत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुतरण में, मैं, उद्यत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित क्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्री डाक्टर सी० ग्रार० गुलाटी निवासी एस०/235, ग्रेटर कैलाश नं० I नई घिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती इन्दूरानी बोस पत्नी श्री वीपक बोस श्रीमती मीनाक्शी बोस पत्नी परदीप कुमार बोस निवासी 4755/56, श्रार०ए० रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० ई०-280, ग्रेटर कैलाश नं० II, नई दिल्ली एरिया 250 वर्ग गज

> जी० सी० अग्रवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर आगुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-1980

प्ररूप माई० टी• एन० एस०----आयकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म(1) के मधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायक्त (निरीकण)

श्चर्जन रेंज-1 4/I 4 क, आसफअलीमार्ग, नई दिल्ली----110002 नई दिल्ली-110002, दिनाक 17-4-1980

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू० I/8-79/3441—श्रत. मुझे, जी० सी० श्रग्रवाल,

आयकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी संख्या एम० 47 है तथा जो ग्रेटर कैलाश -1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रगस्त, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण शिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐंसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तिगो को, जिन्हे भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए,

श्रतः ग्रन, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथील:---

- (1) श्री वृज मोहन लाल सी०-34, पसा इन्स्टीट्युट नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मजीत सिंह निवासी 36, (दो मन्जला) नया राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की घनिश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिश्व, जो भी घनिश्व याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों कीर पदो का, जो उक्त अधि-नियम के कड्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० एम०-47, ऐरिया 412 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश मे हैं।

> जी० सी० मग्रवाल, सक्षम प्रधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 17-4-1980

मोहरः

प्रका भाई । टी । एन । एस ०----

मावकर विविविषम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002 दिनांक 17 अप्रैल 1980

है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-इपये से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 107 पहली मंजिल है तथा जो डी० एल० एफ० F-40 कनाट पैलेम नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंखह प्रतिकृत स्थिक है और सन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक का में कथा। नहीं किया गया है:---

- (क) धग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त धिक्षित्यम के अधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी फिसी श्राय या किसी बन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उन्त मधिनियम की धारा 269-र्ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) मैं० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22 परेमा नरेन्द्रा पलेस पालियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० एस० पी० जैन एण्ड क्रोस (क० ग्रनारिणप) श्री एस० पी० जैन के द्वारा, 2 बाजार हाउस बारा टूटी सदर बाजार दिल्ली-6। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीण में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिनाइ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

# **घनुसू**ची

एक हिस्सा जिसकी संख्या नं १ 107, जोकि डी ० एल ० एफ ० हाउम 40 एफ ० कनाट पलेम में स्थित है तथा जिसका क्षेत्र-फल 403.52 वर्गगज है।

> जी० सी० भग्नवाल सक्षम श्रिषिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज  ${f I}$ 

4/14क आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-11002, तारीख 17-4-1980

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु० I/एम० श्रार० III/ 8-79/401---श्रतः मुझे, जी० सी० श्रग्रवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धरण 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रा में अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या रकान नं० 8 (ग्राउण्ड फ्लोर) है तथा जो कर्माशयल कम्गलैक्स, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजरट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख धगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अथिति:—— 8-66GI/80 (1) मैं० डी० एन० एम० बिल्डर्स 21-22, नरिन्द्रा पैलेम पालायामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० पाल नन्दा, सतीण नन्दा, रवी नन्दा श्रजीत नन्दा, राकेण नन्दा पुत्र श्री एच० श्रार० नन्दा जी०-12, एन० डी० एम० ई०, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन की अविधि या लत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

दूकान नं० 8, ग्राउण्ड फ्लोर, कर्माणयल कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाई,- $\mathbf{I}^{\mathbf{I}}$  नई दिल्ली ।

जी० सी० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महाक्षक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

मायौलय, तद्वायम भायभर आयुक्त (तिरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, 4/14 म, आसफजली मार्ग, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-ग/एस० ग्रार०-/VI 8-79/1131----ग्रतः मुझे, जी० सी० ग्रग्रवाल, जायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका ज्वित बाजार मूल्य 25,000/ ए० से भ्रधिक हैं

मौर जिमकी सं० एस०-4 है तथा जो पश्चिम ज्योति नगर.
नहीं दिल्ली म स्थित है (श्रीर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में
श्रीर पूर्व रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-8-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
शतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
कार्यह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर
भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए
तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाय मा किसी धन या प्रस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या जल-कर ग्रिधिनियम, या जल-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वृतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- श्री बीरबल धीर द्वारा श्री छोम प्रकाश 1/18,
 दी/3 विजय नगर, नई दिल्ली । (ध्रन्तरक)
 श्री मदन लाल भण्डारी पुत्र श्री घ्रमर नाथ निवासी
 ए० 2/20, कृष्ण नगर, विल्लीं → 51। (ध्रन्तरिती)

को यह जुलता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दि किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टवाय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाढ मं॰ 4 ब्लाक एस जो रिश्वायकी कालोनी में जो ज्योति नगर पश्चिमी के नाम से भी जाना जाता है लोनी रोड़, शहादरा दिल्ली में स्थित है क्षेत्रफल 250 वर्ग गज।

> जी० सी० श्रम्रवास मक्षम प्राधिकारी नहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**व**: 17→4-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिश्वीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रज-I, 4/14 क, आसफअसी मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० ग्रार०-IV/8-79/1152----ग्रतः मुझे, जी० सी० श्रप्रवाल,
आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से
अधिक है

मौर जिसकी सं० एफ०-14/13 है तथा जो कृष्ण नगर विल्ली-51 में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता मधिकारी के वार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख मगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या प्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रीधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उनतः अधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण मैं, में, दन्त धिधनियम का धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत् :—-

- 1. श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री राम प्रकाश निवासी मकान नं० 462 झील कुराँजा दिल्ली तथा श्री गोविन्द लाल मिलका पुत्र श्री मेहर चन्व निवासी 336 राम नगर, दिल्ली। (धन्सरक)
- 2. श्री भगवान दास कपूर पुत्र श्री चन्दु लाल कपूर निवासी मकान नं० जी-58, सीलमपुर, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुषत राज्दों और ववों का, जो उनक प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिमाणिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नंपन्त्रची

एक रिह्नायशी मकान नं एक -14/13 जिसमें दो कमरे, रसोई, टट्टी, बिजली पानी सिहत भू-भाग पर भौर एक कमरा, सहन पहली मंजिल पर कृष्ण नगर, दिल्ली-51 में स्थित:---

जी॰ सी॰ ग्रग्नवास, संसम प्राधिकारी, सहामक त्रावकर त्रायुक्त (निरीक्तन), ग्रजैन रेंज--I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारी**ख: 17-4-1**980

प्ररूप ग्राईo टीo एनo एसo----

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनाक 17 प्रप्रैल 1980

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यु०→1/एस० श्रार०-IV/8-79/1142—- अत मुझे, जी० सी० श्रग्रवाल, ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उका श्रवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के ग्राप्ति मधम प्राधिकारी को,यह विश्वाम करने का हारण है क स्थावर सम्मति, जि**पका उ**चित 25,000/-मूल्य रुपए से श्रीर जिसकी स० मनान जो प्लाट न० वी 3/11, हुण्ण नगर, है तथा जो दिल्ली- 51 क एक भाग पर बना है, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भ्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बजार मृहय से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषय स करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान पतिफल से, ऐसे द यमान प्रतिकृत है। पद्ध है शिया स अधिक है भीर अनाह (प्रतारो) प्रौर ग्रन्निति (ग्रन्निरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के तिरु तथ राया गा। यतिकत, निस्तलिबित उद्देश न उका प्रतारम निजा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबन उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिवित गिलाएं गाँउ :——

- 1 श्रीमती पद्मायती दवी पत्नी श्री णिव राज सिंह बीठ 3/1, प्यानगर, दिल्ली- 51 (श्रन्तरव)
- 2 श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री भला सिंह कियासी 203, गोपाल पार्क शाहदरा, दिल्ली- 51 (क्रान्टिकी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रधिया तत्मत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोह्म्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पट्टी करण : --इयमे प्रयुक्त णब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के स्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही स्र्यं होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया हैं।

# अनु**सूची**

मकान जो उत्तरी भाग प्लाट न० बी०3/1 पर बना है श्रीर जिसका क्षेत्रफल 149-7/9 वर्ग गज श्रीर जो कुल भाग 272-2/9 वर्ग गज श्रीर जो गाव गोन्दली हुप्ण नगर--इलाका शाह्दरा, श्रवादी में स्थित है श्रीर जो निम्निलिखत से घरा है दिल्ली-51 में .---

उत्तर्—मण्क

दक्षिण --दूसरा भाग श्राफ प्लाट नं० वी०--3/1 बना हम्रा है।

पूर्व---सडक

पक्षित्रम---मकान जो प्लाट नं० क्री०-3/2।

जी० सी० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

नारीख: 17--4--1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनार 17 अप्रैल 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० महान जो प्रताट नं० एफ० 14/4 एषण नगर, दिल्ली--51 है नथा जा एफ० 14/4 के एक भाग प्र बना है में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रम् स्वर्ध में श्रीर पूर्व रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकित श्रीधकारी के कार्यालग, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकिरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रमस्य 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- श्री ग्यान सिंह पुत्र श्री रोशन सिंह एफ०-14/4, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (श्रन्तरेक)
- 2. श्रीमती प्यारी देवी पत्नी श्री माहन लाल एफ द्रिन्त्र्र्/ 8-ए० टुष्ण नगर, दिल्ली⊷51। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भाग प्लाट नं० एफ०-14/4 क्षेत्रफल 82-4/10 वर्ग गंज आबादी एटण नगर, दिल्ली-51, जिसमें, दो कमरे, एक टट्टी, एक गुसल खाना, एक बरामदा, रसोई पैडियां भू-भाग पर और एक कमरा-बरामदा श्रादि पहली मिजल पर बनी है।

> जी० सी० ग्राप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजेन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 17-4-1980

मोहर 🕽

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~-I,

4/14क, आसफअर्ला मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० प्रार्ड० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० प्रार० IV/8-79/1130--प्रतः मुझे, जी० सी० प्रग्रवाल, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 पर मकान है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली→51 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रत्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत :---

- 1. श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री पिशौरी लाल निवासी ज०-5/7 कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (श्रन्तरक)
- 2. श्री इन्द्र पाल सिंह, इन्द्र जीत सिंह पुत्र श्री हरचरण सिंह एफ-9/32, ऋषण नगर, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं ।

उन्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

एत रिहायशी मकान जो प्लाट नं० 7 के भाग पर बना है और जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग गज भयवा 75.25 वर्ग मीटर ग्रीर जो खसरा नं० 511 भीर जो गांव गोन्दली कृष्ण नगर, दिल्ली→51 में स्थित है।

> जी॰ सी॰ भग्नषाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-1980

प्रकप माई• टी• एत• एस•---

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रशीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सङ्घायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई दिख्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस० आर० IV/ 8- 79/1128-- ग्रत: मुझे, जी० सी० ग्रग्नवाल, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- रूपये से अधिक है **भीर** जिसकी सं० एफ०-10/3 है तथा को अपण नगर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्या-लय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृत्य से कम के वृत्र्यमान प्रतिकास के लिए धन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके बुख्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकान के परवह प्रतिकत से प्रधिक है सीर मन्तरक (प्रग्तरकीं) प्रीर प्रग्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के अक्त अन्तरण निकार में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:--

- (क) सन्तरण से हुई किसी साय की बाबत उनत सिंतियम के सभीत कर देते के सन्तरक के वायिस्य में कमी करते या उससे बचते में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीमिनयम, या मन-कर ग्रीमिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उनतं प्रवित्तियम की भारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त प्रवित्तियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्रीमती पुष्पा देवी, बी० ई०-139 हरी दिल्ली-64। (ग्रन्सरक)
  - श्री बी० ने० भूटानी, 206 राम नगर, दिल्ली- 51 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध, या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुनुषी

मकान नं॰ एफ॰- 10/3, कृष्ण नगर, दिल्ली- 51 क्षेत्रफल 70 वर्ग गज।

जी० सी० भग्नवास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-1980

प्रकृप श्राई० टी० एन० एन०--

श्रायकर श्रिशितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के श्रशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण ) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांगः 17 भ्रप्रैल 1980

निर्देण गं० अं ई० ए० मी०/एक्यू०-JV/एम० शार० JV/8-79/1124---अनः मुझे, जी० मी० अग्रवाल, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका दिवत बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे अधिक है

स्रोर जिसकी स० पूर्वी हिस्सा महान नं० सी/ 10/1, है तथा जो किल्ल गगर, नई दिल्ली-51 में स्थित है (स्रोर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण क्या में विणित है), रिजस्ट्री-वर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-इक् श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख, स्रगस्त, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुभे पढ़ विष्वाम करने का कारण है कि । आपूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान गिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती सें (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबन, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी ित्सी आप या ित्सी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं ितया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथींत:--- 1 श्री ८।म कुम।र त्रित्तल पुत्र श्री जगत ताथ निवासी सो०-10/4 हुटण नगर, नई दिल्ली-51।

(अन्तरह)

2 श्री क्रा<sup>⊤</sup>० पं० गुप्ता पुत्र श्री बाब राम गप्ता ीत्रामी मी०—4/12, कृष्ण नगर, दिल्ली~51।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजरंत में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन को ध्रतिय पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इप सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रजीहरूनाक्षरी के पास निखित में किए ना सकेंगे।

ह्मब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

# अनुसूची

पूर्वी भाग, मकान नैं० सी०-10/4, क्षेत्रफल 164-2/10 वर्ग गन खमरा न० 520/487, गांव गोन्दली में ।सा कृष्य नगर प्रावादी दिल्ली--51 में इलाका शहादरा दिल्ली।

> जी० सी० श्रग्रवाल **सक्षम प्राधिकारी** संद्<mark>रायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण</mark>)

प्रजा रेज री, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

र,रीख. । 7→ 1→1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्रधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 17 प्रप्रेल 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० श्रार० III/
8-79/1596--प्रतः मुझे, जी० सी० श्रग्रवाल,
श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पर्यचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के
ध्रितियम श्रिधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से
प्रिक्त है

भौर जिसकी सं० ए०/59 है तथा जो पंचमील इन्बलेय, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रियकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल के पल्यह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किंबत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरक से हुई किसी श्राय की वावत जक्त स्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, उन्त अितिनम की धारा 269—ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रिचियम की धारा∮269—ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत् :—— 9—66 GI/80

- 1. डा॰ भ्रमर नाथ पुत्र श्री नन्द लाल निवासी ए॰ 39 पंचणील एन्क्लेव, नई विल्ली द्वारा धर्मपाल श्रुमरा एकवोकेट निवासी फ्लैंट नं॰ 2, 10 डैले रोड़, नई विल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री शिव दयाल माथुर पुत्र श्री हीरा बाब मायर. ग्रार० 734 न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मजान नं० ए०/39 पंचशील एन्क्लेय (स्रेन्नफल 209 वर्ग मीटर) नई दिल्ली स्थित।

> जी० सी० श्रग्नवास सक्षम प्राविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज⊶1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**च**: 17-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एग०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन मूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

यार्जन रेंज-1. दिल्ली, नई टिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 य्रप्रैल 1980

बासकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इमके पश्चान् 'उन्त सिंधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थागर मम्प्रति, जिमका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रुवसे प्रसिक है

भौर जिसकी सं० पी०-73 है तथा जो एए० डी० एस० ली० पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीय जी अधि-कारी के कार्यीलय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-निमम, 1908 (1908 वा 16) के स्रधीन, तारीख अगस्त 1979को

सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोंकत संपत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त समितियम के प्रधान कर दन के प्रान्तरण के दाधिश्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिका के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी अध्यया कियी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम, ही धारा 269-ग के अनुसरण ने, में, धनत श्रीधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीत, निम्तनिर्दत न्यन्तियों, प्रवीत:---  श्रीमती राज बत्तरा पत्नी तेवार नाथ बत्तरा निव सी मी •/17, डिफोम कालोनी नई दिहली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बलदेव ऋषण पुत्र निरंजन दास जे०/108, एस० डी० एस० सी० पार्ट I, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के मंत्रध में कोई मा आश्रीप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रधापन यो तारीख से 45 दिन की प्रविधि या प्रसंबंधी व्यक्तियों रण स्वता की तामीन में 30 दिन की अवधि, ता भी प्रविध या में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वीका व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपन प्रशाबर एक्पिक के जिन्हा, किसी सम्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्पात्रको । ता । लिखिन में दिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदा का, जो उकत अधि-नियम, के भड़्याय 20-र में लित्रशासित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अब्बद्ध में दिया गया है।

## धनुमूची

रि**हामशी म**कान नं॰ पी०/73-एन० डी० एस० ई०-**पार्ट II क्षेत्रफल** 200 वर्ग गत्र, नई दिल्ली स्थित।

> जी० मी० श्रग्नवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग्र-1, दिल्ली: नई दिल्ली-110002

तारीच: 17-4-1980

नोहर:

अस्य के अभ्राप्त ---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रयोग स्वना

### भारत सरकार

कार्याचय, महायक यात्रकर भ्रायुक्त (निरोक्षण)

प्रजीत रजन। चलती, नई दिल्ली नई रचना-110002 स्मातः 17 श्रप्रैन 1980 निर्देश स० आई०ए०सी०/एकपू०-1/एस० आर•-III/ 8-79/1593--प्रता, भुझे, जी० सी० श्रप्रधाल, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रीधीनयम', कहा गया है), की धारा

269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बंजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिपकी स० 4 एक० है तथा जो नई दिल्ली साऊथ एक्सटेजन पार्ट-11 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबढ़ प्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रीध मारी के प्राथितिया, नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख ग्रीमस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीव ऐंग अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निमानाबा उद्धा न उसा अन्तरण लिखित में वास्तिक का में कथिन नहां किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, बनत ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुबिधा का लिए; ग्रीर/या
- (ख) एपा िसो आप या किनो बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किय गया था या किया जाना वाहिए था कियान में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक्ष में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियां, अर्थात् :-- शिमती सुरेण थापर पत्ना श्री जी० पी० भाषर, निक.सी ऐ० 194, डिफींम कालोनी, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

2 श्रीमती भगवान देवी पर्ता चन्द्रभान बलेचा, रंभवानी (हरियाणा)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पांस
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधितियम', के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि प्ताट नाथ 4 बतात एफा क्षेत्रफल 328 माँ गज (274.25 वर्ग मीटर) माऊथ ऐक्सटेंशन पार्ट-II; नई दिल्ली में स्थित।

> जी० सी० म्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज-1, दिल्ली, नर्ध दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-1980

गया है;

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली-110002, दिनांक 17 प्रप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० ।/एस० आर०-III/8-79/1592---- भ्रतः मुझे, जी० सी० भ्रग्रवाल, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित श्रधिक है बाजार मृल्य 25,000/-**च**पए ग्रीर जिसकी सं० ए०-1/4 है तथा जो बसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, (1908 का 16) के घ्रधीन, तारीख घगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दूश्यभान प्रतिफल के लिए धन्तरिक की वर्ष है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरणके लिए तय पाया वया प्रतिफिल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे वचने में सुविज्ञा के जिए; धौर/या
- (अ) ऐसी किसी माय या किसी मन या अन्य जास्तिनों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छस्त भिम्नियम, या धन-कर भिम्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए।

अतः, अब, एक्त प्रधितियम की आरा 269-ग के अनुसरण में, मैं उस्त प्रधितियम की बारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता→

- श्री हरिन्द्र सिंह, ए०-1 डी० डी० ए० फ्रेंडस कालोनी, नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुनील कुमार सोई, सोई बीज फार्म, कपास हेडा, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह न्या जारी करके पूर्वोक्त मध्यति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धवधि या तरसवंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोत्र से 45 विन के मीतर खनन स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिजिन में किए ता सर्केंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, है, वही अर्थ होगा, वो उस प्रध्याय में दिया नया है।

# बनुसूची

महान न० ए०-1/4, बसन्त बिहार, न दिल्ली।

जी० सी० शप्रवाल स्वाम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखा: 17-4-1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

ग्रायकर भिष्नियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-च (1) के प्रधीत सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक धायकर धाबुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, दिल्ली, नर्ष दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० II/एस० ग्रार०III/8-79/1589--- ग्रतः मुझे, जी० सी० ग्रग्रवाल,
ग्रायकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उपत पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा
269-च के ग्रजीत सजाम ग्रिशिकारी को, यह विश्वाम करने
का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- चपमे से ग्रिशिक है
ग्रीर जिसकी सं० यू०/रबी है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण
रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908
का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रागस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बिलत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रक्तरित की गई है घीर मुझे यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्रत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है घौर प्रक्तरक (प्रक्तरकों) घौर प्रक्तरिती (प्रक्तरितियों) के बीच ऐसे प्रक्ररण के लिए, तथ पाया नथा प्रतिफल निम्तिविधित उद्देश्य से उक्त प्रक्तरण लिखित में वास्तिक कर से बिषत नहीं किया नथा है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाग की बावन उक्त, मिंछ-नियम के भाषीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित में कमी करने वा उससे बचने में सुविका के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें, कारतीय ग्रायकर ग्रव्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रव्धिनियम, या धन-कर ग्रामिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विद्या के लिए;

भ्रतः, यब, उन्त भ्रष्ठिनियम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त ध्रष्ठिनियम की बारा 269-च की उपबारा-1 के भ्रष्ठीन निम्मनिखित व्यक्तियों भ्रष्ठीत् :—

- श्रोगनी लाज वावला पत्नी श्री खजान सिंह निवासी यू०-18, होज खास, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री राजेन्द्र कुमार भर्मा पुत श्री छन्गा मल, निवासी यू०-7बी, ग्रीन पार्क नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो करक पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हि्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० 7-वि ब्लाक 'यू' क्षेत्रफल 240 वर्ग गज ग्रोन पार्क, नर्ष विस्ली स्थित।

> जी० सी० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज⊶1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 17-4-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायंकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) क म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, 4/14,क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनाह 17 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० II/एम० श्राप्त —III/8-79/1577—श्रत मुझे, जी० सी० श्रप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभ्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000;- दपर से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० XVI/1461 है तथा जो गली तं० 23—24, नाई वाला, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांग्र इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से विज्ञात है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है धौर श्रन्तरिक (ग्रन्तरिकों) शौर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के तिए ता पाया गा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त ग्रन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ब्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उमत श्रिधि-नियम, के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग क ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीन्:---

- ा श्रो सा पित पूल श्री सूरल सित् निवासी मामन नं० 1461. गला न० 23/24 नाई वाला, वरोल **बाग,** नई दिल्ली। (अन्सरक)
- 2. श्रीमती मंतोष कुमारी पत्नी श्री जगदीण चन्द्र (2) कमलेश रानी पत्नी कुन्दन लाल (3) फूलारानी पत्नी राजिकशन निवासी बी०-2/2, श्रणोक विहार फेज-II दिल्ली-52। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना नारी करके पूर्वोक्त समात्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के स्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस तूचना क राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविश्व मा नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाण होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी द से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हिनश: किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोत्स्ताक्षरी
  के पान लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गा है।

## अनुसृची

मकान नं० XVI/1461 गली न० 23-24, नाई वाली, करोल बाग, नई दिल्ली, खसरा नं० पुराना 1171/855/1 तथा नया नं० 2284/1171/855 दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित।

जी० मी० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोख: 17-4-1980

प्ररूप शाई॰ टी० 'नॅ० ए५०---

आयकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारः 269-घ (1) के सुधीर यजना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-] नर्ष्ट दिल्ली

**भ**ई दिल्ती-110002, दिना≆ 17 ग्रप्रैल 1980

निर्देश स० भ्रार्ट० ए० मी०/एवय० 1/8--79/1591----श्रतः मुझे, जी० मी० अग्रवाल,

आयकर पश्चितियन, 1961 (1961 के 43: (तिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त स्थितियम' कहा गया है) को ग्रार 263-ख के स्थीत सक्षम प्राधिकारी की, यह रिज्याय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सम्बार रूप 25,000/- रुपए से पश्चिक है

प्रीर जिसकी स० ए०-2 है तथा जो होज खाम एक्क्लेब, नई दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इयस उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से निर्णत है) रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी वे कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्रीवरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1979 को पूर्वीन सम्पान के उचित बाजार भूस्य से कम के दृष्टामान भूतिफल के निर्मा भन्तरित भार है और भूत पर्विषयास करते का कारण है कि यमानुर्वोधन नम्पनि कर योजन बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान मिफल में, ऐसे प्राप्तान प्रतिफल का परद्वह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरका) और प्रमारिती (श्रास्तरित्या) व विच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उक्त स्वरंग चित्रत में वास्तिवक स्थाय कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय का बाबन, उक्त अधिनियम क अथान कर देन के प्रनारक है वायिस्य में कमी कपते गा हससे बचने अस्ता । लिए; और/या
- (ख) ऐनी किसी प्राय या िनी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हों सारताय आयक्त गीजितिए, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिक्त मापा धन-कर प्राधित्यम, 1957 (1957 का 27) के स्योजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहां किया गाम था गा किया जाना चाहिए था, छिपान में मुखिधा मालाए

शतः ग्रव, उक्त श्रविनिध्य को श्रास्त 269-ग के श्रनुसरण में में, त्रवत प्रविनिध्य की धारा 269-ध को उपधारा (1) के अधीन निश्निविज्ञ व्यक्तियों. अधीन:--

- 1 श्री घुमण चन्द भण्डारी श्री नेमरी सिंह भण्डारी तथा श्री विजय सिंह भण्डारी भण्डारी बिल्डिंग खरगपूर-7 टाउन, पश्चिमी बगाल। (श्रन्तरक)
- 2 श्री प्रेम प्रकाण पुत्र ला० सूरज प्रसाद तथा श्री कमल कुमार पुत्र ला० राजेश्वर प्रणाद ऐ०-- 5 होज खास, एन्क्लेव, नई दिल्ली। (ग्रन्नरिती)

को य**इ** सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के **धर्जन के लिए** कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्मति के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भवधि या तत्समं भी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ला में 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वी कन क्यक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा,
- (व) इस नूबना के राजरत में प्रकागा को नारोख से 45 दिन के भी।र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य क्पांकन द्वारा, प्रघोहक्तालयों के गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

हपण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दा प्रोर पदो का, जी उम्त प्रधिनियम, र प्रद्याय 20-क म परिभाषित है, बारी अर्थ होगा, को उस प्रत्याय ने दिया गया है।

# अनुसूची

रिहायणी प्लाट न०ए०-2, होज खास एन्क्स्नेव नई विल्ली क्षेत्रफल 602.8 वर्ग गज।

जी० सी० श्रग्नवाल सं**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रजंन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**ु 17--4-1980 मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर <mark>म्रायुक्त (निरीक्षण</mark>)

श्चर्जन रेंज-I, नई दिल्ली **नई** दिल्ली **नई** दिल्ली-110002, दिनांक 17 श्चर्पैल 1980 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्य्०/I/8-79/383-श्चरः मुझे, जी० सी० श्चर्यवाल,

शायकर शिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपए से श्रिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो मकान गांव सुलतान पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, तहसील महरौली, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त 1979 को

पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रभ्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिक्षित्यम के श्रधीन कर देने के श्रम्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर /या
- (ख) ऐसी किपी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः श्रव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा, (1) के अधीन, निमालिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री अनुपम कुमार गुप्ता पुत्र श्री सुरेश कुमार निवासी खसरा नं० 365 गांव मुलतानपुर तहसील मेहरौली, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री उमेन्दरा कुमार गुप्ता पुत्र श्री प्यारे लाल निवासी बी०-108, सरोदया एन्क्लेब, नई विल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पू**वॉक्त सम्पत्ति के श्रर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूत्रना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपव्यक्तिरण:—इममें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

## **मनुसूची**

रिहायशी मकान जिसमें 6 कमरे हैं चार विवारी के साथ जोकि गांव सुलतानपुर में स्थित है ऐरिया 473 वर्ग गज खसरा नं० 365, लाल डोरा गांव सुलतानपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> जी० सी० **भग्नवाल** स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रेंज—I, दिल्ली, न**ई** दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

## भारत सरकार

ग्रायनिय, उह्रायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-I, 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 श्रप्रैल 1980

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी० /एस्यू०I-/8-79/349---श्रत मक्षे, जी० सी० श्रग्रवाल,

ग्राय हर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वान् 'उका ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित **बा**जार मृत्य 25,000/- रुपये श्रधिक सं अभौर जिसकी सं० एम० 219 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश नं II, में स्थित (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रथनात प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (प्रतारकों) श्रीर प्रतारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण मे दुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) रेकी ि तो अप मा हिनी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या हिया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, तिम्नलिखिन व्यक्तियों, अथीरा :—
10—66GI/80

- श्री शिव कुमार कापानी पुत्र स्व० पी० एन० कापानी श्रौर नीलमा कापानी पत्नी श्री शिव कुमार कापानी मार्फन 25 श्रलीपुर इस्टेट 8/6/1 श्रलीपुर रोड, कलकत्ता। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्ररुन मिनाल पुत्र श्री वी० बी० मित्तल निवासी एन०--107, ग्रेटर कैलाश, नं० I, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचिका जारी करके पुत्रकेंक्त सम्यति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उना परात्ति के स्रार्गन क मन्द्रका में कोई भी स्राक्षेप:---

- (६) इ.स. सूक्ता के राजगान में प्रशाशन की तारीख से 45 वित्त की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूक्ता की नामीन से 30 दिन की पत्रिध, जो भी अत्रिध बाद में नमाप्त होती हो, ह भी र पूर्मोत्त वाक्तियों में से निक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी प्रना व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी करण: --इसमें प्रयुक्त गम्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसची

प्लाट नं० 219 इलाक एम० एरिया 421 वर्ग गज ग्रेटर कैमाण पार्ट II, नई दिल्ली।

> जी० सी० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-J, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ा.

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 प्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/जे० एस० म्रार०III/8-79/347---मृतः मझे, जी० सी० म्राग्याल,
आयकर मिषिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त मिषिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
ज्यीन सम्भा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्भत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० मे
विश्व है

**भीर** जिसकी स० ६-79 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिश्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के के लिए भग्तरित की प्रतिफल मौर मुझे विश्वास करने का कारण यह है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृब्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरितो (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नजिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण जिखित में वास्तवित रूप ये कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिन्न नियम के मनीन कर देने के मन्तरक के दायित में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/गा
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियां को, जिन्हें भारतीय भायकर भिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनयम, या धनकर भिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः सब, उन्तं प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्तं प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अधीत्: --

- 1. श्री त्रलोक चावला (2) प्रशोत्तम चावला (3) सुरिन्द्र चावला (4) मधन **चावला** (5) नरिन्दर चावला पुक्ष के० एल० चावला निवासी उए/17 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली-5। (अन्तरक)
- 2. श्री जथाहर नारंग, मखन लाल नारंग श्रौर श्रीमती मधु नारंग पत्नी श्री जवाहर नारंग निवासी ६-66, मोती नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के श्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हिंतबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित नें किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही श्रर्य होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## ग्रनुसूची

फी होल्ड प्लाट नं० 79 ब्लाक नं० ई० ग्रेटर कैलाश—II, नई दिल्ली, एरिया 250 वर्ग गज निम्न प्रकार स्थित हैं:——

पूर्व: मकान नं० ई०-77 पश्चिम: प्लाट नं० ई०-81

उत्तरः सर्विस लेन। दक्षिणः सड्क।

> जी० सी० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-1, नई दिल्ली

तारीख: 17-4-1980

मारत सरकार

# कार्यांलय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज—र्रं, दिल्ली, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 श्रप्रैल 1980

निर्वेग सं शाई ए सी । एक्यू - I/एस अार - III/8-79/ 337--- श्रत: मुझे, जी० सी० श्रग्रवाल, भायकर भ्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से म्राधिक है भीर जिसकी सं० दुकान नं० 9 है तथा जो डी० एल० एफ० सिनेमा कम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाण $-\Pi$ , नर्ष दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितवाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान यांतफार से, ऐसे दुरयमान प्रतिफल का पर्ः प्रतिगा प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर पश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

गतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम को धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतृ:→→

- 1. श्री जी० पी० गुप्ता पुत्र श्री हरी राम, 604, श्राकाश दीप बिल्डिंग, बाराखम्बारोड, नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बसन्त सिंह ग्रमरीत सिंह पुत्र श्री हरी सिंह निवासी 21, नानक मार्किट, तिलक धाजार, दिल्ली→6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त आधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उप श्रव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक दुकान नं० 9 जिसका क्षेत्रफल 282.1 वर्गगज डी० एल० एफ० सिनेमा कम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाश—U, नई दिल्ली।

> जी० सी० धग्रवाज सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज⊶I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भाष्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  $\pi$  प्रजेन रेज-J, 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्लं.  $\pi$  दिल्ली-110002, दिनांक 17 प्रप्रैलं 1980

निर्देश मं० ब्राई० ए० सी०/एवयु०/ एस० श्रार०-III/8-79/358--प्रतः मुझे, जो० सी० श्रप्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० एफ०—III/16 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 18—8—1979 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियाँ पर्यस्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. श्री जसवन्त राय पंडित पुन्न श्री जय किशन दास पंडित, निवासी बी०-41, श्रर्जुन नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री भुपिन्दर सिंह पुत्र श्री महताब सिंह श्रीर तिज-न्दर कौर पत्नी श्री भुपिन्दर सिंह, निवासी II-I/75लाजपत नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इरा सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक सम्पत्ति सं० एफ०-III/16 लाजपक्ष नगर, नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है।

> जी० सी० **प्रग्रवा**ल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रर्जन रोंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-4-80

मोहरः

प्ररूप त्याई० टी० एत० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के भवा⊺ सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज $-\mathbf{I}$ ,  $4/14\pi$ , आसफ अली मार्ग, \$ईन दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० /1/एस० म्रार०—
III/8-79/408--म्रत. मुझे, जी० मी० म्रग्रवाल,
म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
क म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० बी०-42 हैं तथा जो एन० डी० एस० ई० भाग-1, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनु-सूची में भौर पूर्व रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख भगस्त 1979

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफन न ऐसे दृश्यमान प्रतिफन के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरको) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बोच ऐप श्रन्तरम के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य म उक्षन श्रन्तरण लिखन में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबन, उक्त स्रिधिक नियम के स्रिधीन कर रने के सन्तरक के दायित्व म कमो करने या उसमे बचन में मुविधा के तिए; और'ग
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त मा किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रियोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुक्षिधा के लिए।

पतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :---

- 1 तिलोक नाथ ककड़ पुत्र श्री स्बैं० राम चन्द ककड़ मैंसर्म टी० एन० कक्कड़ एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०) निवासी म० नं० 1190 नौरी सिंह नालवा स्ट्रीट नं० 6 करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्सरक)
- 2. श्री सर्वेश चोपड़ा पुत्र श्री दीवान सूरज प्रकाश चोपड़ा 7 ए/27 डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली। (भन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्विश्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन को प्रतिब वा तर्यम्बन्बी व्यक्तियों पर
  मूचना को तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भो
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उना स्थावर सम्मित में हितबद किसी श्रम्थ व्यक्ति द्वारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास निर्णात में किए जा सर्केंगे।

हाज्योक्तरमः .--इपनें प्रगुक्त मध्यं और पतों का, जो उक्त स्रिध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज जोिक बी०-42 नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन भाग-1 में स्थित है।

जी० सी० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 21-4-1980

प्रस्प आई० टी० एन० ११० - - -

प्रायकर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा −घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफअली मार्ग,

नई दिल्ली

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम पाबि कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रिक है

भीर जिसकी सं० एस०-203 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, भाग-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में विज्ली है), रजिस्ट्रीकर्ता मधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, छतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या एससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ध्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धव, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अश्रीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती लखनन्त कौर निवासी एफ-11 एन० डी॰ एस० ई० भाग-II, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री एम॰ म्रार॰ सहगल भौर श्रीमती रामा भ्रानन्द डी-288 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रन्थाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक फीहोल्ड रिहायणी प्लाट का टुकड़ा नं० 203 ब्लाक नं० एस० जिसका क्षेत्रफल 208 वर्गगज जोकि ग्रेटर कैलाश —I में स्थित है।

> जी॰ सी० भग्नयास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज—ं, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-4-1980

प्रक्ष आई • टी • एन • एस •-----

आयंकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ब्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज-1, 41/4क, आसफअली माग, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 भ्रप्रैल, 1980

गौर जिसकी सं० ६०-448 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और शंसरक (अन्तरकों) मोर अन्तरिती (शंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखन में नास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उनत श्रिष्ठितयम के धन्नीत कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए धीर/था;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भाष्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भण्तिरती धारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धव, उनत धिधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-च की चपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षात्:--

- 1. श्री हरमिन्दर सिंह पुत्र श्री एस० मोहन सिंह 52/42 पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री महेश चन्द्रा पुत्र श्री एस० एन० एन० ग्रग्नथाल सी-21, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में भोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबस् किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थे होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक फी होल्ड जमीन जिसका नं० 448 ब्लाक ई० जिसका क्षेत्रफल 250 वर्गगज तथा जोकि ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है।

> जी० सी० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-4-1980

प्ररूप आहर्रे. टी. एन. एस.----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—I, 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 श्रप्रैल 1980

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/१/एस० श्रार०—

111/8-79/338---श्रतः मुझे, जी० सी० श्रग्नवाल,
आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमें कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन भक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीतन जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/
रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ई०-517 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रंधीन, तारीख भ्रंगस्त, 1979 को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अक्रूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:~~

- श्री जंग बहादुर पुल श्री सोहन लाल णिवराज एण्ड श्रगोक कुमार कपूर पुल श्री जंग बहादुर निवासी के०—III
   —21 लाजपत नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती तरी कौर पत्नी श्री ग्रयासिंह निवासी 2539 गली हीरा चौधरी अमृतसर (प०) नया म० नं० केयर ग्राफ विरमानी एण्ड एमोसिएट एडवोकेट ई०-1, कनाट प्लेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपात्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मे हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक फी होल्ड प्लाट नं० 517 ब्लाक ई० में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज तथा जोकि ग्रेटर कैलाश —II में स्थित है।

> जीं० सी० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरोक्षण) श्रजंन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-4-1980

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शर्केन रेंज-1/4/14क, आसफ अली मार्ग, नई विस्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०
III/8-79/1144-अतः मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 32 है तथा जो फैन्ड्स कालोनी जी० टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विलित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख, भगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्त्रण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिश्वित व्यक्तियों अधितः——
11—66GI/80

1. श्री हरनाम सिंह ग्रानन्व पुत्र श्री ग्रमीर सिंह ग्रानन्द निवासी श्री—58 ग्रशोक विहार भाग—I नई दिल्ली (2) मुन्दर सिंह भानन्द सिंह पुत्र श्री ग्रमीर सिंह ग्रानन्द 101 एल० ग्राई० बी० फलेट, ग्रशोक विहार भाग—III और ग्रनीत सिंह पुत्र श्री ग्रमीर सिंह ग्रानन्द निवासी एस० 163, ग्रशोक विहार भाग I, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री जंगूमल गोयल निवासी 312 मोहल्ला सराय शाह्वरा, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को बह स्पाना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पछीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक सम्पत्ति नं० 32 फैन्डस् कालोनी, जी० टी० रोड, माहबरा, दिल्ली में स्थित है।

> जी० सी० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 21-4-1980

माह्नरः

प्ररूप चाई • टी • एत • एस • ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरोक्षण)

धर्णन रेंज-I, 4/14क, श्रासफअली मार्ग नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 प्रप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/8-79/387—अतः मुझे, जी० सी० अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संभ्यत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एन०-33 है तथा जो एन० डी० एस० है० भाग-I, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रमस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत, उक्त ग्रिश्वनियम के ग्रिपीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी प्राय था किसी घन या प्राय आस्तियों को जिन्हें ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उन्त अतिनियम की घारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उन्त अघिनियम की घारा 269 घ की उपंचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मै० नवीन कोम्रोपरेटिव मरबन धारिट एण्ड केंडिट सोसायटी लि० 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री भानन्व प्रकाश गुप्ता श्रीर मैसर्स कृष्ण चन्द्र सैनी एण्ड सन्स भाफ (एच० यू० एफ०) श्री कृष्ण चन्द के द्वारा निवासी 1521/4 वजीर नगर, मुबारकपुर कोटला, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रघोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण े:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के भन्याय 20-क में परिभावित हैं वही भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खाली प्लाट गं० एन०-33 एन० ही॰ एस० ई॰ भाग-I नई विल्ली में स्थित है।

जी० सी० भग्नवाल संक्रम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्स (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 21-4-1980

प्रकृप भाई• टी• एत• एस•----

आयक र प्रीवित्यन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्त अायक्त (निरीकाण)

ग्रर्जन रेंज-1, 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली, नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 ग्रंपैल 1980

मौर जिसके सं० सी०-32 है तथा जो प्रेमहाउस कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र जस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख प्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्थरण लिखित में वास्तविस रूप से इचित नहीं किया गया है :---

- (क) अंग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अग्निमियम के ग्रशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन वा धन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, वा धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया प्राना चाहिए था, कियाने में स्विधा के बिए।

अतः सम, उनत शिवनियम की बारा 269-न के अनुबरण में, में, उनत शिवनियम की घारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभीत् :---

- श्री जोगिन्दर सिंह सन्दू पुत्र श्री भ्रार० बी० एस० बसाखा सिंह ई०-10 ए, डिफेंस कालोनी, नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रामोक सरीन पुत्र श्री एल॰ ग्रानन्त राम 28 श्री राम रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोशन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से
  45 विश की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
  धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्वव्हीन्नरज--इनमें प्रयुक्त शहरों और पदों का, को उनत बिक्षिनयम के सहयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही सबं होगा को उस अन्याय में दिया नवा है।

## अनुसूची

एक बना हुमा मकाम नं० सी०-32 जोकि प्रेम हाउस कनाट प्लेस, में स्थित है।

> जी० सी० भग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-4-1980

मोहरः

# प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ----

आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक झायकर झायुक्त (निरोक्षण) भूजेन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मप्रैल, 1980

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यु०/<sup>I</sup>/8--79/348---मतः मुझे, जी० सी० श्रग्रवाल,

सायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त सिंधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधान सम्भाप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ द० से सिंधिक है

भौर जिसकी सं० एन० 43 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश नं० I में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख भगस्त 1979

16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अग्विरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पण्डह
प्रतिक्रत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अग्विरती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिकक
क्य से कथित नहीं किया गया है ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायस्त्र में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अध्य या कियी धन यर अस्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1822 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना साहिए दा, छिपाने में सुविका के लिए;

भतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनयों, प्रयात् :---

- श्री हुकम चन्द चुग और हेम राज चुग पुत्र श्री खेम चन्द चुग मार्फत खोम चन्द चुग एण्ड संज 32 बी, स्ववेशी मार्केट, सदर बाजार, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री राम मुन्दरा एन्ड श्री सोहन लाल मुन्दरा पुत्र श्री सूरण मल मुन्दरा मिवासी 3, वर्ड स्ट्रीट, कलकता। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसोप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की भविश्व सातस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविष, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 किस के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में दिव्यक्व किसी मन्य व्यक्ति दारा, मधी हक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो जक्त भिधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया हुआ है।

## धनुसूची

एक मन्जिला भी होल्ड रिहायकी मकान न० 43 ब्लाक मं• एन॰, एरिया 300 वर्ग गज जो कि ग्रेटर कैलाश नं॰ I में स्थित है।

> षी० सी० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक शायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 21-4-1986

प्ररूप बाई • टी॰ एन • एस॰---

भायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली

नई विल्ली-110002, विनांक 29 अप्रैंज 1980 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-/एस० आर०-/8-79/382-अतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

शायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन प्रश्नन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है भीर जिसकी सं० मकान जो खसरा नं० 365 पर बना है तथा जो गांव सुलतानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसके छपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई बिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मूख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्भ (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुबिक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, म, उक्त ग्रीविनियम की धारा 26%-व की खण्धारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्रीमती सुनन शृन्ता करनी सुरिन्द्रा कुमार, निवासी खसरा नं 0 385, गांव सुलवानपुर, तहनील महरीली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. मै० यूके कैमिकल इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा० लि० द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री उमेन्द्रा कुमार गुप्ता पुत्र प्यारे लाल गुप्ता, निवासी बी०-108, सर्विदम इम्क्लेव, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

की यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मिति के भर्मन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजनंत्र में प्रकाशन की तासिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब किसी भ्रन्य व्यक्ति बारा, अधीहरताक्षरी के पास लिखित मैं किए जा सकेंगे।

स्थल्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पर्दों का, जो उक्त ध्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, बही अर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

रिहायशी मकान जिसमें चार कमरे इत्यादि हैं जो श्रीहोस ज्वाद सेवफस 398 वर्गगज पर बना है पार्ट झाफ बतरा नं 365 जो साल बोरा में है, गांव सुलतानपुर, तहसीज महरीली, नई विल्ली-110003 में स्थित है।

णी० सी० सप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीच: 29-4-1980

मीहरः

प्ररूप बाई० टी॰ एन॰ एस॰----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नर्ष विल्ली-110002, दिनांक 28 अप्रैल 1980

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० मार०→ III/8-79/1587--- मतः मुझे, जी० सी० मधवाल, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है भौर जिसकी सं० XVI /4922 है तथा जो रेगरपुरा करोलबाग, नई विल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख घगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह तिरवान करने का कारण है कि यथापूर्वीकन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके युग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर प्रस्तरक (ग्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐंने अन्तरम के जिए तथ पाया गया प्रतिकन निम्नलिखित उद्देश्य में उनत अन्तरम निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के भधीन कर वेने के प्रस्तरक के दायिएव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ल) ऐसे किसी प्राय या किसी धंन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिरहें भारतीय प्रायकर प्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधितियम, या धनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

धतः, धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षर्वीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्।---

- 1. श्रीमती कमलेश द्यानन्य पत्नी श्री सुभाष कुमार श्रानन्य 340-बी रेलवे फ्लैंट स्टेशन रोड, गाजियाबाद (2) श्रीमती बीना हांडा पत्नी श्री प्रेम कुमार हांडा, न्यू रेलवे कलोनी, क्वाटर नं० 936-ए, डाकघर गोबिन्द नगर कानपुर (3) श्रीमती किरन घोपड़ा पत्नी श्री विनोद कुमार घोपड़ा एफ०-18 राजिन्दर प्रशाद कालोनी तानसेन नगर ग्वालियर-5। श्राल प्रेजेंट 42/906 रेगरपुरा करोग बाग, नई दिस्ली। (मन्तरक)
- 2. श्रीमती राजिन्दर कौर पत्नी श्री सरदार गुरचरण सिंह निवासी 40/4115 रेगरपुरा, करोलबाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छरत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्योत्तरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थे, होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक संबल स्टोरी पक्का मकान नं० XVI /4922 जिसका क्षेत्रफल 67 वर्ग गज जोकि रेगरपुरा करोल बाग, नई विल्ली में स्थित है।

> जी॰ सी॰ घग्रवालः सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-4-1980

प्ररूप माई० टी० एन∙ एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज–I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 29 म्रप्रैल 1980

मिर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० श्रार०-IV/8-79/404---- भतः भुझे, जी० सी० प्रग्रवाल, आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रक्षिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपये से अधिक है भौर जिसकी सं० 41 है तथा जो बाबर रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण दिल्ली में भारतीय **प्रधिनियम** 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख मगस्त, 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारन है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके बृश्यमान प्रतिकश्व से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकश्न का पण्डह प्रतिशत मधिक है ौर अन्तरक (सम्तरकों) और सम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नसिचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धान की वानत, कनत अधि-नियम, के धंधीन कर देने के धन्तरक के दार्थित में कभी करने या उससे वचने में सुविका के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर स्निध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, मैं, छक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपवारा (1) के अधींन निम्निजिति क्यक्तियों, अर्थातः——

- 1. श्री फकीर चन्व कोहली 4023 होस्पिटल रोड़, अंगपुरा, नई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
- 2. श्रीमती मेला वेबी जैन श्री सुनील कुमार जैन भीर मुकेश कुमार जैन 41 बाबर रोड़ नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां एक करता हूं।

उन्त सम्वत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीत:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संगत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्बों और पढ़ों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

## धनुत्रवा

एक लीजहोल्ड मकान न० 41 जोकि बाबर रोड नई दिल्ली में स्थित है।

> जी० सी० ध्रमवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर घायुक्त, (निरीक्षण), धर्जन रेंज-I, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 29-4-1980

ोहर:

प्रकृष साई । टी । प्र । एस ----

भःयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 268-म (1) के अधीन पूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण)

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली-110002, विनांक 29 भन्नेल 1980

निर्देश सं० प्रार्ड० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० प्रार०—III/ 8-79/1590—अतः मुझे, जी० सी० प्रप्रवाल, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन संसम् प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाक्तर मृह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

गौर जिसकी सं० डी०-265 है तथा जो सर्वोदया इन्क्लेय नर्ड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध झनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अगस्त 1979 को पूर्वोचत संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उचा यन्तरण लिखित में कारति (अन्तरितयों) ने बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उचा यन्तरण लिखित में कारति विक का ने कविन नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उत्तत अधिनिक्स, के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धारितवीं को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिषित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विध्या बाना कृष्टिय था, कियाने में सुविधा के निए।

अदाः शव, उन्त धांधनियम की धारा 269ना के बब्सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269न्य की अपधारा (1) के वंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् । ----

- भी के० राजवन 31 लक्ष्मी कालोनी टी० नगर मद्रास नयी रिह्नायश डी-265 सर्वीदय इन्क्लेव, नई दिल्ली (अन्सरक)
- 2. श्री एस० एस० गोयल श्रीमती कुसुम गोयल डी--265 सर्वोदय इम्बलेब, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती) को यह सुधवा आरी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहोप:--

- (क) इस सबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, क्षक्षोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकेंगे!

स्वव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के अध्याय 20क में परिकाणित है, वही अर्थ होगा को छस प्रव्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक रिहायणी प्लाट नं० डी-259 जिसका क्षेत्रफल 220 वर्ग गज है तथा जोकि सर्वोदया इन्क्लेव में में स्थित है।

> जी० सी० भग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंअ—I, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

तारीख: 29-4-1980

किया गया है

प्ररूप आई० टी• एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रयं, सहायकं भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्तणं)ः भ्रर्जन रेंज--I, दिल्ली, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांकः 29 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एष्यू०/1/8--79/377---द्यतः मुझे, जी० सी० द्राग्रवाल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निने 'इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ रे अधीन सक्षप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मरूय 25,000/- ४० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० हिस्ला नं० 109 है तथा जो डी० एल० एफ० हाऊम, एफ०-40, कनाट प्लेस, नई दिरुखी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्यान के उतित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बर्वार भूवर, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के अन्द्रह प्रशिक्ष से धिक है और ग्रन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण ने नित् नय पाया गरा प्रतिकान, निम्ननिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इत्य से इवित नहीं

- (क) प्रशास्त्र से दुई किसी आप की बाबत उक्त व्यक्तियन के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरक में, में, उन्त पश्चिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निभ्नतिश्चित व्यक्तियों, अर्चात् :---12---66GI/80

- 1. मैं डी एल एफ ॰ युनाइटेड लि 21-22 निरन्त्रा प्लेस पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. मैं० मार्डन इन्टरप्राइसेम द्वारा श्री प्रेम नारायण जी० टी० रोड, सुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां शरू क्रप्ता हूं

बन्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी मासेप:---

- (क) इस सूजना के राजपल में प्रकाशन की तारी के से 4.5 दिव की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्ताक्षरी के पास पिखिल में किए जा सक्तें।

स्पद्धिकरणः ---इसमें प्रयुक्त अन्तों और पदों का, जो उक्त पश्चिमियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्व होगा, जो उस प्रक्रमाण में विमा गया है।

## अनुस्ची

हिस्सा नं० 109 (पहली मंजिल) श्री० रूएल० एफ० हाऊम, एफ०-40, कनाट प्लेस, नई दिल्ली एरिया 387 वर्गफुट।

> जी० सी० अग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 29-4-1980

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधयाना

लिधयाना, दिनांकः 15 श्रप्रैलः 1980

निवेश सं पी० शि० ए०/278/79-80 -अतः मुझे, सुखदेव चन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र 954 वर्ग गज है तथा जो गांव क्षिल, तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपासद अनुसूची में श्रीर पूर्व रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण द्रिधिन नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. श्री हुक्म सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह निवासी गांव झिल, तहसील पटियाला। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरवन्स लाल पुत्र श्री देस राज निवासी जी०--6/ 18, राजन कालोनी पटियाला। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्फब्टीकरणः —- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ्या है।

### अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 954 वर्गगज जो गांव झिल तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3354, सितम्बर, 1979 में दर्ज है।)

सुखादेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 म्रप्रैल 1980

माहरः

प्ररूप आइर्०टी० एन० एस० ↔-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/213/79--80---ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 3261 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सिवधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

- श्री श्रात्मा राम पुत्र श्री अण्वनी कुमार निवासी मकान नं० 3436 संकटर 35-डी, चण्डीगढ़ द्वारा श्रटारनी श्री श्रनूप सिंह व रघवीर सिंह निवासी 3436, 35-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मरला सिगला हाण्डा परेनी श्री के० सी० मिगला, निवासी मकान नं० 3597 सेक्टर 23 डी०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

रिहायशी प्लाट न० 3261 सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1209, ग्रगस्त 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिस्ति व्यक्तियों अर्थात् —

तारीख: 15 श्रप्रैल, 1980

मोहर .

प्रस्प आई० टा० एन० एस०-

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 ) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 15 अप्रल 1980

निदेण स० एन० बी० ए०/144/79-80---अत: मुझे सुखदेव चन्द श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित्तत बाजार मूख्य 25,000/-र० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या दुकान प्लाट न० 2 (222.23 वर्ग गज) है तथा जो नई ग्रेन मार्किट, नामा में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नाभा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि प्रवापूर्वीका पन्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है, ग्रीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तय पाया कवा प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक कृत से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से दुई किसी बाब की बाबन उका धर्षिश्यम, के अधीन कर वेने के बस्सदक के धायित्व में कमी करने था उससे बचने में मुक्तिश के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आप या किसी वन वा ग्रन्थ प्रास्त्रियों को जिन्हें मारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया का या किया जाना काहिए का, कियाने में सुविका के जिए;

जतः, मब, उन्त प्रशितियन की बारा 269-न के बनुसरण में, में, उन्त प्रधितियम को धारा 269-न की उपधारा-1(1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थीत् 1--- (1) श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री हरि राम पुत्र श्री बनारसी दास, ग्रेन मार्किट, नाभा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सतीन्त्र महाजन पत्नी श्री प्रभदयान सिंह पुत्र श्री हुन्म सिंह निवासी नाभा (दुकान न० 2, नई ग्रेन मार्किट, नाभा)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके,पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जासको।

स्पट्टीफरण:--इसमें प्रयुक्त गड़ों ग्रीर पदां का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अयं होगा, जो उप ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

दुकान प्लाट न० (222.23वर्ग गज) नई ग्रेन मार्किट नाभा।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नाभा के कार्यालय में विलेख संख्या नं० 1616; सितम्बर, 1979 में दर्ज है।

मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15-4-1980

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

आग्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का. 43) की धारा 269-थ (१) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1980

निदेश सं० पी० टी० ए०/252/79-80—-ग्रतः मुझे, सु**ख**-देव भन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० मकान नं० 140 है तथा जो धर्मपुरा बाजार, पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से पणित है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री मलविन्द्र सिंह पुत्र श्री देवा सिंह निवासी गुर नानक गली, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित माया रानी पत्नी श्री राम सिंह, विशन नगर, 7235/5, पटियाला। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया को उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

मकान नं ० 140, धर्मपुरा बाजार, पटियाला । (ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं 3175 ग्रगस्त 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रजन रेंज लुधियाना।

तारीख: 15-4-1980

मोहरः

प्रका माई० दो० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के **प्र**धीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, लुाधयाना

लुधियाना दिनाक 15 ग्रप्रैल 1980

निदेश स० पी० टी० ए०/245/79-80---- प्रतः मुझे सुखदेव चन्दः

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसों इसके पश्वान् 'उक्त प्रधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-क्र के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिमका उनित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी स० प्लाट क्षेत्र 500 वर्ग गज है तथा जो नजदीक जगदीण श्राश्रम , पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है (, रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी से कार्यालय,, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखन उद्देश्य से उनन श्रन्तरण निष्वत में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रतारण से हुई िक्सी प्राय को बाबत, उक्का प्रिधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तारक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्ह भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मुविधा के लिए।

अनः, अब, उनन भिविनियम की धारा 269ना के प्रनुसरम में, मैं, उदन प्रधिनियम की धारा 269-घ की उनधारा (1) के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों, प्रयान :--

- (1) श्री तेजा सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह 1016/4, शेरावाला गेट पटियाला। (अंतरक)
- (2) श्रीमित तारा रानी सिगला परनी श्री अलदेव सिगला मकान नं० 935/4, वागीची हेत राम,

(मंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रजेंन के क्षिए** कायवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भवधि जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में द्वितबड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्तब्दी तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भवि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 500 वर्ग गर्ज नजदीक जगदीश भाश्रम; पटियाला । (ज्यायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3089, भगस्त 1979 में दर्ज है)

> सुखवेव चस्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 **प्रप्रै**ल 1980

निवेश सं० सी० एव० डी० /170/79-80/----- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं मकान नं 3492 है तथा जो कि सैक्टर 23-डी , चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वाक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल के पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमित लाजबन्ती पत्नी श्री बिहारी लाल निवासी मकान नं० 3492, सैंब्टर 23-डीं० , चण्डीगढ़ द्वारा जनरल पावर श्राफ श्रटारनी श्री श्रोम प्रकाश गुप्ता, निवासी 3492, 23-डीं० चण्डीगढ़ । (श्रन्तरक)
- (2) सर्व श्री मानन चन्द ग्रनील कुमार पुत श्री ग्रोम प्रकाश तथा श्रीमित नैनी देवी पत्नी श्री श्रोम प्रकाश निवासी 3492, सैंकटर 23-डी० चाडीगढ़ (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त मम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

मकान नं० 3492, सैक्टर 23-डी० चण्डीगढ़। (ज्यायदाद जैसी कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 988, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव च**न्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्र**र्जन रेंज**, लुधियाना

तारीख: 15-4-1980

माहरः

प्रहर आई० टो॰ एन॰ एस॰

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269व (1) के प्रधीन सूचक

#### भारत सरकार

कार्यातम् सहायकः प्रायक्तर प्रापृक्तः (निरोज्ञग)
ग्रर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 मुप्रैल 1980

निदेश सं० एलडीएच०/334/79-80/----- मृतः मृतः सुव्यदेव चन्दः,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वित जिन्हा उजिन बाजार मूल्य 25,000/- श्पए से प्रधिक है

भोर जिसकी मंख्या प्लाट नं० 344.4/9 वर्ग गज है तथा जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है(भ्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिते उद्देश्य से उक्त "अन्तरण लिखित में बास्तविक इस से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रान्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ग्रिष्टिन नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों
  को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922
  (1922 का 11) या उक्त 'भ्रधिनियम, या
  धन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
  में सुविधा के लिए।

मतः स्रव उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरक में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) श्रीमती वी० एम० राय, माडल टाउन, लुधियाना (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सतपाल, ऋषि राज पुत्र श्री जगत सिंह, निवासी 578, सीता नगर, लुधियाना । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूजरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत के स्वतियों में से किसी क्यंक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख भी कि 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद किसी ग्रन्थ व्यक्ति किया प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त आधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची/

प्लाट 344.4/9 वर्ग गज जो कि माडल टाउन, लुधि-याना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विले**ख** संख्या मं० 2771, ग्रगस्त. 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज, लिंग्याना

तारीख: 15 मप्रैल 1980

## प्ररूप साई० दी० एत० स्स०----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योगम, महाबस ग्रायसर ग्रायमुक्त (निरहेश्वण) ग्राजेन रेंज, शुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० एस० एम० श्रार०/115/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेश चन्द

धायकर प्रश्चितिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इकत प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्यावर सम्पत्ति, जिसका उक्तित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या जमीन 11 कनाल 13 मरले हैं तथा जो माछीवाडा, तहसील सबराला में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर कूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकामी का कार्यालय, समराला में, रिजस्ट्रकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख अमस्त 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफन के जिये अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और प्रक्तरक (ग्रन्तरकों) भीर प्रक्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रक्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रक्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्षित नहीं
किया गया है:—

- (क) प्रश्नारण से इद्ध किसी आध्य की आबत, उनत अधिनिश्म के अधीन कर देन के अन्तरक के बायित्व में १ मी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रन्य अ। ह्तियों की जिल्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्म काहिएका, जिल्हाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त पिधितियम, का धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमासी निर्ममा देशी मत्नी श्री बेद प्रकाश निवासी 30 ग्रीन पार्क, सिबिल लाइन, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री राज कुमार पुत्र श्री कर्म धन्द मारफत मैसर्ज जैन राईस एण्ड जनरल मिल्ज, माछीवाड़ा, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिसबद्ध
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास
  विखित में किए जा सर्वेंगे।

स्वष्टी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्य होगा जो उत अध्याय में दिया गया है ।

## प्रमुखी

जमीन 11 कनाल 13 मरले जो कि माछीवाड़ा तहसील, समराला, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी समराला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2928, ग्रगस्त, 1979 में वर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 घर्रैल 1980

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्थातम, सहायक आवकर प्रायक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुघियाना लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निवेश सं० एस० एम० भार०/117/79-80—- प्रतः मुझ सुखदेव चन्द

षायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसपे इसके पश्चान् 'उक्त अितियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अभीत सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्नास करते का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिनका उजित बाजार मूल्य 25,000/-ध्यए मे अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या हिस्सा दमारत है तथा जो कि माछीवाडा तहसीन समराला में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, समराला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार यूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्कं दृश्यमान प्रतिफल के ले श्रेष है श्रीर यह कि अन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण मं दुई िकमो आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धर या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रविनियम 1922 (1922 का 11) या उका ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्षा के लिए;

गतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) ग्रधीन निम्निजिखित व्यक्तियों, ग्रथीन :—

- (1) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री वेद प्रकाश जिंदल निवासी 30 ग्रीन पार्क, सिविल लाईन, लुधियाना (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्राशोक कुमार पुत्र श्री कर्म चन्द मारफत मैसर्ज जैन राईस एण्ड जनरल मिल्स, माछीवाड़ा तहसील समराला, जिला लुध्याना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उन्त सम्यक्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबनाको तामोल से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोनर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करगः -- इसमें प्रयुक्त गन्दों ख़ौर नदों का, जो उक्त माधि-नियम, के श्रश्याय 20क में परिभाषित है, बही प्रथ हागा जो उत्त श्रष्टमाय में दिया गया है।

# अनुसूची

हिस्सा ईमारत जो कि माछीथाड़ा, तहसील समराला, जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी समराला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2931, श्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियानग

तारी**ख:** 15 श्रप्रैल, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 ) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या तय, महायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना लुधियाना तारीख 15 ग्राप्रैल 1980

निदेश सं० एस० एम० म्रार०/116/79-80--म्रतः मुझे, युखदेव चन्द,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भिधक है

भौर जिसकी सं० हिस्सा ईमारत है तथा जो माछीवाडा, तहसील समराला मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, समराला मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्तास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त पश्चितियम के प्रधीत कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुबिधा का लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रो रामश कुमार जिरल पुत्र श्री बेद प्रकाश जिदल निवासी, 30 ग्रीन पार्क, सिविल लाईन, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री शाम लाल पुत्र श्री देव राज मारफत मैसर्स जैन राईस एण्ड जनरल मिल्ज, माछीवाडा, तहसील समराला, जिला लुधियाना

को यह सूचना जारी करकेपर्वोक्त सध्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की प्रविध, जी भी अविध बाद में सनाप्त हो गो हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--व्हतनें प्रमुक्त सब्दों और पदों प्रधितियम', क्षे अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही अर्थ होगा जी उस अध्याय मे दिया गया है।

## अभुसूची [

हिस्सा इमारत जो कि माछीवाडा, तहसीन समराना, जिला सुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी समराला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2930 ग्रगस्त, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहत्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 म्रप्रैल 1980

प्ररूप आईं० टी॰ एन० एस० ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भौरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, तारीख 15 मर्पेल 1980

निदेश सं० एस० एम० ग्रार०/114/79-80---ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक है।

भौर जिसकी स० हिस्स ईमारंत हैं तथा जो कि माछीवाड़ा तहसील लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनु-सूची भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, समरीला में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 79

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्ये अमेरितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री श्रमोक कुमार पुत्र श्री वेद प्रकास जिदल, निवासी 30 ग्रीन पार्क, सिविल लाईन, लुधियाना (श्रन्तरक)
- (2) श्री शामेश कुमार पृक्ष श्री कर्म चन्द मारफत मैसर्स जैन राईस एण्ड जनरल ृमिल्स, माछीवाड़ा, तहसील समराला, जिला लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य म्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदाँ का, जो उर्थत अधिनियम, की अध्याय 20-क में नरिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नंदा हाँ।

#### नम्सूची

हिस्सा ६मॅारत जो कि माछीवाडा, तहसील समराला, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, समराला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2927 श्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर प्राधक्त (निरीक्षण) श्रजेंम रैंज, लुघयाना

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारी 269-घ की उपधारी (1) के अधीन निम्नितिश्वित व्यक्तियों अर्थात्:——

तारीख: 15 अप्रैल, 1980

मोहरः

प्रइप भाई• टी • एन० एस•-----

व्यवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन मचा

## भारत सरकार

कार्यौत्तन, महायक घायकर अध्यक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 मप्रैल 1980

निदेश स० एस० एम० ग्रार०/113/79-80—-ग्रत मुझे मुखदेव चन्द

क्षाबकर अधिनियम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करनें का कारण है कि स्थावर मन्यति, जिसका उतित बाबार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है,

भौर जिसकी सं० हिस्सा ईमारत है तथा जो माछीवाडा तहसील समराला मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, समराला मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के रोज ऐसे अन्तरित कि त्रात्ता गाम प्रति-फन विभागि के रोज ऐसे अन्तरित कि त्राता गाम प्रति-फन विभागि के रोज है से अन्तरित कि त्राता गाम प्रति-फन विभागि कि उद्देश र उक्त प्रनरित विभागि के स्थान नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एमी किसी आग या किसी धन या झन्य झास्तियों को, जिन्हें भारती। आगतर प्रक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ए के श्रनुपरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात:---

- (1) श्रीमती मीना जिदल पत्नि श्री राकेश कुमार जिदल निवासी 30, ग्रीन पार्क, सिविल लाईन, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री देव राज पुत्र श्री कर्म चन्द मारफत मैंसर्स जैन राईस एण्ड जनरल मिल्स, माछीवाडा, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनन सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूनना के राजात में प्रकाणन की नारीख हे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रुण होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया एवा है।

## अनुसुची

हिस्सा इमारत जो कि माछीवाडा, तहसील समराला, जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी, समराला के कार्यालय के विलेख सख्या नं० 2926, भ्रमस्त, 1979 में दर्ज है)।

> दूखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर क्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15-4-1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • →----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मप्रैल 1980

्निवेश सं० ए० एम० एल०/84/79-80—ग्रतः मुझे

मुखदेव चन्त आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-फा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संस्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- कुन से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि क्षेत्र 9 कनाल है तथा जो गांव मुगलमांजरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, भ्रमलोह में, राजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूक्ष, उसके बृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का परम्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष्य से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की रावा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उन्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री भान सिंह पुत्र श्री कायन सिंह पुत्र श्री रत्न सिंह वासी, मुगलमाजरा, सब तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज पंजाब स्टील फारजिग्स तथा एग्रो इण्डस्ट्रीज, मण्डी गोविन्दगढ़। (भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीका सम्पन्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की घवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजात में प्रकाणन की तारीय सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भीविनयम के अध्याय 20-क में परिचाणित है, नहीं भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 9 कनाल मुगलमाजरा तहसील नाभा जो रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलेख नं संख्या नं० 986, श्रगस्त, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्त्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-4-1980

मोहरः

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • -

म्रायकर मिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भिष्ठीत सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सङ्घायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

> > धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/192/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्व

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में भिधक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 3281 है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, भगस्त, 1979

16) के स्रधान, स्रगस्त, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह
प्रतिशत से भाधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक
कप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उनत ध्रधि-नियम के घ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रान्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

अंतः, प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यन्तियों अर्थात् :-- (1) श्री सुरिन्दर सिंह पन्न श्री सुरजन सिंह, निवासी गांव भागोमाजरा, जिला नेपड।

(म्रन्तरक)

(2) श्री शेर सिंह कलेमर पत्न श्री गरबक्श सिंह, निवासी ग्रमराला, तहसील समराला, जिला लुधियाना। ग्रब बासी 3281 सेक्टर 35-डी०, घण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति केग्रर्जन के तिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्ति के प्रजैत के पम्यन्त्र में कोई भी ग्राक्षेत :---

- (क) इप सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरे 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की भविधि, खो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिनबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षिणम के प्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही धर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 3281 सैंक्टर 35-ही०, घण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी घण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1112 श्रगस्त, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-4-1980]

**%**}हर:

(ग्रन्तर्क)

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

न्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

मायकर भ्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त भ्रिष्ठिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1739 है तथा जो सेक्टर 34-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यान्य, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण तिखित में वास्तिक
कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ज्रक्त प्रिष्ठि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः स्रव, उक्त स्रधिनियम, की धारा 269-ग के स्रनसरण में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रथांत :---

- (1) श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री शादी सिंह, गांव व डाकखाना दाऊन तहसील खरड़, जिला रोपड़।
- (2) श्री राज कुमार भरोड़ा परनी श्री जगन नाय तथा श्रीमती शकुन्तला भरोड़ा पत्नी श्री राजकुमार भरोड़ा, निवासी मकान नं० 1336, सेक्टर 23-श्री चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य क्वन्ति द्वारा श्रक्तेहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

हरडटी हरण: ---इसमें प्रयु≢त शब्दों और पदों का, जो उत्सत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में द्विया गया है।

## अनुसुची

रिहायशी प्लाट नं० 1739, सेक्टर 34-डी०, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1091, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेत्र चन्द ससम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

ताशीख: 18 भ्रप्रैल, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, विनोक 15 भ्रप्रैल 1980

निदेश सं० के० एव० व र०/18/79-80--प्रतः **मुझ**े **सुखदेव च**न्द

मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्व से श्रधिक है

पौर जिल्ला सं कान कर्न 651 फेस -I है तथा जो कि मोहाली तहसील खरड़ जिला, रोपड़ में स्थित है (धौर इससे उपाबब अनुसूची में धौर पूर्ण रुप से वणितहै), रजि-स्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यलय खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मम्बह प्रतिशत श्रिधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लेखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उकत श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रानुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत :——
14—66GI/80

- (1) श्री भ्रमर चन्द ठाकुर पुत्र श्री ठाकुर नामा रा द्वारः ननरन प्रदारनी श्री जगरीय ठाकुर पुत्र ठाकुर नामा राम , निकासी 235, फेस-II एस० ए०एस०नगर (मोहासी) (रोपड़) (श्रम्सरक)
- (2) श्री रणजीत सिंह कठपाल पुत्र श्री करतार सिंह निवासी मकान नं० 651, फैस-1, मोहाली तहसील खरड़, जिला रोपड़। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिष्टिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

मकान नं 651, फेंद 1 मोहाली, सहसील खरड़ जिला रापड़, (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2691, सितम्बर 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), झर्जन रेंज लुधियाना।

तारीख: 15 म्रप्रल 1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के मधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लुतियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मप्रल 1980

निदेश सं० सी० एघ० डी० /200/79-80-- अतः मुझे सुख्येव चन्द

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से व्यक्षिक है

श्रीर जिसकी संब्धाधा भाग रिहायणी प्लाट नंव 252 है तथा जो सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय , चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8/1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत पश्चिक है और अन्तरक (मन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य मन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत वक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविज्ञा के लिए। और/या
- (ब) ऐसी किसी आप या किसी अन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम या अन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः सब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के सनुबरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की सपद्वारा (1) के अधीन, निस्निविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् !---

- (1) मेजर रेनु सरका पत्नी लेट श्री सी० एल झानन्य निवासी ग्राई० एन० एच० एस० श्रसविनी कोलवा बम्बई -5 द्वारा उसकी जनरल पावर आफ ग्रटारनी श्री हरि सिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह निवासी गांव वीर पाशाहिज तहसील फग-वाड़ा जिला कपूरथला (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमति भूपिन्द्र कौर पत्नी कैप्टन जोगा सिंह 45 के, सराहभा नगर, लुधियाना। (म्रन्सरिती)
  - 3. श्री हरचरणसिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह निवासी गांव बीर पावाहिज, तहसील फगवाड़ा।

(बहु ध्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है।)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत अविधि यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकारी के पास लिखित में हिए जा सकेंगे ।

स्पच्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्शे का, जो उक्त भश्चितियम के भश्याय 20 व्ह में परिभाषित हैं, वही धर्षे होगा जो उस भश्याय में विमा क्या है।

# अनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 252 सैक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़। जाय-दाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरण मधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1143, ग्रगस्त 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्य सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज लिधयाना ।

तारीख: 15 भ्रप्रल 1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, तिथि 15 म्रप्रैल 1980

निवेश सं क्षी ० एच० डी० /226/79-80--- भतः मुझे सुखदेव चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सः 1/2 भाग रियाहशी प्लाट नं० 252 है तथा जो (सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रीधकारी के कार्यलय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम (1908 1908) का 16 के ग्रीधीन तारीख 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या अनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, श्रव, उपत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,प्रपत्-

- (1) में जर रेनू सरला परनी स्वर्गीय श्री सी०एल० म्रानन्द निवासी म्राई० एन० एच० एच० कोलवा, बम्बई -5 द्वारा उसकी जनरल पावर म्राफ म्राटारनी श्री हरि सिंह दुल श्री वरयाम सिंह, निवासी गांव बीर पावाहिज, तहसील फगवाड़ा जिला कपूरथला। श्रतरक)
- (2) श्री मित भूपिन्द्र कौर पत्नी कैंप्टन जोगा सिंह 45 के० सराहभा, नगर, लुधियाना। (ग्रतरिती)

13. श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री वरयाम सिंह निवासी गांव बीर पावाहिज तहसील फगवाड़ा।

> (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/2 भाग रिहायशी न० 252 सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़। (जाय-दाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या न० 1288, सितम्बर 1979 में वर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (रिरीक्षण) प्रार्जन रेंज , लुधियाना।

तारीख: 15 भन्नेल 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायका (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 प्रप्रंल, 1980

निवेश सं० सी० एव० डी०/187/79-80--- प्रतः मुझे, भुखदेव चन्द धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खनित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है भौर जिसकी संख्या रिहायशी मकान नं० 3123 है तथा जो सेक्टर 22-डी॰, चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद म्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त भम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दश्य से उत्तर प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के भधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भ्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:—

- (1) श्री मुरारी लाल पुत्र श्री ममन चन्द निवासी गिवडवाहा तहसील मुक्तसर जिला फरीवकोट ब्रारा स्पेशल भ्रटारनी श्री गंगा राम पुत्र परमेश्वरी दास निवासी गिदडवाहा तहसील मुक्तसर जिला फरीदकोट (ग्रम्तरक)
- (2) श्रीमती कमला देवी परनी श्री राजेन्द्र प्रसाध निवासी मकान नं० 3127, सेक्टर 22-श्री०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- (3) श्री राजेंद्र गुप्ता (2) श्रीमती कृष्णा वेबी (3) श्रीमती गीता वेबी पत्नि श्री विनोद कृमार सारे बासी 3123, सेक्टर 22-डी०, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसक झिंझभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जंग के लिए कार्भवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रग्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 3123, सेक्टर 22-डी०, चण्डीगढ़ जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संवया नं० 1090, धगस्त, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्व सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, सुधियाना

ताीख 15 स्नप्रैल, 1980 मोहर:

# वरूप साई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

बामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के घषीन सुचना

### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज लुधियाना तारीख 15 मप्रैल, 1980

निदेश सं० सी एष डी०/208/79-80—-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

वायकर मिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम मिनियम' को, यह विस्वास करने का कारव है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- द॰ से मिनिक है

श्रीर जिसकी संख्या श्राधा भाग मकान 3123 है तथा जो सेक्टर 22-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपादक्व श्रन्सूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्त अधिनारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जनित बाबार मुख्य से कम के बृश्यमान प्रतिकास के लिए धम्तरित की गई है धोर मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का जनित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे बृश्यमान प्रतिकाल का पन्नह् प्रतिवाल अजिक है धोर धन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिकास, निम्नकिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरक किश्वत में वाक्तविक कथ से कश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से तुई किसी आय की वाक्त करत बाधिन नियम के समीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी अध्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया यथा था, या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के जिसे;

अतः घर, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरन में, मैं, उन्त अधिनियम, की भारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— गिर्मित्रारी लाल पुत्र श्री ममन चन्द्र, निवासी गिदङवाहा द्वारा स्पैशल ग्रहारनी श्री गरा पर पुत्र श्री परमेश्वरी दास निवासी गिदङवाहा तहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट।

(भन्तरक)

2. श्रीमती गीता वी पत्नि श्री विनोद कुमार मकान नं० 3123, सेक्टर 22-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री राजिन्द्र गुप्ता

(2) श्रीमती कृष्णा देवी

(3) श्रीमती कमला देवी पश्नि श्री राजिन्द्र प्रसाद्य निवासी मकान नं० 3123, सेक्टर 22-डी, चण्डीगढ।

> (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के गम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण।—-इसमें प्रयुक्त शक्वों भीर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टाय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस भ्रक्ष्याय में विया गया है।

## अनुसूची

ग्राधा भाग मकान नं० 3123, सेक्टर, 22-डी, चण्डीगढ़ जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1182, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकाी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 म्रप्रैल, 1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, तारीख 15 श्रगस्त 1980

निदेश सं० डी० एच० /297/79-80---श्रतः मृक्षे, सुखदेव चन्द,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० बी०-II 347 (पुरानः)/ बी०-IV-2004 (नया) है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीरपूर्ण रूप सें विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिम की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिष्क रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सोम प्रकाश भादिय पुत श्री मुनि लाल श्रादिय, महल्ला फालां भ्रदन, लीधयाना। | (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स निर्मल बदर्ज द्वारा श्री निर्मल कुमार व श्री राम लाल पुत श्री रोशन लाल निवासी मकान नं बी०-VIII 439, मुहल्ला मुल्लाशेखर, लक्षियाना। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

दुकान नं० बी०-II-347 (पूराना) बी०-IV-2004 (नया) चौड़ा बाजार लुधियाना जो रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लिधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2444, प्रगस्स, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, लिश्रियानी

तारी**ख**: 15 भग्नेल 1980 **गोहर**ः त्ररूप धाईं डी॰ इत॰ एस॰ ----

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यांसय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीसण) म्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिमांक 15 धप्रैल, 1980

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है भि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ४० मे प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 4 बीगा है तथा जो गाँव भनोहर, जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भगस्त, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुश्चे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रत् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कबित नहीं किया बया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी बन या ग्रम्य भास्तियों को,
  जिन्हें भारतीय ग्रायकर भिन्नियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्क भिन्नियम,
  या धन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के भयोजनार्थ ग्रन्तरिती श्वारा प्रकट मही
  किया नया था या किया जाना चाहिए बा;
  कियाने में सुनिया के सिए;

जतः धन, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के प्रचीन, निम्नसिबित व्यक्तियों, भर्वात्:— (1) भी दिलबाग सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह पुत्र श्री निहा सिंह, 504, मण्डल टाऊन, लुधियाना।

(यन्तरक)

(2) श्री मस्तान सिंह पुत्र श्री ईशर सिंह पुत्र श्री कान सिंह निवासी गांव इसनपुर, तहसील लुधियाना। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवग्र किसी मन्य व्यक्ति ग्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को छक्त भ्रष्ठिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## यनुसूची

भूमि क्षेत्रफ्म 4 बीगा, गाँव भनोहर जिला लुधियाना जो रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लूधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4257, प्रगस्त 1979 में वर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 15 मप्रेल, 1980.

प्रकप धाईं । ही एन एत ----

आयकर निवित्तम, 1961 (1961 था 43) भी घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 भप्रैल, 1980

निवेश सं० लुधियाना/315/79-80:--धतः मुझे, सुखदेव चन्द,

नायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत लिखिनयम' कहा नया है), की खारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25000/- वपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं॰ प्लाट क्षेत्र 550 वर्ग गज है तथा जो गांव डाबा, जी॰ टी॰ रोड, लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृत्यमान प्रिष्ठिक्त के सिये मन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पनद्रह प्रतिशत से बिछक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरितों (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्कत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्षे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में में, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग की प्रवारा (1) के अधीन, विव्यविवित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री जगदेव सिंह द्वारा जनरल पावर झाफ घटारनी श्री केहर सिंह पुत्र श्री सावा सिंह, वणमेण नगर, लुधियाना।

(भन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह पुत्त श्री जागीर सिंह, निवासी गांव बुरज, जिला लुधियाना, श्रीमित सुरजीत कौर पस्नी श्री रणधीर सिंह मकान नं० 2082-बी-11, मुहल्ला फतेहगंज, लुधियाना।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के सजन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत पम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घर्वीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वीय, भी भी अर्थाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबळ किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करणः --इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर नवीं का, जो वक्त प्रधि-नियम के भ्रव्याय 20-का में वरिचाचित है, वहीं प्रवेदीना, जो उस अववाय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 850 वर्गगण जो गांव डाबा, जी० टी० रोड़, लुधियाना में स्थित है और जो रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2632, प्रगस्त, 1979 में वर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायक्त (निरोक्षण); श्रजन रज, लाध्याना

तारीख: 15-4-1980

प्रकप भाई । टी । एन । एस । -----

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के म्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 प्रप्रैल 1980

निदेश सं० लुधियाना/303/79-80---म्रतः मुझे, सुखदेव बन्द,

क्षायकर घिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रिधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र 644 वर्ग गज है तथा जो मुहल्ला गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (खा) ऐसे किसी स्राय या किसी धन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ्या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिवित्यम, की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिवित्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेजर फौजा सिंह पुत्र श्री सरेन सिंह, गिल हाऊस, सिविल लाईन, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह 104 एल॰, माडल टाऊन, लुधियाना।

(म्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उका ग्रिधि नियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## प्रनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 644 वर्गगज, गुरदेव नगर, लुधियाना ग्रत: जो लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2524, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रज, लुधियाना

तारीख: 15 मंत्रेल, 1980

मोहरः

प्ररूप बाई० टी० एन● एस०

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) नी बारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

नारत सरकार

क्यांलय, सङ्घायक मायकर पायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, लुघियाना सुधियाना, दिनांक 16 भ्रमेल 1980

निदेश सं० चन्डीगढ़/203/79-80--- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के भ्रखीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-- र० से भ्रविक है

धौर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 1806 है तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीसङ् में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्तरफ के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गरा है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत खक्त जिबि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में मुक्तिश के निए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या जिसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उदन अधितियम, या धन कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत श्रव, उका प्रशितियम की धारा 289—म के मनुस्रदश में, में, उक्त श्रधितियम की घारा 269—म की उपधारा (1) के अभीत निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मेजर धर्मबीर सिंह पुत्र डा॰ कपूर सिंह निवासी मकान मं॰ 18/6, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) श्री रामेश्वर दास कनसल पुत्र श्री सन्त राम कनसल निवासी मकान नं० 3039, सेक्टर 35—श्री, चण्डी-णकु।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्राजैंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तर्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में गमाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शराः;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीगर उन्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

साउदी तरम '---इनमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उपत अधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रश्नेतीत, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# भ्रतुभुकी<sup>।</sup>

रिहायणी प्लाट नं० 1806, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़, (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के जिलेख संख्या नं० 1160 ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रज, सुधियाना ।

तारीख: 15 भप्रैल, 1980.

प्ररूप प्राई • डो • एन • एन • -----

क्षायकर समिनियम, 1961 (1961 का 48) की आरा 269-च (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

> कार्यांजय, सङ्घायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, विनोक 15 भ्रप्रल 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/166/79-80---प्रतः मुझे, सुखदेव चन्य,

कायकर धिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाठ 'उक्त धिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द॰ से अधिक है और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 205 है तथा जो सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत प्रक्रिक है घोर अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्ते अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया थया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक क दायित्व म कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए: घौर/या
- (भा) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भ्राय भास्त्यों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जानाः चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए।

छत: धन, उन्त धिधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269 घनी छ ग्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) कैंप्टन हरिकशन लाल सूद पुत्त मथुरा दास सूद; निवासी मुहल्ला धर्म कोटियां सूदन, भार्य स्कूल रोड़, मोगा द्वारा जनरल पावर आफ भाटोरनी श्री गुरचरन सिंह पुत्त श्री नोपाल सिंह निवासी मकान मं० 3211 सेक्टर 28—डी०, चण्डीगढ़। (मन्तरक)
- (2) श्री ग्रजीत सिंह पुत्त श्री गुरचरन सिंह निवासी मकान नं॰ 199, सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

खनत सम्पास के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राचीप I---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की धविधि, जो भी भविधि बाव म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिल के भीतर उनत स्वावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पव्यक्तिपण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-ए में परिमाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

# श्र**मुस्**ची

रिहायगी प्लाट नं० 205, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़। (जाय-दाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 965, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 म्रप्रैल, 1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निवेश सं॰ चण्डीगढ़/185/79-80:----ध्रतः मुझे, सुखदेव धन्द,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/→ रुपये से श्रधिक है और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 68 है तथा जो सेक्टर 33—ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उवित बाजार मूल्य, उनक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उकत श्रिध-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रवः, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवादः --- (1) श्री सूरज प्रकाश श्राहूजा पुत्र स्वर्गीय श्री सीता राम श्राहूजा निवासी 218/6, डी० एल० रोड़, बेहरादून (यू० पी०)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार गर्ग पुत्र श्री वेद प्रकाश, निवासी मकान नं० 3567 सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरमंत्रंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूवता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त ध्रधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 68, सैक्टर 33-ऐ , चण्डीगढ़ । (ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1080, ग्रगस्त 1979 में दर्ज हैं)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारी**ख: 15 ग्रप्रै**ल 1980

## प्रकृष पाई • टी • एन • एस • ---

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज लुधियाना

> > लुधियाना, तारीख 15 भ्राप्रैल 1980

निदेश सं० के० एच० ग्रार० /16/79-80—-ग्रत मुझे सुखदेव चन्च

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भाधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भाधिक है

और जिसकी सं० रिहायणी मकन नं० 205 फेस I में है तथा जो मोहाली तहसील खरड़ जिला रूपनगर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी कियी प्राय मा कियी धन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनन प्रिधितियम, या धन कर प्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुमरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निकालिकित व्यक्तियों अर्थीत् :—-

- (2) श्री राम प्रकाश बहरी पुत्र श्री जीवा राम बहरी निवासी 3893 सैंक्टर 22-डी, चण्डीगढ़। (ग्रंतरक)
- (2) श्री महिन्द्र सिंह पुत्न श्री सोहन सिंह तथा श्रीमित बलजीत कोर पत्नी श्री महिन्त्र सिंह निवासी 1001, सैक्टर 37, चण्डीगढ़। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के खर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:---इसमें प्रयुक्त मञ्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 205 फेस I मोहाली (एस० ए० एस० नगर) तहसील खरड़ जिला रूपनगर। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2612, श्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 श्रप्रैल, 1980

प्रका पाई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के मिधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक धायकर** बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 15 प्रप्रैल 1980

निदेश सं० डेराबस्सी/50/79-80:---म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

सायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उन्त धिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्रीतकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्मति, जिमका उनित बाजार मुख्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 10 बीगा है तथा जो गांव छत्त, तहसील डेरावस्सी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथा गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों अर्थीत्:—

- (1) स० अजीत सिंह, प्रेम सिंह पुत्र श्री मान सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह नियासी 620 सेक्टर 11, चण्डीगढ़ । (धन्तरक)
- (2) श्रीमिति प्रवतार कौर पत्नी श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह निवासी मकान नं० 1591 सेक्टर 34-डी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोषत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओ :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किनी श्रत्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मधीहरगः--इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो आयकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिमायित हैं, वही अर्थ होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 10 बीगा गांव छत्त, सहसील डेराबस्सी; (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी डेराबस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 683, ध्रगस्त, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्दः, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 श्रप्रैल, 1980।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधयाना

सुधियाना, दिनांक 15 अप्रैल 1980

निवेश सं० डेरावस्सी/53/79-80:---ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूस्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 8 बीघा 7 बीसवा है तथा जो गांव छत्त तहसील डेरावस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरावस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर गान प्रतिकृत के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिन में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भणि-निथम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन सा भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भीधिनियम, या धनकर भीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भव, उन्त प्रधिनियम की भारा 26% म के अनुसदण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 26% म की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:--- (1) श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री मान सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी मकान नं० 620, सेक्टर 11, घण्डी-गढ़।

(मन्तरक)

(2) श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री पुरन सिंह निवासी 1591, सेक्टर 34-डी, घण्डीगढ़। (भ्रन्तरिती)

उनत सम्मति के ग्रर्वत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति हारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टी हरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के शब्दाय 20 क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल ६ बीघा 7 बीसवा गांव छत्त, तहसील हेरा-वस्सी । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हेराबस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 686, भ्रगस्त, 1979 में वर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ण** : 15-4-1980

# प्ररूप माई• टी• एन• एस०---

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आग 269 म(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 म्रप्रैल 1980

निदेश सं० डी० बी० एस०/51/79-80:—-म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके प्रकात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिपका उचित बाजार मस्य 25.000/- द० से ग्रिंघक है

भीर जिसकी सं भूमि क्षेत्र 8 बीगा 8 बीसना है तथा जो गांव छत्त, तहसील डेरावस्सी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकार के कार्यालय, डेरावस्सी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1979 को पूर्वीक्त सम्पति के जिन बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यवार्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिषाठ से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (पन्तरितिरो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निकालिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित में बाइनविक स्था से फिया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधितिया के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करण या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी कियी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय भागकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत मिश्रिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया वया धा या किए। जाना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः, अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग की उपवारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री मान सिंह निवासी 620, सेक्टर 11, घण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती धवतार कौर पत्नी श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री पुरन सिंह निवासी 1591 सेक्टर 34-डी०, षण्डीगढ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यि करता हं।

इक्त सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकोंगे।

स्ववहोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पथीं का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हो π, जो उस कदमाय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 बीगा 8 बीसवा गांव छत्त तहसील डेरा-वस्सी। (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी छेरावस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 684, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 म्रप्रैल, 1980 | मोहर: प्रकप माई॰ टी॰ एक॰ एस॰----

# कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बधीन सुबना

### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक ग्रामकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 15 भ्रप्रल 1980

निवेश सं० डेराबस्सी/52/79-80:—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत संजम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 8 बीधा 7 बीसवा है तथा जो गांव छत्त, तहसील डेराबस्सी में स्थित हैं (भौर इससे उपावक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है थीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत जनत प्रधिनियम के घंधीन कर देने के घन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी वन या मण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर प्रवितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रवितियम, या धत-कर प्रवितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य मन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—6—66GI/80

(1) श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री मान सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, 620, सेक्टर 11, चन्ण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) लैं॰ कर्नल गुरनाम सिंह पुत श्री पुरन सिंह निवासी ग्रुप कमांडर, एन॰ सी॰ सी॰ ग्रुप, हैड क्वाटर 84-बी, माडल टाऊन, पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राजीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तारी के से 30 दिन की शविध, जो जी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा, भ्रधोह्नस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही प्रयोहोगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

# अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 बीगा 7 बीसवा गांव छत्त तहसील डेरा-बस्सी। (जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी डेराबस्सी के कार्यालय के श्रिधिकारी के विलेख संख्या 685, श्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्त्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजेन रेंज, लिधियाना।

तारीखाः 15 मन्नैल, 1980 ।

प्ररूप प्राई• टी• एन• एस•---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 369-व(1) के अधीन सूचना भारत सरकाव

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 म्रप्रैल 1980

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उन्त अधिनि ।म' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सञ्जम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समानि जिपक उनि बाजार मूख्य 25,000/- इ॰ ये पविक है भीर जिसकी सं० मकान क्षेत्र 374 है वर्ग गज है तथा जो शाम ल्ति ोड़, सिविल लाईन, लुधियाना मे स्थित है (ग्रीर इससे ७पालक अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता षधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, तारीख भ्रगस्त, 1979 को पूर्वोत्त सम्पति के उचित बाजार मुक्य से कम के दृश्यमान रति कन के लिए अन्तरित की गई है और मुमे यह विश्वास **करने का कारण है कि यशा**र्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यक्षान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भोर अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय नाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक का से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयका किसी धनया ग्रान्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त भवितियम का धारा 289-म के बनुमरण में, मैं, उन्त अधितियम को धारा 269व की उरवास (1) के अधील, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमिति भिरावां बाई पत्नी श्री राम प्रकाश 126, ग्रेन पार्क, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री जीवन लाल जैन पुत्र श्री निरंजन दास निवासी 120-बी-4, गली माईयां, लुधियाना ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
  निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का. जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

## **प्रनु**सूची

रिहायशी मकान (क्षेत्रफल 374 वर्ग गज), शाम सिंह रोड (सिविल लाईन, लुधियान जो रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 2763, श्रगस्त, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, लुधियाना।

क्षारीख: 15 **म्रप्रैल, 1**908

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 भ्रप्रेल, 1980

निदेश सं॰ पटियाला/292/79-80 —ग्नतः मुझे, सुखवेव चन्द,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं॰ मकान नं॰ 76-ए है तथा जो मेहर सिंह कालोनी, तिपरी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री श्रवतार सिंह, धाई० धो० डब्स्यू० पुत्र श्री निरन्त्र सिंह निवासी टी--7-सी, रेलवे कालोनी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री रनबीर सिंह मतवना पुत श्री मर्जन सिंह निवासी रोशनपुरा मारफत कैंप्टन मसर सिंह गर्वनमेन्ट कालेज, होशियारपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसुची

मकान नं० 76-ए, मेहर सिंह कालोनी, पटियाला जो रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3555, सितम्बर, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव जन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना ।

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियमों अर्थातः—

तारीख: 15 म्रप्रैंल,1980।

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

# मामकर घिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रल, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/181/79-80:---मतः मुझै, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ध्रपये से ग्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राघा भाग प्लाट नं० 550 है तथा जो कि सेक्टर 33बी, चण्डीगढ़, में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरन लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम वा धनकर भ्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, प्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-न ने मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बबीन निम्त्रलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:— (1) ल० कर्नल हरिन्दरा सिंह पुत्र सुन्दर सिंह द्वारा जनरल श्रदारनी लै० कर्नल, वरिन्द्र राज सिंह पुत्र श्री हरबचन सिंह, निवासी मकान नं० 270, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती ध्रनुपम मेहता पत्नी श्री वी० के० मेहता निवासी मकान नं० 544, सेक्टर 8-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- (3) श्री बी० के० मेहता पुत्र एस मार मेहता, 544, सेक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **प्रजै**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की भ्रवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भ्राधा भाग प्लाट नं० 550, सेक्टर 33-वी, चण्डीगढ़। (जायवाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1060, भ्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्तम प्राधिकारी, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-4-1980:

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भ्रायकर मायक्त (निरीक्षण)

गर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 भ्राप्रैल, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/140/79-80:---- अतः मुझे, सुखदेव

चन्द, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान 'उवत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भाधिक है और जिसकी सं भाधा भाग प्लाट नं 550 है तथा जो सेक्टर 33 बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के ग्राधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निबित्ति उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण तिबित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाय हर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धन-हर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः, भन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) लैं० कर्नेल हरिन्द्रा सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह द्वारा जनरल ग्रटारनी लैं० कर्नेल विरिन्द्र राज सिंह पुत श्री हरबचन सिंह निवासी मकान नं० 270 सेक्टर 35 ए, चण्डीगढ़।

(मन्तरक)

(2) श्री वी० के० मेहता पुत्र श्री एस० श्रार० मेहता, मकान नं० 544, सेक्टर 8वी, चण्डीगढ़।

(मन्तरिती)

(3)

(4) श्रीमित धनुपम मेहता पत्नी श्री वी० के० मेहता निवासी मकान नं० 544, सेक्टर 8बी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या हत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भोतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसृष्वी

ग्राघा भाग प्लाट नं० 550 सेक्टर 33 बी, वण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1059, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कुधियाना

तारीख: 15 ग्रप्रैल, 1980।

प्ररूप माई० टी० एन० एम०-----

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 म्रप्रैल, 1980

269-ख के स्रधीत सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपये से स्रधिक हैं स्नौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1043 हैं तथा जो सेक्टर 36 सी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्लौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979
को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का
छचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे
दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरम के जिए तय पाया गंग प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:—

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतोत्र आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत:→

- (1) लैं॰ कर्नल बलदेव कुमार मेहता पुत्र श्री एच॰ ग्रार॰ मेहता निवासी ई/363/ए, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली द्वारा उसकी स्पेशल पावर ग्राफ ग्रटारनी श्रीमित सरला सिंगला पत्नी श्री के॰ सी॰ सिंगला निवासी मकान 3597 सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) डा० के० सी० सिंगला पुत्र श्री कुन्दन लाल निवासी मकान नं० 3597 सेक्टर 23—डी०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्नति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी करण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के भ्रष्टपाय 20-क म परिभाषित है, वही भ्रयें होगा, जो उन्न भ्रष्टमाय में दिया गया है।

# अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1043, सेक्टर 36-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1027, धगस्त, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द **सक्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रंज, लाधयाना ।

तारी**ख**: 15 म्रप्रैल, 1980 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

माबकर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्रम, सहायक आयकर मायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, आयकर भवन, लिघयाना लुधियाना, दिनांक 15 प्रप्रैल 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नंति जिनका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 1281 है तथा जो सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता धिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुष्यमन्त प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से प्रधिक हैं और सन्तरक (बन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बोब ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षल निम्नलिक्ति उद्देश से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (न) भन्तरण से हुई निसी भाग की बाबत उनता स्वीत-नियम के भवीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी श्राय या किसी वन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीवनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रीवनियम, या वन-कर श्रीवनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-म के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात्।—— (1) श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री सूरत सिंह द्वारा स्पैशल ग्रदारनी श्रीमित शांता शर्मा पत्नी श्री मदन लाल शर्मा निवासी मिकान नं० 1294 सेक्टर 33—सी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एल० शर्मा पुत्र श्री शाम दास शर्मा केयर आफ दी पंजाब ऐग्रो इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन लिमिटेड, एस० सी० एफ० नं० 2907-08, सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ श्रब निवासी मकान नं० 1281, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़।

(भन्तरिती)

(3) श्रीमित शरन कौर पत्नी श्री गुरवियाल सिंह, 1281, 33-सी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-शद किसी भन्य स्थक्ति द्वारा सम्बोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यब्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त श्रीवित्यम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही क्यें होगा जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

# मनुसूची

रिहायणी प्लाट नं० 1281, सेक्टर 33-सी०, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1195, सितम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव भन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 15 म्राप्रैल, 1980।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रत्र, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० लुधियाना/329/79-80--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्य,

भाय हर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से श्रधिक है

म्रोर जिसकी सं० जायदाद नं० बी-XXVI-203/1 है तथा जो कि माडल ग्राम, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, 96, शक्ति नगर, माडल ग्राम, लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री मदन लाल पुत्र श्री गोपाल दास निवासी B~ XXVI-203/1, माडल ग्राम, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)
- (3) सर्वश्री 1. सर्वशरय पुत्र श्री देस राज, 2. कुलवन्त सिंह पुत्र मेहर सिंह, 3. गुरचरन सिंह पुत्र फुमन सिंह, 4. कुलवन्त सिंह पुत्र निरंजन सिंह, 5. मण्यनी कुमार पुत्र मनौहर लाल, सभी निवासी बी—XXVI-203/1, माडल ग्राम लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त प्रमरित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्तेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समास्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्मच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का. जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जायदाद नं० बी-XXVI-203/1, माङल ग्राम, लुघियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2756, श्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारी**ख**: 15 मप्रैल 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

भर्जन रेंज. लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 15 भ्रप्रल 1980

निवेश सं० शिमला/34/79-80:----श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 301 वर्गगज 3 वर्ग फुट है तथा जो नजदीक रिटज सिनेमा, शिमला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता मधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग से उच्छा अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग से उच्छा अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग से उच्छा अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग से उच्छा अन्तरण कि लिए तम पाया निम्लल क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>3</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) भाई फतेजग सिंह, सिद्धवाल लोज, रिज, शिमला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती माशा गुप्ता व श्रीमती मंजू, एस० गुप्ता, 48, दी माल, शिलमला।

(मन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

## अमुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 301 वर्ग गज 3 वर्ग फुट नजरीक रिटज सिनेमा शिमला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 501, ध्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 15 मप्रैल, 1980 ।

मोहरः

17 -66 G1/80

प्रस्प आई० टी० एउ० एस०-----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) भी घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 भ्रप्रैल 1980

आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खा के अधीन सक्तम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्धान जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र, 10 बीसवा है तथा जो बण्डूगर, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के बृश्यसान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है छौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत ते, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और घन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियां) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलियां उद्देण्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रशास्त्र संतुर्व किया प्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम क प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में तुविचा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्मियम, या धन-कर भिष्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः धव, उम्त धिर्धिनियम की वारा 269-ग के धनुमरण में, में, उक्त घिषिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, धर्धास्ः (1) श्रीमती विधावन्त कौर पत्नी श्री बलवन्त सिंह निवासी हरिगढ़, तहसील, बरनाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सरवरिन्द्र सिंह पुष्त श्री घारमा सिंह 60-बी, माडल टाऊन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त समाति के पर्जन हे संबंध में कोई भी माओर :---

- (क) इस मूचना के 'राज्यक्र में 'प्रकाशन की तारी चासि 45 विन की धविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामी स से 30 विन की अवधि, जी भी 'धविध बोड में सभाष्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है '45 विन के भीतर जंगत स्मावर संस्पति में हिंतकेड निसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताकरी के पास विकास में किए जा सर्वेगे।

स्पड्डीकरण:---इमर्मे प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो डक्त प्रधितियम के जड़्याय 20-कं में परिकाशिक है, वही पर्य होगा जो उस बड़्यांव में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 10 बीसवा जो कि गांव बण्डूगर पटियाला में स्थित है।

(आयदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2999 श्रगस्त, 1979 में दर्ज है )।

> सुखदेव चन्द, स्वतम प्राधिकारी सहायक जायकर धायुक्त (निरीक्रण) धर्जन रेंज, सुधियोमा ।

तारीख: 15 श्रप्रल, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 भ्रप्रैल 1980

निदेश सं० पटियाला/232/79-80:--- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्यः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख, को अधीक सक्षक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० प्लाट क्षेत्र 500 वर्ग गज है तथा जो वन्डूगर, पटियाला में स्थित हैं (भीर इसमे उपाश्वद्ध भ्रन्सूची में भ्रौर पूर्ण रूप रे गणिन हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या, लय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख, भ्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक क्या से किश्मत कहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्रीमित विधायस्य कौर पत्नी श्री बलबस्य सिंह निवासी हर्गिक तहसील, बरनाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्राह्मा सिंह पुत्र श्री जीवन भिंह निवासी 60 वी, माडल टाऊन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जो गांव वण्डूगर, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी पटियात के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3000, श्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्तः (निरीक्षण) श्रजन रज, लक्षियाना

तारीख: 15 श्रशैल 1980

माहरः

प्ररूप आई० टी० एत० एस०-----

आशकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मप्रैल, 1980

निवेश सं॰ पटियाला/229/79-80:---धतः मुझे, सुखदेव चन्ध,

भागकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उकत प्रवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- व• से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 2 बीगा 2 वीमवे है तथा जो गांव हद, जिला पटियाला में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनूमूची मे भीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधवारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं श्रीर यह कि झन्तरक (श्रन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त श्रन्नरण शिक्षित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत जक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए ।

धतः घव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उनत धिबनियम की बारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवाँत्:---

(1) श्री कर्नवीर प्रकाश पुत्र श्रीमति धृष्णा प्रकाश मारफन डा० सी० प्रकाश, पी० जी० श्राई०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित प्रीतम कौर विद्यवा श्री गुरचरन सिंह निवासी 2173/5, लहल, पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी सासे 45 दिन की अवित्र या तत्सभवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अवित्र, जो भी भविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति शरा, अधोहम्लाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त संख्यों और पदों का, जी 'खनत स्निध-नियम', के प्रस्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो स्त प्रश्याम में विमा गमा है।

## अनुसूची

भूमिक्षेत्रफल 2 बीगा 2 1/2 बीमवा जो गांव हद, जिला पटियला।

(जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2968, श्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेय चन्द स**नन प्राधिकारी** स**हावन जावकर भ्रायुक्त (निरीक्रण)** श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 15 मप्रील 1980

मोइरः

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ----

आयकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सुवना

#### घारत मरकार

कार्यानय, सहायक ब्रायकर ब्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रॅज, लुघियाना लुधियाना, विनोक 15 श्चप्रैल 1980

निदेश सं० पटियाला/228/79-80:---श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

प्रायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्मिल, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एवए से घिषक है

हत्य से प्रक्रिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 2 बीगा 2 1/2 बीसवा है तथा
जो गांव लहेल (हद) पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबक्क श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता
श्रिष्ठकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम
1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रगस्त, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के वांचत बाशार मूक्य से क्षम के दृश्यमान
श्रितिक के लिए धन्तरित की मई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके
दृश्यमान प्रतिक न से, ऐने दृश्यमान प्रतिक के पण्डह प्रतिशत से
अधिक है भौर अन्तरक (पन्तरकों) मौर अन्तरिती (प्रन्तरितयों)
के बीच ऐस मन्तरण के लिए द्य पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त पश्तरण निश्चित में बास्तिबक कप से
कथित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रश्नरण से हुई किनी आय की जाउन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के करारक के बायिस में कमी करने या उससे अजने में मुनिधा के सिष्; और/या
- ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिव्यतियम, या ग्रन-कर ग्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्षे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या स्था जाना चारिए या, जिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रीबिनियम की सारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत :— (1) श्री दीपक प्रकाश पुत्र श्रीमिति कृष्णा प्रकाश मारफत डा०सी० प्रकाश, पी० जी० ग्राई, चण्डी-गढ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमिस रिमन्द्र कौर पानी श्री असबीर सिंह, श्रीमित कुलिजन्द्र कौर पत्नी श्री अमृतबीर सिंह निवासी 2173/5 लहल, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बह्दी अर्थ होगा, जो उस अक्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बीगा 2 1/2 बीसवा, लहल (हव) पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2967, ग्रगस्स, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, सुधियाना

तारीख: 15 ग्रप्रैल, 1980।

मोहरः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०⊸--

धायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 भ्राप्रैल 1980

निदेश सं० ए एम एल/79-80/96:—-श्रतः **मुझे, सुखयेय** चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रीधक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन 1 1/2 बीगा है तथा जो गांव जसरां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमसोह में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है सीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिग्रन अधिक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रीवितयम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय अध्य-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रन: ग्रन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के
ग्रधीन, निम्ननिक्ति व्यक्तियों, ग्रयीन:---

- (1) श्री ग्रमरजीत सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह निवासी जसरा, तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित चंघल कुमारी पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार तथा श्रीमिति श्रनीता गोयल पत्नी श्री दर्शन कुमार मारफत मैसर्स दर्शन कुमार ग्राइरन मरचिण्ट, बंगा।

(मंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यकाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

जमीन 1 1/2 बीगा जो गांव जसरां में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलिख संख्या 1103, सितम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारी**ख**ः 15 **प्रश्रें**ल, 1980 ।

प्रकृष आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयर्कर नेबिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के घंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रांवस्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लिधयाना लिधयाना, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1980

निदेश सं० एस० म्रार० डी०/125/79-80:---- म्रतः मुझे, मुखदेव चन्दः,

प्रायकर प्रश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के प्रधीत सम्रम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-र॰ से प्रधिक 'है

श्रीर जिसकी सं भूमि क्षेत्रफल 4 बीगा 17 बीसवा है तथा जो गांव ग्रजनाली तहसील सरिहन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सरिहन्द में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

की पूर्वीक्त संस्पिति के उक्ति बाजार मूल्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल के पक्तह प्रतिशत से पश्चिक है और अग्तरक (अग्तरकों) और अग्तरिता (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरक के लिए तय पाया गया शिक्क, निक्निलियत उहेंग्य से उक्त अन्तरक कि वित में वाक्तिक रूप से किंगत नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के सम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किनी प्राय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों की, जिन्हें प्रायकर प्रीविश्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या कन-कर मित्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः, अव, उस्त विधितियम को आरा 269-म के जनुसरण में. में, बक्त श्रवितियम की बारा 269-च की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :----

- (1) सर्व श्री वलकार सिंह, जरमेल सिंह पुत्र श्री राम रखा निवासी भ्रजनाली तहसील, सरहिन्द। (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज सनशाईन स्टील कार्पोरेशन गोविन्दगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यशाहिया शुरू करता हूं।

चंकत सम्पत्ति के ग्रंकिंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (का) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की पर्वाध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वाध, जो भी
  अवधि बन्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अस्य व्यक्ति हारा, घघोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्यीकरण: --- इसमें प्रमुक्त सब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त भवितियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, बड़ी धर्ष ड्रोगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मूमि क्षेत्रफल 4 बीगा 17 बीसवा जो गांव धजनाली में स्थित है।

(जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2077, अगस्त, 1979 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मप्रैल, 1980।

## प्रकप आर्धक टी • एन • एस •-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लिधयाना, दिनांक 15 म्रप्रैल 1980

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- ए० से श्रिधक है

धौर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 3100 है तथा जो सेक्टर 35—डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निवारितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; भीर;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायक्तर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः क्षयं, उक्त प्रधिनियमं, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन के निम्निसित व्यक्तियों, प्रपीत्:---

- (1) सै॰ लीकर बलवन्त सिंह पुत्र श्री नारेन सिंह गांव वा पोस्ट ग्राफिस टोहाना, जिला हिसार। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री हवेला सिंह तथा, 2. श्रीमित बलवन्त भीर पत्नी श्री प्रीतम सिंह निवासी नयां-शहर जिला जालन्धर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरदर्श हरण :--इ मिंत्र हुन शास्त्रों श्रीर नदों हा, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 3100 सेक्टर 35-डी, घण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1117, झगस्त, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 15 मप्रैल, 1980।

प्ररूप आई• टी• एत० एत०----

शायकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याक्तय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निदेश स० सीएचडी/201/79-80---ग्रतः मुझे, सुखदेश चन्दः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपम इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उकित बाजार मृत्य 25,000/- ध्पये से प्रधिक है और जिसकी सं० रिहायणी प्लाट न० 168 है तथा जो सेयटर 33-ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उणाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री वर्ता श्रिधकारी के वार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वरा 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है यौर प्रयोगह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, तेरी दृश्यमान प्रतिकत से, तेरी दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) पौर प्रग्तरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे सम्परण के लिए तम पाया गया बतिकल, निण्डितित उहेश्य मे उक्त प्रनारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उल्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में मृदिधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिप ने में सुविधा के लिए;

अतः, अत्र, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के धनु-सरण में, मै, उन्त धाष्ठनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-8—66GI/80

- (1) श्री पी० एस० चीना पुत्र स्प्र० सर्द्यार पंजाब सिंह 11 के, मनोड्र पुजार रोड़, कल क्ता-26 द्वारा स्पैशल श्राटारनी श्री एन० एग० रत्न पुत्र ज्ञानी महिन्द्र सिंह रत्न निवासी मजान न० 206 सेक्टर 33-ए०, चन्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- (2) श्रोमित मंनू रत्न पत्नी श्रीएन० एरा० रत्न, नित्रासी 206 सेक्टर 33-ए०, चण्डीगड़। श्राई०ए० एस०।

(अन्तरितं)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की भविधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी श्रादि बाद में समाप्त होतों हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हारा;
- (ज) इस नूनना के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख प 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ जिसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहम्नाझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इतनें प्रयुक्त शब्दों और वर्राका, जो उक्षत श्रिक्ष-नियम के प्रध्याय 20-क में परिश्रायित हैं, अही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय दिया गया है।

### श्रन्सू वा

रिहायशी प्लाट नं० 168, सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या न० 1144, श्रगस्त, 1979 में दर्ज है),

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारी**व : 15 म्र**प्रैंस, 1980 ।

प्रश्रप प्राई० टी॰ एत॰ एस०----

अगयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मिधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्णन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 प्रप्रेल, 1080

तिदेश स० सी एच डी/214-ए०/79-80:---ग्रतः मुझे,

सुखदेव चन्त, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, भौर जिसकी स० महान न० 47 है तथा जो सेक्टर-4, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप

से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रिधीन, सारीख ग्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिंदियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी झन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्वित्यम, या अन-कर अश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त धिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीतः निम्नि खित व्यक्तियों, अधीतः —

- (1) मिरु जिस्टिस राजिन्द्र सक्चर पुत श्री श्रीसः सेनः सन्वर कर्ता ग्राफ एच० यू० एफ० कनीसिसटिंग आफ श्रीमित राज सक्वर पुत्र संजीव सक्बर, पुत्री कुमारी माधवी सारे निवासी मकान नं० 6 तुगलक रोड़ नई दिल्ली। (अंतरक)
- (2) श्री जागेश कुमार खेतान श्री तुलसी प्रसाद खेतान, श्रीमित ऊपा खेतान पत्नी श्री जानेश कुमार खेतान, श्री पवन खेतान (माईनर) पुत्न श्री जागेश कुमार खेतान द्वारा पिता व नेश्वरल गाडीएन श्री जागेश कुमार खेतान, निवासी 60 सेक्टर 8-ए० चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उक्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तस्त्रं देशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्य, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधीदस्ताक्षरी के पास लिखिश में किये जा सकेंगे।

श्यक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उपल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान न० 47, सेक्टर 4, चण्डीगढ़ जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी दिल्ली के कार्यालय के विलेख संख्या न० 394, ग्रागस्त, 1979 में दर्ज है।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, खुधियक्का।

तारीख: 15-4-1980

मोहरः

प्ररूप अ। ई० टी० एन● एस०----

कॉयकर कंकिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

# कावीलवं सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, लुधियाना लिधियाना, दिनांक 15 श्वर्पेल 1980

सायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पॅश्नेंलि 'उथन प्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-सा के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000 जै- वंड से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० रिहायशी मकान न० 8 है तथा जो सेक्टर 19-A चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के भ्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979

को पूर्णोक्त संप्यति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रिक्तक के सिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संवापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार सूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त संधिक है भीर भग्तरक (भग्तरको) भीर भन्तरिती (बाग्तोपितियोँ) के बीच ऐसे भग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिमाली, निम्मोलिबिन उद्देश्य से उक्त भग्तरण लि खत में नाम विश्व संवाप से कारण ने कारण ने कारण नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निर्यम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (ब) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधितियम, या धन-सर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना थाहिए था, छिपाने में संविका के लिए;

भ्रतिं बेंब, वंदर पश्चितियम की भारा 269-ग के अनु-सरण में, बें, उदत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिद्धित कादितयों, अर्थात् :-- (1) श्री ग्रात्मा राम गुप्ता पुत्न श्री हंस राज गुप्ता, श्रीमित इन्द्रा गुप्ता पत्नी श्री ग्रात्मा राम गुप्ता, सुपरिन्टैंडिंग इजीनियर भाखड़ा कनाल, सर्कल न०॥, मिरसा, हरियाणा।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री दीपक कपूर पूपुत्र श्री किशोरी लाल कपूर,
  2. श्रीमिति मोहिनी कपूर पत्नी श्री सुभाष कपूर,
  3. श्रीमिति किरण कपूर पत्नी श्री श्रशोक कपूर,
  निवासी मकान नं० 3, सेक्टर 19-ए, घण्डीगढ़।
  (श्रन्तरिती)
- (3) 1. डा॰ ग्रो॰ एन॰ माथुर 2. ग्रात्मा राम गुप्ता, 3. पंजाब नेशनल बैंक नियासी मकान नं० 8, सेक्टर 19—ए, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के पर्वन के संबंध में कोई भी प्राक्षीप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी का से 45 दिन की भवधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में संभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धिकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जनत मिश्विनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अप होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुस्धी

मकान नं 8, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1037, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०<del>→ → → →</del> आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) **के भ्रधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायह श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिध्याना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रेस 1980

निदेश स० चण्डीगढ़/209/79-80:----स्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपत प्रधिनि (म' कहा गया है), की धारा 269-ख के अप्रीन सप्तप प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापर सम्मति, प्रिपदा उचित राजार मूस्य 25,000/- क्ष्पए से प्रक्षिक है

श्रीर जिसकी स० रिहायशी प्लाट न० 1357 पी० है तथा जो सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रिजस्ट्रीवर्ता श्रीधकारी के कार्याख्य, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीवरण श्रीकितम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख श्रगस्त, 1979

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख धगस्त, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह
प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनस घिष्ठियम के घधीन कर देने के धन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या भ्रम्य भारितयाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269च की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत्: (1) ब्रिगेडियर सिमन्दर लाल चावला पुत्न श्री दीवान चन्द चावला, मकान न० जे०-33 एन० श्री० एम० ई०, नई दिल्ली, साऊथ एक्सटैन्शन -पार्ट I, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरकः)

(2) 1. श्री कारतार मिह बावा श्रीर पुत्र (एघ० यु० एफ०),
2. करतार सिंह वावा आई० ए० एम० पुत्र वावा
बुद्ध सिंह, 3.श्रीमिति महिन्त्रकौर वावा पत्नी वावा
कारतार सिंह 4. कैंग्टन श्रारमी केंग्रल सिंह वावा
5. श्री रमनदीप मिह वावा पुत्र करतार सिंह वावा
दारा करतार सिंह वावा, मधान न० 532, सेक्टर
8-वी, चण्डीगढ ऽ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अविकास पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीक्षरमः --इतमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थे होगा जो उस ग्रम्याय म दिया गया है।

# अनु सूची

रिहायशी प्लाट नं० 1357, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्याला के विलेख संख्या नं० 1192, अगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखयेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 म्रप्रैल, 1980।

प्रक्षप धाई • टी • एन • एस • — — —

आयम्बर अमिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के ग्रमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० लुधियाना/316-ए०/79-80:--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्य,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मन्नीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पति, जिसका छनित बाजार मृह्य 25,000/- व॰ से भिक्षक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2351 ए/B17, क्षेत्र 287 1/4 वर्ग गज है तथा जो तरफ पीर बन्दा, तहसील लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपावक्ष श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख भगस्त, 1979

को पूर्वोक्त नकाति के अचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चित्यम के प्रधीन कर देने के अध्यरक के दायित्व में कमी करने या बचने बचने में मृविधा के लिए; घौर/ग
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या धम्य धास्त्यों की जिन्हें भारतीय धायकर द्यविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रविनियम, वा धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया लाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उप-आरा (1) के अजीत, तिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमित लीला वती पत्नी श्री खुणी राम निवासी 692/बी5, समराला रोड, लुधियाना द्वारा श्री खुणी राम, जनरल श्राटारनी।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमिति पुष्पा वती परनी श्री तुलसी दास 418, पिण्डी गली, लिधयाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस श्रूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 4 के दिन को अविद्या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूक्ता की सामील से 30 दिन की प्रविद्य, जो भी अविद्या बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है. 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पक्ति में हित्बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: -- - इसर्वे प्रयुक्त शब्दों आह पढ़ों का, आहे जगत श्रीधिनियस के श्रष्टयाथ 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी धर्य होगा, जो उस सक्ष्याय में दिया १३० है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 2351ए/बी17, क्षेत्रफल 287 1/4 वर्ग गण जो कि तरफ पीरु बन्दा, तहसील, लिधयाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2653, श्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखवेव चन्दः। सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीखा: 15 ग्राप्रैल, 1980।

म ोहरः

प्रकृष आई० टी० एनण एत्रण----

आयोकर भ्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्मीलय, सहायक भागकर भागकर (निरीजण) भर्जन रेंज, आयकर भवन लुश्चियाना सुधियाना, दिनांक 15 ग्रप्रैल, 1980

निदेश सं० लुधियाना/321/79-80--- ग्रतः मझे, सुखदेवं

धायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 200 वा के प्रधीन सकाम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुपये से अधिक है मौर जिसकी सं व्याद नं 2351 ए/बी 17/क्षेत्र 287 1/4 वर्ण का है तथा जो तरफ पेर बन्दा, तहसील लुधियाना में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कायित्य, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1979

की पूर्वित सम्मित के धींवत बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित्र का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित्र का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित्र का कारण है कि यथापूर्वीक्त समित है भीर प्रकारक प्रतिफल कर पन्त्रह प्रतिकाल स्विक है भीर मन्तरक (क्रान्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निर्तर गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई फिल्मे प्राय की बाबत उक्त झिछ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के कियां; औरत्यक
- (का) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ धास्तियों की, जिन्हें मारेतीन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गैंथा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ग्रुविधा के लिए;

धतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुः सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थं की उपंग्रीरिंग के अधीन निम्मलिखित अधिनयों, प्रयांतः--- (1) श्रीमति लीला वती पत्नी श्री खुशी राम निवासी 692 बी/5, समराला रोड़, लुक्कियोना द्वारा और खणी राम, जनरल झाटारनी।

(भन्तरक)

(2) मैसर्ज इंन्टरनेशनल झाडीमोबाइल 17-कार, इण्डस्ट्रीमल एरिया 'बी' लुक्कियाना । (मनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सक्यांति के प्रार्थिक के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीष :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन भी तारीं के 46 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुवान भी कि तारीं के स्वाधि के स्व
- (ख) इन मूजना के राजान में प्रकाशन की तारी के कि दिन के भीतर उकत स्थायर समारित में हिल्लिक किसी प्राप्त व्यक्ति हारा, प्रधोहरूतकारी के पीस किसी में किए जा सकींगे।

हरकारियारक :-----१पनें प्रयुक्त शक्दों ग्री र पर्यों की, जॉ उनले श्रीकि निर्मात के श्रुटर (2.0% में परिभाष्ट्रक है) नहीं अर्थ होता, जो अने प्रटश्य में विवासिक्त है।

## अनु सूची

प्लाट नं० 2351 ए/बी 17, भौंग क्षेत्रफेल 287 वर्ग गज जो तरफ पीठ वन्दा, तहसील, लुबियाना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, क्ण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2675, धगस्त, 1-979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्तम प्राधिकारी, सहायक मायकर मापुनत (निरीक्षण), मर्जन रेंज, लुधियाना

तारींख 15-4-1980 मोहर: प्रकप धाई० टी० एन० एस०----

आप्रमास्त्र अधिनियम, 1461 (1961 का 43) की अप्रदा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहावह स्रायकर पानुकत (निरोक्षण)

मर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना जुलिमाना, विजांक 15 भगेल 1980

निचैश सं० चण्डीनक्/190/79-80,--- ग्रतः मुझे, सुखदेव

कावकर व्यक्तिमनम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनयम' कहा गया है), की बारा 269-ख के व्यक्ति संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि ज़्ह्याइर सम्पन्ति, जिलका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से शिक्षक है

भौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 3072 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीकड़ में स्थित है (भौर इससे उपावद धनुसूत्री में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के बाधीब, खारीब बागस्त, 1979

को पूर्णीका कर्मां के जिस्त काकार मूल्य से कम के दृश्यमान क्रिकाल के जिस्स कन्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास कार्म कारक है कि यथापूर्वोक्त सम्वत्ति का उत्तिन वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिमत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाना कक मितकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में अध्यानिक कर से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत, उक्त म्रिय-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कीर/या
- (■) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रत या ग्रम्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधित्यम, या भ्रत-कर मिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रत्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ा, छिनाने में सुविधा के लिए;

ामक्ट ब्लाह, काल मिधिनियम, की धारा 269-ग के प्रतुसरण मैं, मैं, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-व की उत्रधारा (1) केप्रधीन, निस्नलिखित व्यक्तिमों, प्रयोत्:-- (1) मेजर मनमोहन सिंह पुत्र श्री कनवर सिंह निवासी मकान तं० 638/16—डी, चण्डीगढ़ द्वारा स्पैशल पानर आफ़ आटारनी श्रीमित सुन्दित क्रीर पत्नी सरदार ओग्रा सिंह, मकान नं० 3072/35—डी, चण्डीगढ़।

(भन्तरक)

(2) श्री श्रोगा बिह पुत्र श्री वरवाम बिह, क्विकेसी भाफ इण्डिया, रोम मारफत मिनीस्ट्री ग्राफ श्रोक्सट्रेरनल श्रफैयरज, नर्फ विल्ली-110011,

(बन्तरिती)

(3) श्री गुरमीत सिंह तथा श्रीमित सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री जोगा सिंह निवासी 3,072/35-डी॰, ककीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधानीन में सम्बक्ति है)।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोश्य सम्मित के महैत के लिए कार्मकाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कीई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशित की तादी के 45 विन की श्रविद्य या तास क्या की क्या की स्वाप्त की प्रविद्य की प्रविद्य की प्रविद्य की प्रविद्य की प्रविद्य की प्रविद्य की स्वाप्त होती हो, के भीतार कुर्वे की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाबन की तारीख के 45 दिन के भीतर उन्न स्थानर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्राच्छीकरण--इतनें प्रपुत्त शस्त्रों भीर पदों का, जो उत्त सकि-नियम, के भव्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं सर्वे होना जो उस भव्याय में दिया समा है।

# अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 3072, सेक्टर 35-डी, वण्डीमढ़ है (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती मधिकारी वज्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1106, भगस्त, 1979 में दर्ज है)।

सुक्षदेव चन्द्र, संक्रम प्राधिकारी, सहायक ग्रामकर पानुकत (निरीक्षक) प्रजैन रोंज, लुधियाना

तररी**ख : 15 भगै**ल, 1980 ।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/182/79-80'---'ग्रतः मुझे, सुखदेव 'चन्द,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परानात 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1559 है तथा जो सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, अण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका पम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य- उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रस्तुह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गम्म था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधक के शिक्ष्य;

अतः अध, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित :---

(1) विंग कमांडर एल० सी० स्टीफन पुत्र जे० स्टीफन, 11 शेख सराए, नई दिल्ली द्वारा उसकी जनरल श्राटारनी श्रीमती विमला स्टीफन (पानी) 11-शेख सराए, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(3) श्री खरैती लाल विज पुत्त स्वर्गीय श्री राम लुभाया विज जैसा, कर्ता श्राफ मैसर्ज खरैती लाल विज (एच० यू० एफ०) कम्पराईजिईंग श्राफश्री के० एल० विज पुत्त स्वर्गीय श्री राम लुभाया श्रीमती प्रेम विज (पत्नी) श्री श्रजय कुमार विज (पुत्र) श्री श्ररिवन्द कुमार विज (पुत्र) सारे वासी 270, सेक्टर 10— ए०, चण्डीगढ़।

(भन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इन सुचा के राजनत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामीन से 30 दिन की व्यविध, थी भी श्रवधि बाद में समाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साब्दीकरण:--इनमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही श्रयं होगा जो उन श्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

रिहायणी प्लाट नं० 1559 सेक्टर 36—डी, चण्डीगढ़। जो रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी घण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्यानं० 1063, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज अधियोना

तारीख: 15-4-1980 :

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

षारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मप्रैल 1980

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र 500 वर्ग गज है तथा जो जगवीश मार्ग, पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1808 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) ध्रधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, प्रथात्:——
19—66GI/80

(1) श्री तेजा सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह निवासी 1016/ 4, शेरांबाला गेट, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चान्द कृष्ण खोसला पुत्र श्री हिर कृष्ण खोसला, नजदीक सत नारायण मन्दिर, पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवदा किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरगः---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उत्तत श्रीधिनियम, के श्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय म दिया गया है।

# वमुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जो जगदीश मार्ग, पटियाला में स्थित है !

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं 3035, ग्रगस्त, 1979 में वर्ज है)।

> सखदेव चन्द, सक्षम प्राधकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज, लिधयाना

तारीख: 15 मप्रैल, 1980

# प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 भ्रप्रैल, 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० रिहायणी मकान नं० 681 है तथा जो सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितार्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) श्री जरनेल सिंह तथा सर्वे श्री हिर सिंह, श्रजमेर सिंह, जीत सिंह, करनेल सिंह पुत श्री दरब सिंह निवासी गांव पालाका, तहमील थानेसर जिला कुरुक्षेत्र ढारा श्री जरनेल सिंह पुत्र श्री दर्व सिंह जनरल ग्राटारनी, गांव पालाका, तहसील, थानेसर, जिला कुरुक्षेत्र । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती निर्मल कौर सोढी पत्नी श्री गुरदर्शन सिंह सोढीं निवासी मकान नं० 681 सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1 श्री लाल चन्द, 2. श्री विशन सिंह 3. हरनेक सिंह. 4. पुरुषोत्तम सिंह, 5. मंगल सिंह सारे मारफत मकान नं० 681, सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

> (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बीत्त को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त जिथिनयमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

रिहायणी मकान नं० 681, सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1047, ग्रगस्त 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रंज, लुधियाना

तारी**ख**ः 15 म्रप्रैल, 1980 ।

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/183/79-80--म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 3504 है तथा जो मेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सपित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां अधीत्:—— (ग्रन्तरक)

(2) श्री मलवन दीपक (माईनर) पुत्र श्री मन राज द्वारा उसके माता तथा नेचुरल गाडियन श्रीमित ग्रलवीना निवासी 3504 सेक्टर 35—डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

मकान नं० 3504, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1076, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, ग्राजन रेज, लुधियाना

तारीख: 15 मप्रैल, 1980।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

# ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 घप्रेल 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्गत जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 234 है तथा जो सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के पर्वान कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) श्री शमशेर सिंह पुत्र श्री फतेह सिंह द्वारा उसके जनरल झाटारनी श्री हजारा सिंह पुत्र श्री शमशेर सिंह तथा कुलवन्त सिंह पुत्र प्यारा सिंह निवासी गाँव गुद्धा, सहसील व जिला करनाल (हरियाणा)।
  (अन्तरक)
- (2) घी पंजाब खादी मण्डल, श्रादमपुर वोद्याबा, जिला जालन्धर द्वारा श्री जनार्दन प्रसाद, मेनेजर पंजाब खादी मण्डल, सेक्टर 22-डी, चण्डीगढ़। (शन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसुची

मकान नं ० 234, सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़। (जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं ० 1173, सितम्बर, 1979 में वर्ज है)।

> सुखावेत चन्त्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 **मंत्रैल**, 1980।

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०----

धायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भावुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 15 ग्रप्रैल, 1980

निवेश सं० पटियाला/248/79-80:----ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनि सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रूपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 12 बीगा 13 बीसवा है तथा जो गांव वाजीवपुर, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ब से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिष्ठक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और पनिरित्रों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निक्तियों निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्सरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए;

द्यतः, ग्रंब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोतः -- (1) श्री सावन सिंह पुत्र श्री कालू निवासी, ग वाजीदपुर, जिला पटियाला ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमित मुख्तियार कौर पत्नी श्री हरफूल सिंह, निवासी गांव जाफरपुर, तहसील पटियाला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्राथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 बीगा 13 बीसवा जो गांव वाजीवपुर तहसील पटियाला में स्थित है ग्रतः जो रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3107 ग्रगस्त, 1979 में दर्ज है।

> तुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रंज, लुधियाना

तारीखाः 15 भन्नेल, 1980।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एन० --

भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 भ्रप्रैल, 1980

निदेश सं० पटियाला/247/79—80:—श्रतः मुझे, सुखंदेव चन्द,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भवीम सक्षम माधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपए से मिधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 11 बीगा 3 बीसवा है तथा जो गांव वाजीदपुर, तहसील व जिला पंटियाला में स्थित है (भीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूध्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए प्रस्तिरत की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का वारण है कि यथापवीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों

  हो, जिन्ह भारतीय ग्रामकर ग्रीधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम या
  धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
  स्थिधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसर म में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अकीन निम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सावन सिंह पुत्र श्री कालू सिंह निवासी गांव वाजीदपुर, तहसील व जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित गिन्दो पत्नी श्री वन्त सिह निवासी जाफर-पुर, तहसील पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 बीगा 3 बीसया, गांव वाजीदपुर तहसील पटियाला। जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3106, ग्रगस्त, 1979 में दर्ज हैं।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 मंत्रैल, 1980।

प्ररूप आईं ० टी० एन० एस० ------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 म्रप्रैल 1980

निदेश मं० पटियाला/250/79-80--यतः मुझे, सुखदेव चन्व.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 11 बीगा 3 बीसवा है तथा जो गांव वाजीदपुरा, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इसमें जपायद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिक्षिणारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के जिलत बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का जिलत बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जब्दिय से जक्त अन्तरण लिखित में वास्तिशक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-**म की** उपधारा (1) के अधीन निस्निलि**स्त व्यक्तियों अर्धातः**—- (1) श्री सावन सिंह पुत्र श्री कालु सिंह निवासी गांव बाजीदपुर, तहमील पटियाला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वन्त सिंह पुत्र श्री सावन सिंह तथा श्री हरफूल सिंह पुत्र श्री सावन सिंह निवासी गांव अफ्फरपुर, तहसील पटियाला।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (का) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त इक्बों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

भूमि क्षेत्रफले 11 बीगा 3 बीसवा गांव वाजीदपुर, तहसील पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रेजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3170, ग्रमस्त, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, लिधयाना ।

तारी**ख ।** 15 श्रेप्रैल, 1980

भोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्र<mark>धीन सूच</mark>ना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निदेश सं॰ पटियाला/251/79-80:---ग्रतः मुझे, सुखदेय पन्द.

शायकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम श्रिष्टिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिष्टिक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 11 बीगा 3 बीसवा है तथा जो गांव वाजीदपुर, तहसील व जिला पटियायाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त, 1979

को बूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, प्रचीत्:— (1) श्री सावन सिंह पुत्र श्री कालू निवासी गांव वाजीद पुर, तहसील, पटियाला।

(धन्तरक)

(2) श्री वन्त सिंह, हरफूल सिंह पुत्र श्री सावन सिंह निधासी गांव जाफरपुर, तहसील पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इनमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रमें होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 बीघा 3 बीसवा जो गांव वाजीवपुर तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या सं० 3171 श्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेय चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 **भ**न्नेल, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 म्राप्रैल 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 866 वर्ग गज है तथा जो प्रीतमपुरी, गोखेवाल रोड़, लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भ्रगस्त, 1979

का पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई हैं और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी झाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः----20—66GI/80 (1) श्री जुगल किशोर पुत्र श्री मिलखी राम निवासी मकान नं० बी-III-986, डिवीजन नं० 4 घाटी गजरां. लक्षियाना।

(म्रन्तरक)

(2) श्री रामेश कुमार पुत्र श्री मेहर चन्द 18, बल्लभ नगर, शिवपुरी लुधियाना श्री कौशल कुमार पुत्र श्री मुनि लाल 6 बल्लभ नगर , शिवपुरी, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 866 वर्ग गज प्रीतमपुरी , गेखेवाल, लुधियाना जो रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2559, भ्रगस्त, 1979 में वर्ज हैं ।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लिधियाना

तारीख: 15 भ्रप्रेल, 1980

प्ररूप धाई∙ डी∙ एत∗ एस∙——---

मायकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) कं मधीन सूचना

# मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1980

निदेश सं० लुधियाना/309/79-80:--- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द. आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पण्यात् 'उक्त मिल्रियम' कहा गया को घारा 269 खाके अध न सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 23,000/- रु० से अधिक है म्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 560 वर्ग गज है तथा जो प्रीतम नगर, सेखेबाल रोड़, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्स सम्बक्ति के डांगा शाबार शुरूप सकम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे उह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापुर्वोत्त मन्पत्तिका असित शाजार मत्य, अक्षके दृश्यमात प्रतिकत से, ऐत दुत्यतान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशन से प्रधिक है, घीर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐमे अन्तरण क निए तय पाया गमा प्रतिकल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उन्त अन्तरण

(क) मन्तरन से हुई किसी जार का बावत; उत्तर भित्र-निरम, के मन्नोत कर देने के मन्तरक कंदाबित्य में कमी करने या जन्नने बचने में पुर्विचा के निए; और/या

लिखित में बास्तविक कर ने कवित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी कियी बाय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्नियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर लिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया खाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नशः धन उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की घारा 269-व की उपन्नारा (1) के अधीन, निम्निसिंत व्यक्तियों, कर्णादा :--- (1) श्रीमित पद्मा जैन पुत्री श्री राम लाल (पत्नी श्री जुगल किशोर) निवासी, श्री—III—986, डिनीजन नं० 4, घाटी गुजरां, सुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामेश कुमार पुत्न श्री मेहर चन्द निवासी 18 बल्लभ नगर, शिवपुरी, लुधियाना । 2 कौशल कुमार पुत्न श्री मुनि लाल 6-बल्लभ नगर, शिव पुरी, लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्र गा जारी करके पूर्वोक्त सम्बत्ति क सर्वेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भवंत के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप :---

- (क) इस मूचना के राज्याल में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की प्रविध्या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरतः :---इसमें प्रयुक्त शन्दां घोर पदों का, जो जक्त धिधिनियम, के घन्याय 20-क में परिचालित है, बही सर्व होगा जो उस धन्याय में दिया गया है।

# **प्रनु**सुची

भूमि क्षेत्रफल 560 वर्ग गज, प्रीतम नगर, सेखेवाल, लुधि-याना, जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संग्या 2558, घ्रगस्त, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 भ्रप्रैल, 1980।

मोहरः

प्रकप बाई० टी • एन० एस • -----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के प्रधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मा**युक्**त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रष्टमदाबाद, दिनांक 11 श्रश्रैल, 1980

सं० पी० ध्रार०नं० 1009/ऐ० सी०क्यू० 23-1/79-80— धतः मुझे एस० सी० परीख धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका सिधिनियम' कहा गया है),

्राजित क्षेत्र क्रिक प्रचात् उपा वावानयम् कहा गया हः), की घारा 269-काक ग्रधोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० बंगलो है तथा जो सोनगढ़, (तह. शाहोर) जि० भावनगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय शाहोर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 6-9-1979

को पूर्वीयत संपत्ति के उणित बाजार मृहंय से कम के दृश्यमान प्रति-फन के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यनान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिका से अधिक है और प्रग्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितिया) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत अक्स अधिनियम' के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविशा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मधुकर र्च.म⊼लाल ाह 82, नीलम्बर, VIII मंजला, पेडर रोड नं० 37, बोम्बे-100-026

(ग्रन्तरक)

 श्री मामलावेन, जयनारायण राय जबेरी श्रौर दूसरे शांताफुटेरि, 215 मशीन ड्राइप, बोम्बे-20

(भन्तिरती)

को यद म्चना जारो करके पूर्वोक्त सन्तरित के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूत्रना के राजपद्भ में प्रकाणन की नारेख में 45 दिन की भविधि या तत्मवधी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में कि बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पर्स का, जो उक्त अधिनियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

# अनसची

जमीन श्रौर मकान 7113 स्ववायर वार्डस है जो सोनागढ़ में स्थित है श्रौर रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय साहोर में नं० 738 से दिनांक 6-9-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 11-4-1980

मोहर

# SUPREME COURT OF INDIA

# New Delhi, the 22nd April 1980

No. F. 6/80-SCA(I).—Shri D. R. Nangpal who was officiating as Section Officer reverts to his substantive post of Assistant with effect from the forenoon of April 21, 1980.

MAHESH PRASAD, Dy. Registrar (Admn.)

# New Delhi, the 22nd April 1980

No. F.6/80-SCA(I).—The Honble the Chief Justice of India has ordered that Shri G. C. Lohani, Assistant be promoted and appointed to Officiate as Section Officer with effect from the forenoon of April 21, 1980, until further orders.

B. M. CHANDWANI, Assistant Registrar (Admn.)

#### ENFORCEMENT DIRECTORATE

# FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 31st March 1980

No. A-11/1/80.—Shri D. K. Kayal, Asstt. Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Calcutta zonal office is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Jaipur Field Unit of this Directorate w.c.f. 12-3-80 (FN) and until further orders.

D. C. MANDAL, Dy. Director (Admn).

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-1, the 29th April 1980

No. F. 2/6/80-ESTT(CRPF)(PERS IV).—On relief by Shri S. Tandon, Shri P. R. Rajgopal, IPS (MP: 1948) relinquished charge of the post of D.G., CRPF on the afternoon of 1st March, 1980.

No. F. 2/6/80-ESTT(CRPF) (PERS IV).—The President is pleased to appoint Shri S. Tandon, IPS (UP: 1944), D. G. BSF, to hold additional charge of the post of D.G. CRPF w.e.f. the afternoon of 1st March, 1980, until further orders.

NARENDRA PRASAD, Director

# (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd April 1980

No. A-19035/1/80.Ad-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri K. Bose, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation to officiate as Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 10th March, 1980 and until further orders.

Q. L. GROVER
Administrative Officer(E)
Central Bureau of Investigation

# DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 23rd April 1980

No. O.II.1443/79-ESTT.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Raj Singh as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of 6-3-1980 for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

# The 24th April 1980

No. P.VII-6/77-ESTT.Vol.II.—The President is pleased to appoint on promotion Subedar Gurmukh Singh of CRPF to the rank of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post in 13 Bn on 22-3-80 (F.N.).

# The 28th April 1980

No. O.II.1343/77-ESTT.—The President is pleased to terminate the services of Shri Janardhan Pandit Rao Garge, Dy. S.P. of 5th Bn., CRPF w.e.f. the afternoon of 3-11-79 on expiry of one month's notice under rule 5(1) of the CCS (TS) Rules, 1965.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Admn.)

# OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 25th April 1980

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On his appointment in the Delhi Police, Shri A. K. Singh, IPS (UT:64) relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, VPT, Visakhapatnam with effect from the afternoon of 19th March, 1980.

No. E-38013(3) /11/ 79-Pers.—On transfer from Haldia, Shri S. C. Jana assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BCCL, Jharia w.e.f. the forenoon of 31st March, 1980.

Sd. ILLEGIBLE Inspector General

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 22nd April 1980

No. 11/119/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Sharma, an officer belonging to the Arunachal Pradesh Statistical Service as Assistant Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 3rd April, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sharma will be at Shillong.

The 23rd April 1980

No. P/P/(35)-Ad.L.—In continuation of this Office notification of even number dated 6-8-1979, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri K. N. Pant, Hindi Translator in the Secretariat at Election Commission of India, as Hindi Officer in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation upto 30th June, 1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions.

The headquarters of Shri Pant will be at New Delhi.

No. 11/1/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. Bhaskaran Nair, an officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census operations, Kerala, Trivandrum, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 17th March, 1980, until further orders.

The Headquarter of Shri P. Bhaskaran Nair will be at Kottayam.

No. 11/1/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Muhammad, an Officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations Kerala, Trivandrum, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 19th March, 1980, until further orders.

The Headquarter of Shri Muhammad will be at Calicut.

### The 28th April 1980

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. Satyanarayana, Assistant Director of Census operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely tempo-

rary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 3rd April, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Satyanarayana will be at Hyderabad.

The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri B. Satyanarayana any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Kalla Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31st March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri H. L. Kalla will be at Srinagar.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shii H. L. Kalla any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Biswas, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad koc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 27 March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri A. K. Biswas will be at New Delhi.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri A. K. Biswas any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. B. Singh, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis for a period of one year with effect from the forenoon of 30 March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri R. B. Singh will be at Patna.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri R. B. Singh any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned all hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Swain, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Orissa, Cuttack, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc

basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31 March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri S. K. Swain will be at Cuttack.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri S. K. Swain any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri C. D. Bhatt, Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the afternoon of 28 March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri C. D. Bhatt will be at Simla.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri C. D. Bhatt any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for chighlity for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. N. Mahesh, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 29th March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Mahesh will be at Jaipur.

The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri D. N Mahesh any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. P. Rustagi, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya, Shillong, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31st March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri V. P. Rustagi will be at Shillong.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri V. P. Rustagi any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. Pyrtuh, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Assam, Gauhati, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31 March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri A. Pyrtuh, will be at Gauhati.

- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri A. Pyttuh any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services tendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.
- No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Tomar, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Funjab, Chand-gauh, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31 March, 1980, o till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.
  - 2. The headquarters of Shri Tomar will be at Chandigarh.
- 3. The above-mentioned ad koc appointment will not bestow upon Shri R. P. Tomar any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any rea on therefor.
- No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. P. Khobragade, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the effice of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 1 April, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.
- 2. The headquarters of Shri D. P. Khobragade will be at Bombay.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri D. P. Khobragade any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.
- No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleated to appoint Shri R. K. Singh, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Punjab Chandigath, as Deputy Director of Census Operations, in the same office on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31 March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.
  - 2. The headquarters of Shri Singh will be at Chandigarh,
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri R, K. Singh any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.
- No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Panchapakesan, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 3rd April, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shii Panchapakesan will be at Madras.

The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri M. Panchapakesan any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count

- for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the nex; higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.
- No. 11/102/79-Ad.L.—The President is plca3cd to appoint Shri S. P. Sharma, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Andanian & Nicobar Islands, Port Blair, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the afternoon of 1 April, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.
- 2. The headquarters of Shri S. P. Sharma will be at Port Blair.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri S. P. Sharma any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.
- No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shii S. C. Saxena, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hor basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 27 March 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.
- 2. The headquarters of Shri S. C. Saxena will be at New Delhi.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri S. C. Saxena any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.
- No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Nagappan, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Director of Census Operations, Fondicherry, Pondicherry, as Deputy Director of Consus Operations, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31 March 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever, period is shorter.
- 2. The headquarters of Shri Nagappan will be at Pondicherry.
- 3. The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri M. Nagappan any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor,
- No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Ajit Singh, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31st March 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Ajit Singh will be at Lucknow.

The above-mentioned ad hoc appointment will not bestow upon Shri Ajit Singh any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy

Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason there-

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Ram Singh, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31st March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Ram Singh will be at Bhopal.

The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Ram Singh any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the part bicker grade. The above mentioned ad-hoc suppointment next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

> P. PADMANABHA Registrar General

# MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF FCONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 15th April 1980

No. 7(48) /789.—Shri G. R. Bilgotra, Office Superintendent is promoted as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. 15-4-80 (F.N.) on ad-hoc basis for the period up to 28-2-81 or till regular appointment thereto is made, whichever is earlier.

No. 7(49) /790 - Shri K N. Domble, Store Keeper is promoted as Stores Officer (Group B' Gazetted) in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. 15-4-1980 (FN) on ad-hoc basis for the period up to 28-2-1981 or till regular appointment thereto is made whichever is earlier.

> S. R. PATHAK General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKS & MISCELLANEOUS

New Delhi, the 24th April 1980

No. ADMN.I/O.O. NO./6.—The Director of Audit C.W&M, New Delhi has ordered the Promotion of the following Section Officers (Audit) as temporary Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from the dates indicated against each :-

Sl. No. Name

Date from which promoted

S/Shri

- 1. K. R. Govindarajan-10-3-1980 (A.N.).
- 2. J. C. Goel-20-3-1980 (A.N.).
- 3. A. C. Shahi-25-3-1980 (F.N.).

Α. ΤΗΑΡΛΝ Deputy Director of Audit (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL. ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad, the 26th April 1980

No. Admn.I/8-132/80-81/38—The Accountant Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Janardhana Rao II a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-4-80 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/80-81/38.—The Accountant Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri Ramasubramaniam permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs, 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 18-4-80 AN until further orders.

The promotion ordered is without projudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/80-81/38.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri Swarna Stinivasa Rao I permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh. Hyderabad, to efficiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 18-4-80 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

R. HARIHARAN

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

# MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE) OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 24th April 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/1329/80-Admn.(G)/2362.—The President is pleased to appoint Shri Abnashi Lall, a permanent Grade 'C' Steno-grapher of the CSSS as Stenographer Grade 'B' of that service in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of the 26th March, 1980 until further orders.

> P. C. BHATNAGAR Dy Chief Controller of Imports and Exports
> For Chief Controller of Imports and Exports

# OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 25th October 1979

# CANCELLATION ORDER

Adv/Lic/45/AM-79/EPVI/CI A/2639.-M/s. No. File Paxma Alex and Springs Pvt. Ltd., 53, Industrial Area, Najafgarh Road New Delhi were granted an Advance licence No. P/L/2863327/c, dated 16-1-1979 for Rs. 7,85,000/- for the import of Stainless Steel Strips of 24/26/28 SWG. They have reported that Exchange Purposes copy of the licence has been lost without having been registered with any customs authority and utilised at all.

- 2. The applicant firm has filed an affidavit in support of the above statement as required under Paras 333 to 335 of Hand Rook of Import Export Procedure, 1979-80 I am satisfied that the original Exchange Purposes copy of the above said licence has been lost.
- 3. In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended, I order the cancellation of the original Exchange Purposes copy of the said licence.
- 4. The applicant's case will now be considered for the issue of dunlicate licence (Exchange Purposes copy) in accordance with the Paras 333 to 335 of Hand Book of Import and Export Procedure, 1979-80.

M/s. Paxma Axle and Springs, Pvt. Itd., 53. Industrial Area, Najafoarh Road, New Dalhi

S. BAI AKRISHNA PILLAL Dv. Chief Controller of Imports and Exports For It. Chief Controller of Imports and Exports

### MINISTRY OF INDUSTRY

# (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

# OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 26th April 1980

No. CER/3/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969, namely:—

#### In the sald Notification:

(1) In paragraph IIA and IIB, after the words "Controlled Saree' wherever they occur, the following words shall be added.

"Packed in singles or in pairs,"

(2) In paragraph IIC and IID, after the words "Controlled saree packed" wherever they occur, the following words shal be added.

"in singles or in pairs,"

M. W. CHEMBURKAR Joint Textile Commissioner

# DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS & FATS

# (DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES)

New Delhi-110019, the 25th April 1980

No. A.11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated 18-10-79, the ad-hoc appointment of Shri P. S. Rawat, Officiating Senior Hindi Translator in the Department of Civil Supplies, as Hindi Officer, has been continued in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay of Rs. 650-30-740 35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on purely temporary and ad-hoc basis w.e.f. 1st March, 1980 to 31st August, 1980 or till the regular incumbent is appointed, whichever is earlier.

A. K. AGARWAL Chief Director

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 14th April 1980

No. A-17011/176/80-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Samir Kumar Mukherjee, Examiner of Stores (Engg) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 14th March, 1980 and until further orders.

# The 21st April 1980

No. A-6/247(355).II.—The President has been pleased to appoint Shri K. S. K. Raman. Asstt. Inspecting Officer (Met) at Bhilai under the Director of Inspection (Met), Iamshedgur to officiate as Asstt. Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Met Branch) on adhoc basis in the office of Director of Inspection (Met) Iamshedpur w.e.f. 28-3-1980 (FN) and until further orders.

Shri Raman relinquished the charge of the post of AIO (Met) at Bhilai on 27-3-1980 (AN) and assumed charge of the post of ADI (Met) in the office of Director of Inspection (Met), Jamshedpur on 28-3-1980 (FN).

P. D. SETH
Dv. Director (Admn.)
For Director General of Supplies & Disposals

# MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 22nd April 1980

No. A. 19011(26)/70-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri H. Anantha Ramaiah, Suptdg. Mining Geologist on ad-hoc basis to the post of Suptdg. Mining Geologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27-3-80 until further orders.

### The 26th April 1980

No. A. 19012(27)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri M. Gunesh, permanent Senior Technical Assistant (Min. Engg.), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Engineer in this department in Group 'B' post with effect from the foreneon of 16th April, 1980, until further orders.

### The 28th April 1980

No. A-19012(108)/78-Estt. A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Shri A. S. Bhalla, Senior Technical Assistant (Stat.) is promoted to the post of Mineral Officer (Stat.) in Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 5th April, 1980 until further orders.

No. A. 19012(129)/80-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri A. S. Bhale-1ao, Permanent Senior Technical Assistant (Min. Engg.), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Engineer in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 11th April, 80, until further orders.

S. V. ALI Head of Office

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 23rd April 1980

No. A. 12025/2/80-Admn. I.—Director, Publications Division hereby appoints Shri B. C. Mandal, a permanent Production Assistant as Artist in the Publications Division in an officiating capacity, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on adhoc basis with effect from the forenoon of 1st March, 1980 until further orders vice Shri B. D. Sharma, formerly Artist, who retired from Govt. Service with effect from 29-2-80.

2. This ad-hoc appointment shall not bestow upon Shri Mandal a claim for regular appointment in the grade of Artist. This service will also not count for purposes of seniority in that grade.

J. C. DANGWAL Deputy Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd April 1980

No A. 12025/31/78(AIIHPH) Admn, I.—The President is pleased to appoint Dr. S. R. Datta to the post of Assistant Professor of Physiological and Industrial Hygiene at the All India Institute of Hygine and Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of the 14th March, 1980 on a temporary basis and until further orders.

No. A. 32014/7/78(SJH) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Dalip Singh, Assistant (Grade IV of the C.S.S. belonging to the cadre of the Ministry of Health & F.W. to the post of Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 5th April, 1980 and until further orders,

Consequent on the appointment of Shri Dalip Singh, to the post of Assistant Administrative Officer, Shri H. I. Dhamija, relinquished charge of the post of Assistant Administrative Officer at the same Hospital with effect from the forenoon of the 5th April, 1980.

### The 24th April 1980

No. 17-17/74-Admn.f.(Part).—On return from deputation with the Govt, of Mouritius Dr. S. R. Mehta assumed charge of the post of Health Education Officer (Field Study Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services. New Delhi on the afternoon of 5th April, 1980.

# The 28th April 1980

No. A. 19019/47/77(RHTC) Admn.I.—In pursuance of the proviso to Sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, the President is pleased to terminate the services of Shri Mohd. Ikram, Assistant Public Health, Engineer, Rural Health Training Centre, Naiafgarh, with effect from the afternoon of the 7th December, 1979.

No. A. 32014/3/77(JIP)/Admn. I.—Consequent on his appointment as Assistant Professor of Biochemistry and Nutrition at the All India Institute of Hygiene and Public Health. Calcutta, Shri G. Rejagopal relinquished charge of the post of Scientific Officer-cum-Tutor at Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 1st February, 1980.

S. L. KUTHIAI A Deputy Director Administration (O&M)

# New Delhi, the 24th April 1980

No. 6-52/79-DC.—After completion of WHO Fellowship Programme and return from abroad, Dr. A. C. Das Gupta assumed the charge of the post of Associate Pharmaceutical Chemist w.e.f. the fore-moon of 1st April, 1980.

SANGAT SINGH Deputy Director Administration

# MINISTRY OF COMMUNICATION OFFICE OF THE DEPUTY DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL)

# Bhopal, the 23rd April 1980 NOTICE

No. Admn/Disc. Case/MLN/213.—The undersigned proposes to hold an inquiry against Shri M. L. Nandwani, L.D.C. of this office under Rule 14 of C.C.S. (C.C.A.) Rules 1965 for violations of the previsions of Rule 3(1) of C.C.S. (Conduct) Rules 1964.

- 2. Shri M. L. Nandwani is directed to appear in person before the undersigned within 10 days of the publication of this notice in the gazette to receive the statements of articles of charge and of the imputations of misconduct or misbehaviour in support of each of the article of charge and also the list of documents by which the articles of charge are proposed to be sustained.
- 3. ShrI M. L. Nandwani is further informed that if he does not appear in person before the date specified in para 2 above, the inquiring authority may hold the inquiry against him exparte.

M. R NARAYANAN Deputy Director

# MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRFCTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 23rd April 1980

No. A 19023/12/79-A-III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri R. K. S. Pillay who is working as Marketing Officer (Group II) on *ad-hoc* basis, is appointed to officiate as 21—66GI/80

Marketing Officer (Group II) in this Directorate on regular basis at Madras with effect from 29-2-80 (F.N.), until further orders.

- No. A. 19023/2/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri H. K. Bismitar, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi in the forenoon of 26-3-80, until further orders.
- 2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Bismitar relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Bombay in the afternoon of 24-3-80.

No. A. 19025/17/80-A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B). Shri K. Satya Rao, Senior Inspector has been appointed to officiete as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Guntur with effect from 26-3-80 (FN), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
For Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 20th March 1980

No. Ref. 5/1/80-Estt,II/1082.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri A. K. Katre, Assistant to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period from 1-2-1980 (FN) to 7-3-1980 (AN).

#### The 28th March 1980

No. Ref. 5/1/80-Estt.II/1193.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri L. B. Gawde, Assistant to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period from 26-11-1979 FN to 2-1-1980 AN.

#### The 7th April 1980

No. Ref. 5/1/80-Estt. II/1291.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri S. R. Pinge, Selection Grade Clerk to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period from 4-2-1980 (FN) to 28-3-1980 (AN).

Kum. H. B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 5th April 1980

No. DPS/21/1(2) /78-Est./5388.—The Director, Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic Energy, appoints Shri Janardan Tukaram Nerurkar, a permanent Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in becale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forencon of April 2, 1980 in the same Directorate until further orders.

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/5415.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Suraj Parkash Anand, a quasi-permanent Store-keeper and officiating Assistant Stores Officer, in a substantive capacity against the permanent post of Assistant Stores Officer in the pame Directorate with effect from January 25, 1980.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

# NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 20th August 1979

No. PAR/0705/3726.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri C. R. Prabhakaran, Asstt. Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer, on ad-hoc basis

in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 16-8-1979 to 25-9-1979, vide Shri B. Danaiah, Asst. Accounts Officer, proceeded on leave.

#### The 29th August 1979

- No. Ref. PAR/0702/3750.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri P. S. Sreedharan, a temporary Scientific Assistant 'C' to officiate as SO/Engineer (SB) in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 10-8-1979 FN, until further orders.
- No. PAR/0702/3751.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri S. Patra, a permanent Scientific Assistant 'C' to officiate as SO/Engineer (SB) in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 10-8-1979 FN, until further orders.
- Ref. No. PAR/0702/3752.—Chief Executive, Nuclear Fuel Comolex, appoints Shri A. G. K. Rao, a permanent Foreman to officiate as SO/Engineer (SB) in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 10-8-1979 FN, until further orders.
- Ref. No. PAR/0702/3753.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri K. M. Sreedharan, a permanent Scientific Assistant 'C' to officiate as SO/Engineer (SB) in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with office from 10-8-1979 FN, until further orders.
- No. PAR/0702/3754.—Chief Executive, Nuclear Fuel complex, sepoints Shri S. Rama Murthy, a temporary Foreman to officiate as SO/Engineer (SB) in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 10-8-1979 FN, until further orders.
- No. PAR/0702/3755.—Chief Executive. Nuclear Fuel Complex, appoints Shri M. Venkatesan, a temporary Scientific Assistant 'C' to officiate as SO/Engineer (SB) in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Comolex, Hyderabad, with effect from 10-8-1979 FN, until further orders.
- No PAR/0702/3756.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri R. Gopala Rao, a temporary Scientific Assistant 'C' to officiate as S/Engineer (SB) in a temporary canacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 10-8-1979 FN, until further orders.
- Ref. No. PAR/0702/3757.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri M. Nageswaraiah, a permanent Scientific Assistant 'C' to officiate as SO/Engineer (SB) in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 10-8-1979 FN, until further orders.
- Ref. No. PAR/0702/2758.—Chief Fxecutive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri C. S. Rama Rao, a temporary Scientific Assistant 'C' to officiate as SO/Fngineer (SB) in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 10-8-1979 FN, until further orders,
- Ref. No. PAR/0702/3759—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri N. Kameshwara Rao. a temporary Scientific Assistant 'C' to officiate as SO/Engineer (SB) in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 10-8-1979 FN, until further orders.

# The 5th November 1979

No. NFC: PAR: 0705/5254.—The Chief Eexecutive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shrl S. Rangaragan. Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officers, on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 14-11-1979 to 17-12-1979, vice Shri V. V. Rao, Asst. Accounts Officer, promoted as Accounts Officer II.

### The 19th December 1979

No. NFC: PAR: 0705/5484.—The Chief Eexecutive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri V. Venkateswara Rao, Assistant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 14-11-1979 to 17-12-1979, vice Shri G. B. K. Rao, Accounts Officer-II, proceeded on leave.

U. VASUDEVA RAO Administrative Officer

### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 28th April 1980

No. RAPP/Rectt./9(8)/80/S/775.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri Sadashiv Pandit, Section Officer (Accounts) Office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur as Assistant Accounted Officer (Rs. 650—960) in the Rajasthan Atomic Power Project on the usual deputation terms with effect from 10th March, 1980 (FN) for a period of one year or until further orders.

GOPAL SINGH Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 23rd April 1980

No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Surva Narayan Mali as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 31, 1980 until further orders.

- No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. Ramesh as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1980 until further orders.
- No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Fnergy, hereby appoints Shri Vasudevan Rajagonalan, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1980 until further orders.
- No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division Denartment of Atomic Energy, hereby appoints Shri Mahendra Kumar Khare as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1980 until further orders.
- No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy, hereby appoints Shrl Pramod Kumar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1980 until further orders.
- No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Ramamurthi Sreedhar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division In a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1980 until further orders.
- No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division Denartment of Atomic Energy, hereby appoints Shri Podapati Subba Naidu as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary canacity with effect from the afternoon of April 1, 1980 until further orders.
- No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri K. Venu Gonala Krishna as Scientific Officer/Engineer Grade 'SR' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the foreneon of April 8, 1980 until further orders.

M. S. RAO, Sr. Administrative & Accounts Officer

# TARAPUR ATOMIC POWER STATION

P.O. Tapp. (401504) the 23rd April 1980

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superint-indent, Taranur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri P. Ganacathy, a permanent Personal Assistant as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis in the Tarapur

Atomic Power Station with effect from the forenoon of April 22, 1980 and upto May 24, 1980, vice Shri K. Balakiishnan, Assit. Personnel Officer proceeded on leave.

A. D. DESAL Chief Administrative Officer

# REACTOR RESEARCH CENTRE Kalpakkam, the 19th April 1980 MEMORANDUM

No. RRC/PF/2/6/72/5/4.—The undersigned proposes to hold an inquiry against Shit D. Syed Ghouse, 50/SB, RRC, under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appear) Rules, 1905. The substance of the imputation of misconduct or mischaviour in respect of which the inquiry is proposed to be held is set out in the enclosed statement of articles of charge (Annexure 1). A statement of the imputations of misconduct or misbehaviour in support of each article of charge is enclosed (Annexure II). A list of documents by which the articles of charge are proposed to be sustained is also enclosed (Annexure III).

- 2. Shri Syed Ghouse is directed to submit within 10 days of the receipt of this Memorandum a written statement of his defence and also to state whether he desires to be heard in person.
- 3. He is informed that an inquiry will be held only in respect of those articles of charge as are not admitted. He should, therefore, specifically admit or deny each article of charge.
- 4. Shri Syed Ghouse is further informed that if he does not submit his written statement of defence on or before the date specified in para 2 above, or does not appear in person before the inquiring authority or otherwise fails or retuses to comply with the provisions of Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 or the orders/directions issued in pursuance of the said Rule, the inquiring authority may hold the inquiry against him ex-parte.
- 5. Attention of Shi Syed Chouse is invited to Rule 20 of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964 under which no Government servant shall bring or attempt to bring any political or outside influence to bear upon any superior authority to further his interests in respect of matters pertaining to his service under the Government. If any representation is received on his behalf from another person in respect of any matter dealt with in these proceedings, it will be presumed that Shri Syed Ghouse is aware of such a representation and that it has been made at his instance and action will be taken against him for violation of Rule 20 of the C.C.S. (Conduct) Rules, 1964.
  - 6. The receipt of this Memorandum may be acknowledged.

N. SRINIVASAN.
Project Director

То

Shri D. Syed Ghouse, Mel Edayalam & Post, Gingee Taluk, South Arcot District.

ANNEXURE I

Statement of articles of charges framed against Shri D. Syed Ghouse, SO/SB, RRC

# ARTICLE I

Shri D. Syed Ghouse, while functioning as Scientific Officer/Engineer SB in the Reactor Research Centre, Kalpakkam, was granted earned leave for 55 days from 9-7-79 to 1-9-79 on personal grounds. Subsequently he overstayed the leave unauthorisedly.

Shri Syed Ghouse by his above act exhibited lack of devotion to duty and conducted himself in a manner unbecoming of a Government servant thereby violaiting rule 3(ii) & (iii) of the CCS (Conduit) Rules, 1964.

# ARTICLE II

Shri D. Syed Ghouse, while functioning as aforesaid left the country without permission after absenting himself from duty.

Shri Syed Ghouse by his above act exhibited lack of devotion to duty and conducted himself in a manner unbecoming of a Government servant thereby violating rule 3 (ii) & (iii) of the CCS (Conduct) Rules, 1964.

ANNEXURE II

Statement of imputations of misconduct or misbehavour in support of the articles of charge framed against Shri D. Syed Ghouse, Scientific Officer/Engineer SB, RRC.

# ARITCLE I

Shii D. Syed Ghouse, while functioning as Scientific Officer/ Engineer SB in the Reactor Research Centre, was granted ceeded to Dubai without taking necessary permission from understanding that he would return to duty on the expiry of the sanctioned leave. However, he extended the leave by requesting for grant of further leave for a period of six months from 2-9-79 which was not granted by the competent authority. Without further returning to duty, he submitted his resignation on 10-10-79 with a request for immediate relief. Shri Ghouse was also intimated vide this office letter No. RRC/PF/2763 72/16207 dated October 18, 1979 that his resignation was not being accepted and he had to return to duty and then to give three months' notice for acceptance of resignation.

#### ARTICLE II

Shii D. Syed Ghouse, while functioning as aforesaid proceeded to Dubai without taking necessary permission from the competent authority in the RRC. In fact he did not even intimate the office of his trip to Dubai. The fact of his having left for Dubai had to be ascertained by the Office after a good deal of investigation work through the postal authorities concerned.

ANNEXURE III

List of documents by which the articles of charge framed against Shri D. Syed Ghouse, SO/SB are proposed to be sustained

- Leave application dated 28-5-79 from Shri D. Syed Ghouse, SO/SB for 55 days EL from 9-7-79 to 1-9-79.
- 2. Letter dated 1-9-79 from Shri Ghouse seeking extension of leave upto 6 months due to ill-health.
- A note No. RRC/PF/276/72-14441 dated September
   '79 to Shri Syed Ghouse at Mel Edayalam Post, Gingee Taluk.
- Letter No. B1/SP/DLGS dated 20-9-79 from Sr. Superintendent of Post Offices, Pondicherry.
- Letter dated 21-9-79 from Shri Syed Ghouse enclosing medical certificate.
- Letter of resignation dated 10-10-79 from Shri Syed Ghouse.
- Letter No. RRC/PF/276/72/16207 dated October 18, 1979 to Shri Ghouse directing him to report for duty and give three months' notice since he is quasi-permanent employee.

# DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 18th April 1980

No. EST/CA/7067.—The Director, Space Applications Centre is pleased to appoint Shri Prafulchandra Bhagvatiprasad Dave as Engineer SB (Mechanical) in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of 14th March 1980 for a period upto 30th June 1980.

M. P. R. PANIKAR, Administrative Officer

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd April 1980

No. A-32013/13/79-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri H. B. Singh, Director, Aircraft Inspection, Civil Aviation Department on transfer as Director, Air Safety, in the same Department w.e.f. 17th March, 1980.

C. K. VATSA Asstt. Director of Adm. for Dir.

#### New Delhi, the 22nd April 1980

No. A-32013/8/76-E.I.—The President is pleased to appoint Shri B. Hajra, to the post of Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, on ad-hoc basis, for a further period of four months beyond 31-12-79 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A-32013/8/76-E.I. dated 10th May,

C. K. VATSA Asstt, Director of Admn.

# New Delhi, the 21st April 1980

No. A-32013/17/78-EA.—The President has been pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of the following Officers to the grade of Aerodrome Officer upto the 30th April, 1980 or till the posts are filled on regular basis, whichever is carlier.

S. No. Name and Station

Shri G. S. Kalsi—Leh.
 Shri A. T. Richard—Madras Airport.
 Shri Rajinder Pal Singh—Bombay Airport.
 Shri Arul Anand—Tirupathi.
 Shri H. R. Joshi—Bombay Airport.
 Shri C. M. Kothiath—Bombay Airport.
 Shri S. C. Kuria—Begumpet.
 Shri M. S. Gosain, Delhi Airport Palam.

8. Shri M. S. Gosain—Delhi Airport, Palam.

V. V. JOHRI. Deputy Director of Administration

# New Delhi, the 21st April 1980

No. A-32012/3/78-ES.-The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. C. Mondal, Superintendent, in the office of the Regional Director Calcuttin Region, as Administrative Officer (Group B' post) on regular basis with effect from the forenoon of the 31st March, 1980 and until further orders in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras.

# The 28th April 1980

No. A-40012/1/80-ES.—Shri M. R. Gopalakrishna, Senior Aircraft Inspector (on deputation to I.C.A.O.) retired from Government service under FR 56(k) on the afternoon of 13th January, 1980.

> N. A. P. SWAMY, Assistant Director of Administration

# OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

### Bombay, the 19th April 1980

No. 1/236/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. Swaminathan, Perm. Asstt. Admn. Officer, Bombay Branch as Administrative Officer, in an officiating capacity, in the Hq. Office, Bombay for the period from 16-1-80 to 1-3-80 (both days inclusive) against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

> H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Admn.) for Director General

# VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 22nd April 1980

No. 16/300/78-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to permit Shri S. S. Rawat, Assistant Registrar in the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, to retire from Govt. service with effect from 31-3-80 (AN) on attaining the age of superannuation.

> R. N. MOHANTY, Kul Sachiv,

### VANA ANUSANDHAN SANSTHAN ENAM MAHAVIDYALAYA

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay, the 21st April 1980

F. No. II/3E-6/80.—Shri V. G. Kolwankar, Supdt. Central Excise Gr. 'B' in Bombay-II Central Excise Collectorate has expired on 3-12-1979.

F. No. 11/3E-6/80.—The following Supdts. Grade 'B' in Bombay-II Central Excise Collectorate have retired on superannuation/voluntarily in the afternoon of the dates shown against their names.

S. No., Name and Date of Retirement

Shri R. N. Healchetty—31-7-1979.
 Shri M. D. Randive—31-8-1979.
 Shri K. Rameshchandran—31-10-1979.

4. Shri A.

4. Shri A. V. Bagve—31-10-1979. 5. Shri M. K. Shaikh—31-10-1979. 6. Shri R. S. Panjwani—31-10-1979 (voluntarily)

7. Shri H. B. Shahani-15-11-1979 (Voluntarily).

V. K. GUPTA

Collector of Central Excise, Bombay-II

# Nagpur, the 24th April 1980

No. 1/80.—Consequent upon his promotion as Assistant Collector, Central Excise and Customs, vide Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi's Order No. 29/80, issued under F. No. (illegible) dated 21-2-1980, Shri G. S. Ahuja, the then Superintendent of Central Excise, Group 'B' Division Ujjain in M.P. Collectorate has assumed charge of the office of the Assistant Collector (Prev.)/(Tech)/(Audit) and (Valuation), Central Excise Headquarters Office, Nagpur in the Forenoon of the 18th March, 1980 relieving Shri M. M. Shirazi, Assistant Collector of his charge. No. 1/80.—Consequent upon his promotion as Assistant

No. 2/80.—Shri M. M. Shirazi, the then Assistant Collector (Prev.)/(Tech)/(Audit) and (Valuation), Central Excise Headquarters Office, Nagpur has assumed charge of the office of the Assistant Collector (Hqrs.), Central Excise, Nagpur in the afternoon of the 12th March, 1980 relieving Shri K. S. Rao, Assistant Collector transferred to Hyderabad Collectorate.

> K. SANKARARAMAN Collector

# OFFICE OF THE FINANCIAL ADVISER & CHIEF ACCOUNTS OFFICER FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 26th January 1980

No. 112.—Shri Panchanan Des, Section Officer in the office of the Accountant General, West Bengal, Calcutta was appointed as Accounts Officer in the office of the Financial Adviser & Chief Accounts Officer, Farakka Barrage Project, Ferakka with effect from the afternoon of 24th November, 1979 in an officiating capacity on deputation basis until further orders.

> B. K. ROY Financial Adviser & Chief Accounts Officer

# CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION Pune 24, the 23rd April 1980

No. 602/9/80 Adm - Consequent on her selection by the No. 602/9/80 Adm—Consequent on her selection by the Union Public Service Commission, the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Smt A A. Moholkai to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Telecommunication) in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/ with effect from the forenoon of 10th April 1980 April, 1980.

Smt. A A. Mobolkar will be on probation for a period of two years with effect from the same date viz 10-4 1980.

M R GIDWANI Administrative Officer For Director

# CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 25th April 1980

No 27-G/R(6)/77-EC II—The President is pleased to accept the notice of voluntary tetirement of Shri N D Rajan, Chief Engineer (Civil), at present on leave to retire from Government service Accordingly Shri Rajan will retire from Government service in the afternoon of May, 1980.

#### The 26th April 1980

No 23/2/77 FC II—The following Officer of the Central PWD, on attaining the age of superannuation (58 years), have retired from Government service with effect from the date noted against each.

S No. Name and designation, Date of retirement and Last station of posting.

- Shri S B Bajpai, Superintending Fingineer (Civil), 29 2 1980 (AN)—Delhi Central Circle No. I, C P.W D, New Delhi. Shri S
- 2 Shri B. B Dutta Chowdhury, Executive Engineer (Civil), 29 2-1980 (A N )—Calcutta Central Circle No II, CPWD, Calcutta
- Shri J Mookerjee, Executive Engineer (Electrical), 31 3-1980 (AN)—Calcutta Central Flectrical Divi sion No I, CPWD, Calcutta
- Shri Kamta Prashad, Executive Ingineer (Civil), 31-3-1980 (AN)—'H Division, CPWD, New Delhı
- Shri K T Asnani, Executive Engineer (Civil), 31-3-1980 (AN)—Valuation Ceil, Income Tax Department, Rohit House, New Delhi.
- G. Gadgil, SW, attached to Delhi Central Circle No. VII, has retired from service with effect from 29-2 1980 (A.N.) on acceptance of his notice of voluntary retirement.
- 3 Shri P P. Goyal, SW, attached to SSW, (NDZ), CPWD, New Delhi, has retired from service with immediate effect on acceptance of his notice of voluntary retirement.

H D SINHA Deputy Director of Administation

# NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Gauhati-11, the 18th April 1980

No E/55/III/97(0) -The tollowing officers are confirmed in Class II service as Assistant Accounts Officer effect from the date shown against each —

Name and Date from which confirmed

- 1 Shri B. N. Saha-23-3-1978
- 2. Shri B Guha—1-5-1978 3 Shri A Singh—1-7-1978
- 4 Shii A. L Barua-1-12 1978

B VENKATARAMANI General Manager

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY **AFFAIRS**

# (DLPARIMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

the matter of the Companies Act, 1950 and of M's Prakash Chemicals Pvt. Ltd. Bagh Sambhu Dayal Okhla Industrial Litate, New Delhi

New Delhi, the 21st May 1979

No 3128/5364 6039—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Prakash Chemical Pvt. I imited, unless cause is shown to the contiary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Bhopal Non Ferrous Metal Industries Private Limited

### Bombay, the 1st April 1980

No 15186/560(3)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bhopal Non-Ferrous Metal Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Jyoti Silk Milis Private Limited

Bombay-2, the 14th April 1980

No 8400/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Jyoti Silk Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

the matter of the Companies Act, 1956 and M/s Swadhin Construction Company Private Limited

# Bombay, the 1st April 1980

No 8629/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Swadhin Construction company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Sayonara Garments Private Limited Bombay 2, the 14th April 1980

No 13880/560(5).—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Sayonara Garments Private Limited, has this day been struck off the Register and the said comjany is dissolved.

> (Sd/-) ILIEGIBLE Asstt Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hotel Burza International Limited Nawa Kadal Srinagar Kashmb

Raj Bagh Extn, Srinagar, the 7th April 1980

No PC/(560)/350/766—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of HOTEL BURZA INTERNATIONAL Limited has this day been struck off the Register and therefore the said company is dissolved

> N. N MAULIK, Registral of Companies, J&K.

# INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL,

Bombay-400 020, the 21st April 1980

No. F.48-Ad(AT)/80,-Shri S. V. Narayanan, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-12-79 to 29-2-80 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/79, dated 7-2-1980, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Chandigarh Bench, Chandigarh for a further period of three months from 1-3-1980 to 31-5-1980 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of serniority in that grade or for eligibility promotion to next higher grade.

> T. D. SUGLA, President

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX,

New Delhi, the 21st March 1980 INCOME TAX ESTABLISHMENT

Subject :- Establishment-Gazetted-Income Tax Officers (Class-II) Confirmation of

No. Est. 1/C.I.f. (I)/DPC(CLASS II)/Confirmation/78-79/79-80/46378.—The undermentioned Income Tax Officers (Class-II) who have been found fit for confirmation by the Departmental Promotion Committee, are appointed substantively to the permanent posts of Income Tax Officers, Class-II, in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the date noted against their respective names :

Sl No., Name of the Officer & Date from which confirmed S/Shri

1. I. L. Gauba—1-1-1979, 2. D. P. Khera—1-3-1979, 3. S. K. Sabharwal—1-3-1979, 4. R. A. Singh—1-3-1979,

5. R. K. Kapur—1-3-1979. 6. K. S. Minhas—12-8-1979. 7. C. L. Mendiratta—1-9-1979. 8. R. P. Srivastava—1-10-1979. 9. Satyendra Prakash-1-12-1979.

The dates of confirmation are subject to modification at a later stage, if found, necessary.

M. W. A. KHAN, Commissioner of Income Tax, Delhi-I, New Delhi

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th April 1980

Ref. No. P.R. No. 1009Acq.25-I/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bungalow situated at Songadh situated at Songadh (Tal. Sihor) Dist. Bhavnagar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sihor on 6-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aapparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Vimalaben Navnitray Zaveri & others; Shanti-Kutir, 215, Marine Drive, Bombay-20.

(Transferor)

(2) Shri Madhukar Chimanlal Shah; 82, Neelambar VIII Floor, Peddar Road, No. 37, Bombay-400026.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A bunglow standing on land admeasuring 7113 sq. yds., and 8 sq. ft. situated at Songadh and as fully described in sale-deed No. 738 in the office of Sub-Registrar, Sihor on 6-9-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Abmedabad

Date: 11th April, 1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# ACQUISITION RANGE, JAIPUR

SIONER OF INCOMF-TAX

Taipur, the 24th April 1980

Ref No Rei/IAC(Acq) -Whereas, I, M L CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Agii land situated at Pratapgaih

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pratapgarh on 21 8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shri Bhim Singh s/o Gordhan Singh, (1) 1Smt Pushpa Kumarı w/o Bhim Singh
  - Sh Jaitam &
  - Ram Kumar minor sons of Sh Bhim Singh 1 o village Arnod Teh Pratapgarh Distt, Chittorgarh (Transferor)
- (2) Shri Nanalal s/o Eklingji Soni, Mandsor (MP)

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri land situated at village Arnod Teh Pratapgarh Distt Chittorgath measuring 12 biga 19 biswas and more fully described in the sale deed registered by SR Pratapgarh vide No 661 dated 21 8 79

M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date 24-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land-situated at Pratapgarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Pratapgarh on 21-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the gaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-22-66GI/80

Shri Bhim Singh s/o Gordhan Singh, Smt. Pushpa Kumari w/o Bhim Singh

3. Sh. Jairam & 4. Sh. Ram Kumar minor sons of Sh. Bhim Singh r/o village Arnod Teh. Pratapgarh Distt. Chittorgarh. (Transferor)

(2) Smt. Shyama w/o Shri Tarachand Mandsor (M.P.)

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land situated at village Arnod Teh. Pratapgarh Distt. Chittorgarh measuring 13 biga 2 biswas and more fully described in the sale deed registered by S.R. Prataggarh vide No. 663 dated 21-8-79.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl. land situated at Pratapgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Pratapparh on 23-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- Shri Bhim Singh s/o Gordhan Singh, Smt. Pushpa Kumari w/o Bhim Singh
   Sh. Iairam &
   Sh. Ram Kumar minor sons of Sh. Bhim Singh r/o village Arnod Teh, Pratapgarh Distt. Chittorgarh.
- (2) Shri Laxminarain s/o Nanalal Sunar, Mandsor (M.P.)

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land situated at village Arnod Teh. Pratapgarh Distt. Chittorgarh measuring 23 biga 19 biswas and more fully described in the sale deed registered by S.R. Pratapgarh vide No. 769 dated 23-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land situated at Pratapgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pratapgarh on 21-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Bhim Singh s/o Gordhan Singh,
 Smt. Pushpa Kumari w/o Bhim Singh

3. Sh. Jai Raj &

4. Sh. Ram Kumar minor sons of Sh. Bhim Singh r/o village Arnod Teh. Pratapgarh Distt, Chittorgarh. (Transferor)

(2) Shri Tarachand s/o Rajmal, Mandsor (M.P.)

Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land situated at village Arnod Teh. Pratapgarh Distt. Chittorgarh measuring 25 biga 16 biswas and more fully described in the sale deed registered by S. R. Pratapgarh vide No. 660 dated 21-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl. land situated at Pratapgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pratapgarh on 23-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhim Singh s/o Gordhan Singh,
   Smt. Pushpa Kumari w/o Bhim Singh
  - Sh. Jai Raj &
     Sh. Ram Kumar minor sons of Sh. Bhim Singh r/o village Arnod Teh. Pratapgarh Distt. Chittorgarh. (Transferor)
- (2) Shri Kantilal son of Shri Nanalal Soni, Sarafa Bazar, Mandsoor (M.P.)

Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immowable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house property situated at village Arnod Teh. Pratapgarh and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pratapgarh vide registration No. 770 dated 23-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property situated at Chittorgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chittorgarh on 23-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhim Singh s/o Gordhan Singh,
   Smt. Pushpa Kumari w/o Bhim Singh
   Sh. Jai Raj &
   Sh. Ram Kumar minor sons of Sh. Bhim Singh
   r/o village Armod Teh. Pratapgarh Distt. Chittorgarh.
   (Transferor)
- (2) Shri Predhuman Kumar (minor)
  Through guardian fater Shri Terachand,
  Sarafa Bazar,
  Mandsoor (M.P.)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house property situated at village Arned, Teh. Pratapgarh and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pratapgarh vide registration No. 768 dated 23-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961): (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land situated at Pratapgarh

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pratapgarh on 23-8-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Bhim Singh s/o Gordhan Singh, Smt. Pushpa Kumari w/o Bhim Singh
   Sh. Jai Raj &
   Sh. Ram Kumar minor sons of Sh. Bhim Singh
  - r/o village Arnod Teh. Pratapgarh Distt. Chittorgarh. (Transferor)
- (2) Shri Shantilal s/o Shri Nanalal Soni, Sarafa Bazar Mandsoor (M.P.)

(Transferee)

PART III—SEC. 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house property situated at village Arnod, Pratapgarh and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pratapgarh vide registration No. 767 dated 23-8-79.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Restaurant No. 1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-8-79

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, manely:—

 Shri Phoolchand Naiwala s/o Roodmal and Kallashchand s/o Surajbhan Sharma Govinraiji ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrl Dhanji s/o Bhnorilal and Harinarain Chimanial and Chuttanial sons of Dhanji, Plot No. 13 Banskho House Area Ch. Gangapole, Jaipur.

Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land names Restaurant No. 1 with one room constructed thereon and is being used for workshop situated at Truck Stand Scheme, Agra Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2045 dated 16-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 26-4-80

# FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Kotah-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotah on 23-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

- (1) Sari Rangostalugh Hada s/o Shri Yaswant Singh, of Mathani Teh, Baran GPA holder of Dewan Laxman Singh Rajput R/o Harsi Pargana Dabra Distt, Gwalior and Smt. Mithlush Kumari w/o Ranjectsingh.
  (Transferor)
- (2) Shri Jugal Kishore a/o Devilal Arya Samaj Road, Kotah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house called Raghimath Girl ji ka Math Rampura Bajar, Kotah and more fully described in the sale deed registered by S.R. Kotah vide registration Nos. 1102 dated 23-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotah on 24-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23-66GI/80

- (1) Shri Ranjeetsingh Hada s/o Shri Yaswant Single of Mathani Teh. Baran GPA holder of Dewan Laxman Singh Rajput R/o Haisi Pargana Dabra Distt, Gwalior and Smt. Mithlesh Kumari w/o Ranjeetsingh (Transferor)
- (2) Shri Jugal Kishore s/o Devilal Arya Samaj Road, Kotah.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house called Raghanath Giri ji ka Math Rampura Bajar, Kotah and more fully described in the sale deed 10° tered by S.R. Kotah vide registration Nos. 1102 dated 24-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotah on 22-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee (or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ranjeetsingh Hada s/o Shri Yaswant Singh, of Mathani Teh. Baran GPA holder of Dewan Laxman Singh Rajput R/o Harsi Pargana Dabra Distt, Gwalior and Smt. Mithlesh Kumari w/o Ranjeetsingh.
  (Transferor)
- (2) Shrimati Ratankumari w/o Jugalkishore Rampura Bajapara, Arya Samaj Road, Kotah.

  Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house called Raghunath Giri ji ka Math Rampura Bajar, Kotah and more fully described in the sale deed regitered by S.R. Kotah vide registration Nos. 1102 dated 22-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref No. Rej/IAC(Acq) —Whereas, I, M L CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No House situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at Kotah on 22 8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ranjeetsingh Hada s/o Shri Yaswant Singh, of Mathani Teh Baran GPA holder of Dewan Laxman Singh R/o Harsi Pargana Dabia Disti, Gwalioi and Smt Mithlesh Kumari w/o Ranjeetsingh.

(Transferor)

(2) Smt. Rattankumari w/o Jugalkishore, Rampura Bajapada, Arya Samaj Road, Kotah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Pait of house called Raghunath Giri Ji ka Math Rampura Bajar, Kotah and more fully described in the sale deed registred by SR Kotah vide registration No 1101 dated 22-8-79

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kotah on 22-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seld Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ranjeetsingh Hada s/o Shri Yaswant Singh of Mathani Teh. Baran GPA holder of Dewan Laxman Singh R/o Harsl Pargana Dabra Distt. Gwalior and Smt. Mithlesh Kumari w/o Ranjeetsingh. (Transferor)
- (2) Shri Chanmay s/o Jugalkishore minor through father Bajapara Arya Samaj Road, Kotah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house called Raghunath Giri Ji ka Math Rampura Bajar, Kotah and more fully described in the sale deed registered by S.R. Kotah vide registration No. 1104 dated 22-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 5 and 6 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 4-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Maksood Masih s/o Shri Lal Masih Retired Railway Head Master, Gurudwara Road near Gulab Singh Vakil Dadwara, Kota Junction.

  (Transferor)
- (2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Madanlalji Mewara, Near Man Singh House Rangpur Road, Dadwara Bhlmganj Mandi, Kota Junction.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5 and 6 near Man Singh House Dadwara Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 1037 dated 4-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-80

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAJPUR

Jaipur, the 29th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/696.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House property situated at Bhim

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhim on 30-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bastimal s/o Ganeshmal Mahajan, R/o Bhim Distt. Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal s/o Jawaharlal Mahajan, R/o near Dak Bunglow Bhim Distt. Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house property located at National Highway No. 1 facing PWD Dak Bunglow Bhim, Distt. Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bhim dated 30-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Bhim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhim on 30-8-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following recens, namely:—

(1) Shri Bastimal s/o Ganeshmal Mahajan, R/o Bhim Distt. Udafpur.

(Transferor)

(2) Shri Bastimal s/o Jawaharlal Mahajan, R/o near Dak Bunglow Bhim Distt. Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house property located at National Highway No. 1 facing PWD Dak Bunglow Bhim, Distt. Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bhim dated 20-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-4-80

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Shri Bastimal s/o Ganeshmal Mahajan, R/o Bhim Distt. Udalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrl Ganpat Lal s/o Jawharlal Mahajan, R/o near Dak Bungalow Bhim Distt. Udaipur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Jaipur, the 29th April 1980

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning

as given in that Chapter.

Rcf. No. Rej/IAC(Acq)/697,---Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

of 1908) in the office of the Registering Officer

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property situated at Bhim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

at Bhim on 30-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property  $a_3$  aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house property located at National Highway No. 1 facing PWD Dak Bungalow Bhlm, Distt. Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bhim dated 30-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authorn
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-4-80

Scal:

TORM: RINS+

(1)/Shri Milit Raj, R/o 185, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43) OF 1961가

1M() '(2) Shitlar' Pagir Singh Maker, R/O Gr424 Green Park, New Dolhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, 1/1 VALID

Rohtak, the 2nd April 1980

Ref No. DLI/8-79-86.—Whereas, I G. S. GUPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential plot North measuring 1959 squared at Faridabad

(and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as affore-said exceeds the apparent accessification therefor by more than fifteen per cens of such apparent accessification and that the consideration for such transfarrage agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the literature of the purposes of the Indian ancome tax, Act, 1,122, 11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

24--66GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property 'Mdy'be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any, of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Marketo of a period of 301 days from the respective, persons, which period expires late.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions cused therein as a said-defined that Chapter EXXA, of a thousaid Market, said-they said mesoling as a given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being residential plot No. 8 measuring 1059 sq. vyds, satuated in Block C.I. Sector 11. Model Bown, Faridahad and as more mentioned in the sale deed registered with the Sub Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA,
Composite Trithority,
Inspecting Abstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range; Robtak.

Date: 2-4-1980

#### EORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st April 1980

Ref. No. SRS '56/79-80.—Whereas, I. G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred, to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 187 kanal in Village situated at Kotli (Sirsa)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirso in August, 1979

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Bhri Ranbir Singh S/o Shri Ram David S/o Shri Chander Bhan R/o Mohindergath. Shri Vidya Sagar S/o Shri Ram Saran R/o Village Kotli (Sirsa).

(Transferor)

(2) S/Shri Satish Kumar, Ramesh Kumar Ss/o Shri Mulakh Raj, R/o Village Kotli (Sirsa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property, being agricultural land measuring 187 Kanal situated at Village Kotli and as more mentioned in sale deed registered at No. 3326 dated 20 8-1979 with the Sub? Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA
Competent Authority.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-4-1980

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHIAK

Rohtak, the 2nd April 1980

Ref. No. AMB/16/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,600/-and bearing No.

Shop No. 10536 and ward No. 6 situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ambala in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, on other assets which have not been or which begin to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sntt. I ila! Wanti Wd/o Shri Piare I al S/o Shri Ganesh Dass Jain, R/o Ambala City,

(Transferor)

(2) M/s. New Variety Store, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immövable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Property being shop No. 10536 Yard No. 6 situated in Anibida City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3018 dated 16-8-1979 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Dafe: 2-4-1980

#### FORM, FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (T) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME! TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 1st April 1980

Ref. No. 11KTL/3/19-80!-Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant (Commissioner) of Miconnitant: 11 Acquisition Range, Rohtak, 1

being the Competent Authority quander & Section & 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 22,000/1- and bearing No.
Agriculture land measuring 21 k. 11 Marla. Patti Gadar situated at Patti Gadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908y: in the office of the Registering Officer at Katthal Mr Argust 1979

for an upparent/consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pursuposes of the Indian (Income-tax) Acts 1922: (11 of 1-1922) or thousaid Action thouwealth tax Acti 1957/ : (27 of 1957): "

Mow therefore win pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following, persons, namely:--

(1) Shri Wijay Kumar Gupta S/o Shri Hari Kishan Gupta R/o Biswadar Patti Gadar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Hukam Chand S/o Shri Jawala Dass,
  - 2. Shri Roshan Lal S/o Shri Ganesh Dass
  - 3. Shri Surinder Singn S/o Shri Narsingh Dass

A Pt. Om Parkash Tewari S/O Shri Hari Ram R/o Kaithal

(Transferee)

\*dbjebtioffs Training the racquisition of the said property may be made influriting to the undersigned at +;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 315st 45 days from the date of publication of this notice in the Ometal Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(bysopyramy) other person inscretted in the said; intimov-; Intituble property: within 45 days from the sidate of the publication of this notice in the Oxidad Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. 20

#### THE SCHEDULE

Property being agricultural tand measuring 91 k. 11 M. stutated at Vill. Patti Gadar and as more mentioned in the Sale deed Registered at No. 1641 dated 21-8-79.

G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: Philippe

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th March 1980

Ref. No. THN/3/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Incompetation Act 1961 (A) of 1961) (hereinafter referred to an at the said Act ), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

Shop No. 103 New Anaj Mandi,

situated at Tohana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Tohana in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds their apparent consideration, therefor by more than lifteen per execut of such apparent consideration and that the considerations for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or either assets which have not been or which wought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1.) Shri Gingink Singh S/o Shri Jagir Singh R/o Vill. Manghera and G.P.A. of Shri Sawan Singh S/o Shri Jhangir Singh

(Tiansferor)

(2) Smt. Surinder Kaur W/o Shri Gurdial Singh R/o Vill., Manghera Teh, Tohana, Now Shop No. 103-104 New And Mandi Tohana. (Transforce).

Objections, if arry, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons;
  whichever period expires later."
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the confidential description and the Official Communication.

EXPLANATION:—The terms and expressions used buttin as attended in Chapter! XXA be the said.

'Act, shall have the same areaning as given in that Chapter!

#### THE SCHEDULE

Property being shop No. 103 situated in New Anaj Mandi. Tohana and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1277 dated 11-10-1979 with the Sub Registrar, Tohana.

G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak-

Date: 27-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HI INCOME **TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)** 

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER
OF INCOMETAX

ACQUISITION PANGE ROHFAK Rohtak, the 27th Maich 1980

Ref No THN/4/79 80—Whereas, I, G S GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income (ax Acquisition Range, Robtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/ and bearing Shop No 104 New Anaj Mandi Tohana situated at Tohana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Fohana in October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shat Gu dal Singh S/o Shir Jagu Singh S/o Shir Bhagat Singh R/o Munghera Teh Tohana

(Fransferor)

(2) Sin Surinder Laur W/o Shi Cirtil Singh R/o Vill Minghir Ich Tohana

(Transfusec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later,
- (b) by any other per on interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LYPIANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THL SCHEDULE

Property being a hop No 104 situated in New Anaj Mandi, Fohima and as more mentioned in the sale deed registered at No 1278 dated 11 10 1979 with the Sub Registrar, Tohana

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date 27-3 1980 Seal.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## R/o 473 R Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) S/Shri Tagdish Lal, Ashok Kumar Ss/o Shri Kashmhi Lal, R/o 345-R, Model Town, Panipat.

(1) Shu Devinder Singh Tandon S/o Shri Iqbal Singh

('Fransferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1 t April 1980

Ref., No. PNP 14/79-80.- Whereas, I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No 315 measuring 680 a 315 in Model Town, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra ion Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Panipat in August

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betewen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Plot No. 345-L, situated at Model Town, panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2181 dated 13-8 1979 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 1-4-1980

Scal:

#### FORM TYNS --

NOTICE UNDER SECTION 2695(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

'Rolliak, the 'Ist' April 1980 . .

Ref No NNL/5/79 80—Whereas, I G S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of "tille"Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred at the said Act), have reason to believe that the militionable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and benning No

Property being three shops with residential house situated at Narnaul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16;0f 1908) in the office of the Registering Officer at a high in August, 1979, here is a set.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the West Lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(E)(ShriMazai) Lal S/o Shri Kansi Ram S/o Shri Ram Chander

S/o Shri Kansi Ram S/o Shri Ram Chander R/o Vais Vill. Dhalera

IM(1) 1 1 (1) (1) (1) Narouge and autoracy, S(Shan Surju Mali Mohan, Lal, Shiv Charan, Narnaul

(2) 1 Shri Yad Ram S/o Shri Puran Malvidayoo R/o Khanpur

2 Smt Gyarsı Devi D/o Shrı Shellu Ray R/o Rewali

(Transferee)

(3) Várious tenants as stated in the 37 G form (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested, in the said immovable property, within 45 levs from the date of the publication of this potice in the inficial Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property, being three shops with residential house, situated at New Mandi, Narnaul and as more mentioned in the sale deed registered at No 1451 dated 20-8-1979 with the Sub-Registers. Narnaul.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
WRohtak

Date 1-4-1980

Sirsa in August, 1979

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN I COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st April 1980

Ref No SRS/48/79 80 —Whereas, I, G S GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income fax Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/and bearing No.

Shop No 476/1, situated at Sadni Bazar Sirsi (and more mully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
25—66GI/80

(1) Shri Pad, m Sain J m
Sio Shri Pabh Da, d
Sio Shi Cango Pari,
Head Clerk,
Supernlendent heres for D parament,
Sirsa

(Transferor)

(2) Shii Mulakh Raj S/o Shii Berkat Ram S/o Shii Chamba Rom P o M/s Sont h I Mulakh Raj Opposte Janii Majit Sular Bazar, Surea

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the 109pect/e persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly when 45 days from he doe of he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property being Shop No. 476/1 similared in Sadar Bazar, Sinsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3238 duted 13 8 1979 v. h the Sub Registrar, Sinsa,

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asst Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date · 1 4 1980

Seal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st May 1980

Ref No KNL/32/79 80—Whereas, I, G S GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Shop No 176 Mahabir Dall Road, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karnal in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Radhe Sham S/o Shri Hira Nand Atora R'o 96 Dayal Singh Colony, Karnal

(Transferor)

(2) Shri Yodh Raj S/o Shir Budhu Ram Atora, R/o Rim Nigir Karnil

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULF

Property being shop No 176 situated at Mahabir Dall Road Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No 3668 dated 25 9 1979 with the Sub Registrar, Karnal

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Rohtak

Date · 1 5-1980 Seal

#### FORM HINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE KOHTAK

Rohtak, the 1st May 1980

Ref No KNL/33/79-80—Whereas, I, G S GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing

Shop No 179 Mahabir Dall Road, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karnal in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Yodh Raj S/o Shii Budhu Ram Alora, R/o Ram Nagar, Karnal

(Transferor)

(2) Shii Radhe ShamS/o Shii Hiia Nand AroraR o 96 Dayal Singh Colony, Karnal.

(Transferco)

O' i ctions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being shop No 179 situated at Mahabir Dall Road Kannal and as more mentioned in the sale deed registered at No 3367 dated 25 9 1979 with the Sub Registrar, Karnal

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date . 1 5 1980

Scal \*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohlak, the 1st May 1980

Ref. No. 80-R/39/79-80—Wherran, I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) theremafter referred to as the baid Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Residential House No. 3-D, 129 measuring 233.33 Sq. vds. situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ballabgarh in January, 1930

for an apparent consideration, which is less than the fair markst value of the afore-sign property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated on the mad instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhirnwa DeviW/o Shri Sahib Ram,R/o 3-D, 129 New Township, Faridabad.

(Transferor)

PART III SEC. 1

(2) Shri Valhi Chand S/o Shri Jhangi Ram, Smt. Lajwanti W/o Shri Vidhi Chand, R/o 3-D/21, NIT, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days fro in the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being residential house No. 3D, 129 measuring 233-33 sq. yards situated at New Township, Faridabad and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 7583 dated 29-1-1980 with the sub-registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 1-5-1980

Scal:

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/8-79/376.—Whereas, I. G. C. Agarwal,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion No. 108 (Ist Floor) situated at 'DLF House' F-40, Con, Place New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) DLF United Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Dolhi.

(Transferor)

(2) M/s. Modern Faterprises through Shri Prem Narain, G. T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other possen interested in the said immovable property, v thm 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion No. 138 (Ist Foot) "DLF House" F-40, Connaught Place, New Delhy Area 413 63 sq. ft.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-I Delhi/New Delhi

Date: 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

GOVERNMENT OF INDIA

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/8-79/339.—Whereas 1, G. C. Agarwal.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. E-444 situated at Greater Kailash II

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kamla Trehan W/o Sh. Shanti Swacoop Trehan, R/o 101, Sunder Nagar, Pathankot Punjab. (Transferor)
- (2) M/3. Hharat Builders through their partner Sh. Kimti Lai S/o Sh. Thakar Dasa R/o 7/25, Old Rajinder Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. E-444, Greeter Kuilash II New Delhi-48 Area 250 sq. yds.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range I
Delhi/New Delhi.

Date 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI 110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/345,—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-20 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaggan Nath Aggarwal S/o Sh. Mool Chand R/o C-48, New Multan Nagar, New Delhi-56.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Kohli S/o Satya Pal Kohli R/o C/o P. B. No. 1233 (Safat) Kuwait, presently at A-117, Defence Colony New Delhi 24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold shop plot No. M-20, situated in the colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-48 having an area of 195 sq. yds. and in the Revenue records of village Bahapur Delhi bounded as under:—

East Road

West Road

North Shop Plot No. M-19

South Shop Plot No. M-21.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date 17-4-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4! OF 1°61)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No IAC 'Acq I/SR-III/8-79/353.—Whereas, J. G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-24, situated at Kalkaji New Delhi

(and more fully described in the I hedule annexed hereto), has been transferred under the Regi tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registe ing Officer at

New Delhi on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforenaid property and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Laxmi Bai W/o Late Sh. Lal Chand E-24, Kalkaji New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Batra W/o Sh. Krishan Chand Batra R/o E-24, Kalkaji New Delhi-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. E-24, measuring 200 sq. yds. situated Kalkaji New Delhi

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-JII/8-79/391.—Whereas, I, G. C. AGARWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T-2A, situated at Green Park Fxtension New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—66GI/80

(1) Shri Amba Parsad Agarwal R/o S-36 (Shop) Green Park New Delhi and Sh. Mahender Kumar Jain R/o 202, Vinay Marg, New Delhi, (Transferor)

 Shri Mulkh Raj Safihija R/o H-89, Karbala Aligani New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A freehold residential plot of land bearing No. 2A Block T, measuring 322 sq. yds. situated in Green Park Extension in the revenue estate of Village Yusaf Sarai New Delhi bounded as under:—

East Plot No. T-1
West House No. T-3
North Scrvice Lane
South Road

G. C. AGARWAI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi

Date: 17th April 1980

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Sunita Chopra W/o Subhash Chopra R/o 15-A/13, W.E.A. Karol Bagh New Delhi. (Transferor)

### (2) Smt. Satya Sachdev W/o K. L. Sachdev, R/o K-2/8, Model Town Delhi.

#### (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/346.—Whereas I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-225 situated at Greater Kailash I New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 20-8-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Plot No. 225, Block No. B measuring 300 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash Part I situate at Village Yaqutpur New Delhi bounded as under:—

East Plot No. B-227
West Plot No. B-223-C
North Road
South Service Lane.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/B-79/409.-Whereas I. G. C. Agarwal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. E-17, situated at N.D.S.E. Part I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-8-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ot which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri Darshan Singh S/o S, Pritam Singh, Alamvala Kalan via Baghapuran, Distt. Faridkot (Punjab) (Transferor)
- (2) Shri J. W. Sharma S/o Late Shiv Datt and Shri Sudhir Trikha S/o J. D. Sharma R/o 116, Udya Park New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building No. 1717, N.D.S.E., Part I New Delhi measuring 200 sq. yds, bounded as under:

Service Lane East Road F/18, Building West

South E/16, Building. North

> G. C. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range I Delhi/New Delhi

Date 17-4-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-JII/8-79/336,—Whereas I, G. C. Agarwal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-280 situated at Greater Kailash Colony No. II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dr. C. R. Gulati S/o Sh. S. C. Gulati S 235, Greater Kailash No. 1, New Delhi.
- (Transferor)
  (2) Smt. Indiani Boss W/o Sh. Dcepak Boss Smt.
  Ncenakashi Dass W/o Pradeep Kumai Dass R/o
  No. 4755/56, R. A. Road, Subzi Mandi Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persoes within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Govt. Built property No. E-280, Greater Kailash Colony No. II, New Delhi, Area 250 sq. yds

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range I
Delhi/New Delhi,

Date: 17-4-1980

#### (1) Shri Brij Mohan Lal C/34, Puzi Institute New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Manjit Singh, 36, Double Storey, New Rajina.r Nagar, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ADQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III 8-79/344.—Whereas I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. 25,000/- and bearing

So M 47 saunted a Greater Kaitash-I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1208 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the laibility of the transferor to pay tox under the sail Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 date of the publication of this notice in the Official persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as alled defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Pict No. M-47 Area 412 sq. yds. in Greater K dash I. New Delhi

G. C. AGARVAL
Competent Autoria
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition R in all
Delhi/New Deshi

Date: 17-4-1980

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. S. P. Jain & Bros (Co-ownership) through their co-owner Sh. S. P. Jain, 8-Barar House, Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi-6.

(1) M/s DLF United Limited 21-22, Narindra Place,

Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/476.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No. 107, (1st Floor) situated at DLF House, F-40, Con Place New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion No 107 on the first floor of the frong building, DLF House, 40-F. Con. Place New Delhi admeasuring 403,52 sq. fts bounded as under:—

North Passage

South Other property
East Lavatories Block and Open

West Portion No. 108

G. C. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-iax Acquistion Range I Delhi/New Delhi

Date: 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Palace, Parliament Street New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) S. Paul Nanda, (2) Satish Nanda, (3) Ravi Nanda, (4) Ajit Nanda, (5) Rajesh Nanda sons of H. R. Nanda G-12, N.D.S.E.I. New Delbi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002 New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/401.—Whereas I, G. C Agarwal.

being the competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 8 (G.F.) situated at Commercial Complex, Greater Kailash II New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 8 Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range
Delhi/New Delhi

Date 17-4-1980 Scal:

\_\_\_\_\_\_\_

FORM ITNS-

(1) Shii Bubal Dhir through Attorney Shri Om Prakash 1/18. D/S, Vijay Nagar, New Delhi.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madan Lal Bhandari S/o Amar Nath R/o A-2,70 Krishen Nacer Delhi-51

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/8-79/1131,---Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Jacoine-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No S-4 situated at lyoti Nagar West New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-8-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land bearing Plot No. 4 Block S situated in the Residential Colony known as Jyoti Nagar (West) at Loni Road, Shahdara Delhi, area 250 sq yds.

> G. C. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquistion Range I Delhi/New Delhi.

Date: 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

#### SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ATT ROAD, NEW DELHI 110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref No IAC/Acq I/SR IV/8 79/1152 —Whereas I, G C Agarwal

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs 25,000/ and bearing

No F-14/13, situated at Krishan Nagar Delhi 51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—66GI/80

(1) Shri Krishan Lal S/o Rem Prakash, R/o H No 462, Jheel Kuranja Delhi & Gobind Lal Malik S/o Mehar Chand R/o 336, Ram Nagar, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Dass Kapoor S/o Chandu Lal Kapoor R/o H No G-58, Seelampur, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One residential house bearing H No F-14/13, alongwith whole of the structure of two rooms kitchen, bath, latrine, fitted with elect and water tap on ground floor and one room and courtyard on first floor situated at Krishan Nagar Delhi-51.

G C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range 1
Delhi/New Delhi

Date 17-4-1980 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. Padmawati Devi W/o Sh. Sheo Raj Singh, B-3/1, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

## (2) Shri Jaswant Singh S/o Sh. Moola Singh R/o 203, Gopal Park, Shahdara, Delhi-51, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/8-79/1142.—Whereas I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House on portion of plot No. B-3/1 situated at Krishan Nagar, New Delhi-51,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to celieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House built on Northern portion of Plot No. B-3/1 area 149-7/9 sq. yds. out of entire area 272.2/9 sq. yds. situated in the approved colony known as Krishan Nagar in the area of village Ghaundli, Illaqa Shahdara Delhi-51 bounded as under:

North Road

South Remaining portion of plot No. B-3/1 built East Road

East Road West Prope

Property built on plot No. B-3/2

G. C. AGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date 17-4-1980 Seal :

(1) Shri Gian Singh S/o Roshan Singh, F-14/4, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Payre Devi W/o Mohan Lal, F-6/8A, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/8-79/1138.—Whereas I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House on put of Piot No. 8-14/4 situated at Krishan Nagar, Delhi-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot No. 14/4, Block F, area 82-4/10 sq. yds. abadi Krishan Nagar Delhi-51, with super structure consists of two rooms, one latrine, one bath, one varandah, Kathen, stair case on the ground floor and one room, varandah etc. on the first floor.

G. C. AGARWAL Competent Authority, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Om Prakash S/o Pishori Lal R/o J-5/7, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Inder Pal Singh, Inderjit Singh sons of Harcharen Singh F-9/32, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/8-79/1130.—Whereas. I. G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House on portion of plot No. 7 situated at Krishan Nagar, Delhi-51,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One residential house with whole of the structure constructed on portion of plot No. 7, measuring area 90 sq. yds. i.e. 75.25 sq. mts. a part of Khasra No. 511 situated in the area of village Gondli in Krishan Nagar, Delhi-51.

G. C. AGARWAL Competent Authority, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. Pushpa Devi, BE-139, Hari Nagar Delhi-64. (Transferor

(2) Shri V. K. Bhutani, 206, Ram Nagar, Delhi-51. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/8-79/1128.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-10/3, situated at Krishan Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. F-10/3, Krishan Nagar, Delhi-51, Area 70 sq. yds.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 17-4-1980

Scal:

(1) Shri Ram Kumar Mittal S/o Late Shri Jagan Nath R/o C-10/4. Krishan Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. P. Gupta S/o Shri Baboo Ram Gupta R/o C-4/12, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-J/SR-IV/8-79/1124.—Whereas, I. G. C. Agarwal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Eastern Portion of Prop. No. situated at C-10/4, Krishan Nagar New Delhl-51,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Eastern portion of property No. C-10/4, measuring 164-2/10 sq. yds. Khasra No. 520/487 situated at Village Ghondli in the abadi of Krishan Nagar Delhi-51, Illaga Shahdara Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/1596.--Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>. 25,000/- and bearing

No. A/59 situated at Panchsheel Enclave New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Amar Nath S/o Nand Lal R/o A-59, Panchsheel Enclave New Delhi through Mr. Dharam Pal Dhumra, Advocate R/o Flat No. 2, 10, Hailey Road, New Delhi.
- (2) Shtl Shiv Dayal Mathur S/o Hira Babu Mathur, R-734, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. A/59, Panchsheel Enclave New Delhi Area 209 Sv. mts.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range I
Delhi/New Delhi.

Date: 17-4-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/1595.—Whereas I. G. C. Agarwal,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

No. P-73, N.D.S.E. situated at Part II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rai Batra W/o Sh. Kedarnath Batra R/o C/17, Defence Colony, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Baldev Krishan S/o Niranjan Dass J-108, N.D.S.E., Part I New Delhi.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential house No. P/73, N.D.S.E., Part II New Delhi measuring 200 sq. yds.

G. C. AGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquistion Range I Delhi/New Delhi.

Date 17-4-1980 Seal PART III—Sec. 1]

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Sudesh Thaper W/o G. P. Thaper R/o A-194, Defence Colony New Delhi.

Bhiwani (Haryana).

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002 New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/1593,-Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-F, situated at New Delhi South Extension Part II New Deihi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vane of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(2) Smt. Bhagwan Devi W/o Chander Bhan, Valecha,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 4 Block F, measuring 328 sq. yds (274.25 sq. mts.) situated at New Delhi South Extension Part II New Delhi.

> G. C. AGARWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : 28-66GI/80

Date: 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/1592.—Whereas I, G. C. Agarwal,

being the competent authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-1/4 situated at Vasant Vihar New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as an another and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Herinder Singh A-1, D.D.A. Friends Colony New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Soi, Soi Seeds Farm Kapashera, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein ea are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. A-1/4, Vasant Vihar, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

-Date 17-4-1980

Seal

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-**

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF ENCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/58.4HI/8-79/1589.---Whereas I, G. C. Agarwal,

being the Competent Authority under Section 269B of the \*Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. U-7B, situated at Green Park New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair thatket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the parposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--34-46GI/80

(1) Smt. Laj Chawla W/o Late Khazan Singh R/o A-18, Hauz Khas New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Shama S/o Late Changa Mal R/o U-7B, Grown Park, New Dolhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 7B in Block "U" measuring 240 sq. yds. situated at Green Park, New Delhi.

> G. C. AGARWAL Competent Authority, Inspecting Assit: Commissioner of Income-tax, Acquistion Range-I. Delhi/New Delhi.

Date: 17-4-1980

Soal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/1577.--Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XVI/1461 Gali No. 23-24, situated at Naiwala Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Encome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saki Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sant Singh S/o S. Surat Singh R/o H. No. XVI/1461, Gali No. 23-24, Nai Wala Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

PART III—Sec. 1]

(2) (1) Smt. Santosh Kumari W/o Jagdish Chander, (2) Kamlesh Rani W/o Kundan Lal, (3) Phoola Rani W/o Raj Krishan R/o B-2/2, Ashok Vihar Phase II, Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. XVI/1461 Gali No. 23-24, Naiwala Karol Bagh, New Delhi, Khasra No. Old 1171/855/1 and (New No. 2284/1171/855) Delhi State, Delhi,

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range I
Delhi/New Delhi.

Date 17-4-1980 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/8-79/1571.—Whereas, I. G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-2 situated at Hauz Khas Enclave New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Guman Chand Bhandari, Sh. Keshri Singh Bhandari & Sh. Vijay Singh Bhandari, Bhandari Building, Kharagpur-721301 (West Bengal).

(Transferor)

(2) Shri Prem Prakash S/o L. Suraj Parshad & Sh. Kamal Kumar S/o L. Rajeshwar Parshad A-5, Hauz Khas Enclave, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Plot No. A-2, Hauz Khas Enclave, New Delhi measuring 602.8 sq. yds.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range I
Delhi/New Delhi.

Date: 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC Acq-I/SR-III/8-79/383.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential house measuring 473 sq. yds, situated at village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Anupam Kumar S/o Suresh Kumar R/o Khasra No. 365, village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi-30.

(Transferor)

(2) Shri Umendra Kumar Gupta S/o Shri Pyare Lat R/o B-108, Sarvodya Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be thade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this hories in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interested able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential building consisting of six rooms, alongwith boundary walls, constructed on a freehold plot, measuring 473 sq. yds. part of Khasra No. 365, situated inside Lai Dora of village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi and bounded as under:—

East: Property of Mrs. Suman Gupta.

West: Road.

North: Property (i.e. Factory of Gayal Sahlb).

South: Road.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New-Delhi

Date: 17-4-1980.

Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Rf. No. IAC/Acq.I/SR-TH/8-79/349.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to, as the 'skid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N-219 situated at Greater Kailash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30th August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiv Kumar Kapani S/o late P. N. Kapani and Nilima Kapani W/o Shiv Kumar Kapani C/o V. P. Mchta 25, Alipur Estate, 8/6/I, Alipur Road Calcutto.

(Transferor)

(2) Shri Arun Mittal S/o V. B. Mittal R/o N-107, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by eany other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 219, Block "M" measuring 421 sq. yds. Greater Kailash Part II, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-79/347.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-79, situated at Greater Kailash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Tarlok Chawla,
  - 2. Purshotam Chawla.
  - 3. Surinder Chawla.
  - 4. Madan Chawla.
  - Narinder Chawla sons of K. L. Chawla R/o 3A/17, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Shri Jawahar Narang S/o Makhan Lal Narang and Smt. Madhu Narang W/o Jawahar Narang R/o E-66, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold plot No. 79 in Block E Greater Kailash Part II New Delhi measuring 250 sq. yds. bounded as under:—

East: House No. E-77. West: Plot No. E-81. North: Service Lane. South: Road.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi /New Delhi

Date: 17-4-1980.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th April 1980

Rcf. No. IAC|Acq-I/SR-III/8-79/337,—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop No. 9 situated at DLF Cinema Complex Greater Kailash II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—66GI/80

 Shii J. P. Gupta S/o Hari Ram 604, Akash Deep Building, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transfero1)

(2) Shri Basant Singh, Amrit Singh sons of Hari Singh R/o 21, Nanak Market Tilak Bazar, Delhi-6.

(Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 9, measuring 282.1 sq. ft. in D.L.F. Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 17-4-1980.

Seal;

 Shri Jaswant Rai Pandit s/o Sh. Jai Kishan Dass Pandit R/o B-41, Arjan Nagar, New Delhi.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bhupinder Singh S/o Mehtab Singh and Smt. Tajinder Kaur W/o Bhupinder Singh R/o II-I/75, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 17th April 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq-I|SR-III/8-79/358.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. F-III/16, situated at Lajpat Nægar, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 18-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. F-III/16, Lajpat Nagar, New Delhi measuring 200 sq. yds. bounded as under:—

North: Road, East: F-III/17, South: Service Lane, West: F-III/15.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-4-1980,

Scal;

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF

### THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st April 1980

Ref. No. IAC|Acq-I/SR-III/8-79/408.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-42, situated at N.D.S.E. Part I, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Tarlok Nath Kakar S/o Late Ram Chand Kakar Karta of M/s T. N. Kakar and Sons (HUF) R/o H. No. 1190, Norie Singh Nalwa Street No. 6, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sarvesh Chopra S/o Dewan Suraj Parkash Chopra 7A/27, WEA Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single Storeged house on plot of land measuring 300 sq. yds i v. 267 23 sq. rat. bearing No. B 12, New Delhi South Extension Part I New Delhi.

G. C. AGARWAL.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-4-1980.

MOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st April 1980

Ref. No. IAC|Acq-1|SR-1II/8-79/381.--Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No S-203, situated at Greater Kailash I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lakhwant Kaur F-11, N.D.S.E. Part II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Sehgal and Mrs. Rama Anand D-288, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said litimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A freehold residential plot of land bearing No. 203, Block No. "S" measuring 208 sq. yds. situated in Greater Knilash I New Delhi bounded as under:—

East: Plot No. S-205, West: Plot No. S-201, North: Road. South: Service Lane.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Ispecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-4-1980.

 Shri Harjinder Singh S/o S. Mohan Singh 52/42. Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh Chandra S/o S. N. N. Agarwala C-21, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

\CQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/342.—Whereas, I G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-448, situated at Greater Kailash II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-8-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold plot of land measuring 250 sq. yds. bearing No. 448, Block "E" situated in the residential colony known as Greater Kailash II in Village Bahapur on Chirag Delhi Kalkaji Road New Delhi bounded as under:—

East by House on plot No. E-446. West by House on plot No. "E" 450. North by Main Road. South by Service Lane.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Ispecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pate: 21-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/338.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25 000/- and beating

No. E-517, situated at Greater Kailash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Jang Bahadur S/o Sohan Lal, Shiv Raj and Ashok Kapoor sons of Jang Enhadur R/o III K-21, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tari Kaur W/o Aya Singh R/o H. No. 2539, Gali Hira Chaudhry, Amritsar (Pb.) Present postal address: C/o Virmani and Associates Advocate, E-1, Con. Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A freehold plot No. 517 in Block 'E' situated in the residential colony known as Greater Kailash II New Delhi measuring 400 sq. vds. bounded as under:

400 sq. yds. bounded as under: —
Fast: Road.
West: Service Lane.
North: Plot No. E-519.
South: Plot No. L-515.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 21-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st April 1980

Ref. No. IAC|Acq-I/SR-IV/8-79/1144.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Prop. No. 1/359 on part of plot No. 32, Gali No. 3, situated at Friends Colony, G.T. Road, Shahdara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Harnam Singh Anand S/o Amii Singh Anand R/o D-58, Ashok Vihar Phase I; New Delhi (2) Sunder Singh Anand S/o Amir Singh Anand 101, LIB Flats Ashok Vibur Phase III and Ajit Singh S/o Amir Singh Anand R/o J-163, Ashok Vibar, Phase I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Savitri Devi W/o Jangumal Goel R/o 312, Mohalla Sarai, Shahdara Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any other person interested in the said im-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 1/359, forming part of Khasra No. 1171/320 min. mensuring 375 sq. yds. Mauja Jhilmila Tahirpur, Shahdara Delhi, property on Plot No. 32 known as Abadi of Friends Colony, G.T. Road, Shahdara bounded as under:---

East: Other property.
West: Road 20' wide.
South: Remaining property No. 1/359.
North: Fmkay Rubber Mills.

G. C. AGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st April 1980

Ref. No. IAC|Acq-I/SR-III/8-79/387.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ot as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N-33, situated at N.D.S.E. Part I, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Navin Cooperative Urban Thrift and Credit Society I.td. 21-22, Narindar Street, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Anand Prakash Gupta and M/s Kishan Chand Saini and Sons (HUF) through its Karta Shri Kishan Chund 1521/4, Wazir Nagar Mubarakpur Kotla, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Plot No. N-33, New Delhi South Extension Part 1 New Delhi Arca 311 sq. yds.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002 New Delhi, the 21st April 1980

Ref. No. IAC|Acq-I/SR-III/8-79/401.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32-C, situated at Prem House, Con. Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-66GI/80

 Shri Joginder Singh Sandhu S/o R. B. S. Basakha Singh, E-10A, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Sarin S/o L. Anant Ram 28, Siri Ram Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Built up property bearing Flat No. 32-C, Prem House, Con. Place, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi /New Delhi

Date: 21-4-1980.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14'A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st April 1980

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III/8-79/348.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N-43, situated at Greater Kailash I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), with begin transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Defhi on 31-8-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforceald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kukam Chand Chug and Hem Raj Chug sons of Khem Chand Chug C/o Khem Chand Chug and sons 32B, Swadeshi Market Sader Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shree Ram Mundhra and Shri Sohan Lai Mundhra sons of Suraj Mal Mundhra, R/o Wood Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unidestance.

- (a) by any of the aferestic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Giuntis.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same nicestage as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed freehold residential house bearing No. 43, Block No. N, on plot of land measuring 300 sq. yds. situated in Greater Kailash I, New Delhi bounded as under:—

East—House No. N-45, West—House No. N-41 North—Road South—Service Lane.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-4-1980.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 29th April 1980

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III/8-79/382,—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Residential House on part of situated at Khasra No. 365, in Xillage Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-8-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Suman Gupta W/o Shri Surendra Kumar R/o Khasra No. 365, Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Ukay Chemicals Industries (India) Pvt. Ltd. through Shri Umendra Kumar Gupta S/o Shri Pyare Lal Gupta R/o B-108, Sarvodaya Enclave, New Delhi-16 as Managing Director of the firm.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential building containing of four structed on a freehold plot measuring 398 sq. yds. part of Khasra No. 365 situated at Lal Dora of Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi-110030.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 29-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 28th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/1587.—Whereas, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 4922XVI, situated at Rehgar Pura, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-8-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamlesh Anand, w/o Shri Subash Kumar Anand, 340-B Railway Flat, Station Road, Ghaziabad, (2) Smt. Veena Handa, w/o Shri Prem Kumar Handa New Railway Cotony, Qr. No. 936-A, Post Office Gobind Nagar, Kanpur (3) Smt. Kiran Chopra w/o Shri Vinod Kumar Chopra, F-18, Rajinder Parshad Colony, Tansan Nagar, Gwalior-5, all Present 42/4906 Rehgarpura, K/Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rajinder Kaur w/o Sardar Gurcharan Singh R/o 40/4915 Rehgarpura, K/Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Double storey pucca house Municipal No. XVI/4922, lease hold plot of land measuring 67 sq. yds. situated in Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi-5, and bounded as under:—

North: Gali No. 40 South: Gali No. 41 East: Property No. 4923 West: Property No. 4921.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi /New Delhi

Date: 28-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 29th April 1980

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-79/404.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41, situated at Babar Road, New Delhi,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 15-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Faqir Chand
 No. 23, Hospital Road, Jangpura,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mela Devi Jain, Sh. Sumil Kumar Jain and Sh. Mukesh Kumar Jain, 41, Babar Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One lease hold residential house No. 41, situated at Babar Road, New Delhi.

G. C. AGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 29-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 29th April 1980

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-79/1590,---Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D-259, situated at Sarvodaya Enclave, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 23rd August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri K. Raghawan
 Lakshmi Colony, T. Nagar, Madras, at present D-265, Sarvodaya Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. L. Goel, Smt. Kusum Goel, D-265, Sarvodaya Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, ot the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One residential plot No. D-259 mg. 220 sq. yds. situated at Sarvodaya Enclave, New Delhi.

G. C. AGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 29-4-1989

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1964)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/8-79/377.—Whereas I, G. C. AGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

DLF House, F-40, Con. Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. DLF United Ltd., 21-22, Narindra Place Parliament Street, Con. Place New Delhi.

(Transferor)

 M/s. Modern Enterprises through Shri Prem Narain, G.T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion No. 109, DLF House, F-40, Con. Place, New Delhi.

Areta: 387 sq. fts.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 29-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PTA/278/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot measuring 954 sq. yds. situated at Village Jhill, Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hukam Singh, s/o Shri Teja Singh, r/o V. Jhill, Tehsil Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal, \$/o Shri Des Raj, r/o B-6/18, Rajan Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 954 sq. yds. at Jhill, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3354 of September, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING,

#### LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980 Ref. No. CHD/213/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 3261

situated at Sector 35D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
31—660I/80

 Shri Atma Ram s/o Shri Ashwani Kumar, r/o House No. 3436, Sector 35D, Chandigarh, through Attorney Sh. Anup Singh & Sh. Raghbir Singh, r/o 3436, Sector 35-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Singla Hardan w/o Shri K. C. Singla, r/o House No. 3597, Sector 23D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3261, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1209 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL, REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhlana, the 15th April 1980

Ref. No. NBA/144/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop Plot No. 2, (Measuring 222.23 sq. yds.)

situated at New Grain Market, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi w/o Shri Hari Ram, s/o Sh. Benarsi Dass, r/o Grain Market, Nabha,

(Transferor)

(Transferee)

(2) Shrimati Satinder Mahajan, w/o
 Sh. Prabhdyal Singh,
 s/o Shri Hukam Singh,
 r/o Nabha.
 (Shop No. 2, New Grain Market, Nabha)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop Plot No. 2, (Measuring 222.23 sq. yds) at New Grain Market, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1616 of September, 1979 of Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PTA/252/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House Property No. 140

situated at Dharampura Bazar, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Patiala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Malvinder Singh s/o Sh. Deva Singh, r/o Guru Nanak Street, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Rani w/o Shri Ram Singh Bishan Nagar, 7235/5, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 140, Dharampura Bazar, Patlala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3175 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiala)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-4-1980

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PTA/245/79-80.—Whereas I, SUKHDEV

CHAND,

being the 'Contherent' Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot measuring 500 sq. yds.

situated at near Jagdish Ashram, Patiala

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Teja Singh s/o Sh. Jiwan Singh, 1016/4, Sheranwala Gate, Patiala.
- (2) Smt. Tara Rani Singla w/o Sh. Baldev Singla, House No. 935/4, Bagichi Het Ram, Patiala.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 500 sq. yds. near Jagdish Ashram, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3089 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-4-1980

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGF, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/170/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 3492 situated at Sector 23D, Chandigath, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

- to for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
  - (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Lajwanti W/o Shri Behati Lal R/o House No. 3492, Sector 23D, Chandigard. through General Power of Attorney Shri Om Parkash Gupta S/o Shri Lachhmi Narain R/o 3492 sector 23-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Maman Chand, Anıl Kumar Ss/o Shri Om Parkash & Smt. Nalni Devi W/o Shri Om Parkash, R/o 3492, Sector 23D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri B. R. Bans R/o 3492, Sector 23D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquipistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3492, Sector 23D, Chandigath. (the property as mentioned in the sale deed No. 988 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigath.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-4-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. LDH/334/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 344.4/9 sq. yds. situated at Model Town, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. V. M. Rai, R/o 338, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Sat Pal, Rishi Raj
 Ss/o Shri Jagat Singh,
 R 10 578, Sita Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 344.4/9 sq. yds. at Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2771 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. SMR/115/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 11 Kanals 13 Marlas situated at Machhiwara Teh. Samrala, Distt. Ludhlant

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Offiffice of the Registering Officer at Samrala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Nirmala Devi
 W/o Shri Vcd Parkash
 R/o 30, Green Park, Civil Lines,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar S/o Shri Karam Chand, C/o M/s. Jain Rice & General Mills, Machhiwara Teh. Samrala, Distt. Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 11 K 13 M situated in Machhlwara Teh. Samrala Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2928 of August, 1979 of the Registering Authority, Samrala

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I udhlana.

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. SMR/117/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

Share in Building situated at Machhiwara Teh. Samrala Distt. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Samrala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o' which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nirmala Devi W/o Shri Ved Parkash Jindal, R/o 30, Green Park, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar, S/o Shri Karam Chand C/o M/s. Jain Rice & General Mills,, Machhiwara Teh. Samrala Distt. Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Share in Building situated in Machhiwara, Teh. Samrala Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2931 of August, 1979 of the Registering Authority, Samrala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUITITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. SMR/116/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Share in Building situated at Machhiwara Teh, Samrala Distt. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Samuala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Romesh Kumar Jindal, S/o Shri Ved Parkash Jindal, R/o R/o 30, Green Park, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal S/o Shri Dev Raj, C/o M/s. Jain Rice & General Mills,, Machhiwara Teh. Samrala Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Share in Bullding situated in Machhiwara, Teh. Samrala Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2930 of August, 1979 of the Registering Authority, Samrala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-4-1980

Seal:

22\_66GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. SMR/114/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Share in Building situated at Machhiwara Teh. Samrala Distt. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Samrala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shi Ashok Kumar
 S/o Shri Ved Parkash Jindal,
 R/o 30, Green Park, Civil Lines,
 Ludhiana.

(Transferor)

PART III-SEC. 1

(2) Shri Ramesh Kumar S/o Shii Karam Chand, C/o M/s. Jain Rice & General Mills, Machhiwata Teh. Samrala, Distt. I udhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisitio of the the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Share in Building situated in Machhiwara, Teh. Samrala Distt. I udhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2927 of Aug., 1979 of the Registering Authority, Samrala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-4-1980

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART' III—SEC. 1]

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUITITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. SMR/113/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing No.

Share in Building situated at Machhiwara Tch. Samrala Distt. Ludhiana.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Samrala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Meena Jindal W/o Shri Rakesh Kumar Jindal R/o 30, Green Park, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) (2) Shri Dev Raj S/o
Shri Karam Chand C/o
M/s. Jain Rice & General Mills,,
Machhiwara Teh. Samrala Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Share in Building situated in Machhiwara, Teh. Samrala Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2926 of Aug., 1979 of the Registering Authority, Samrala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. AML/84/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. Land measuring 9 kanals situated at Village Mugal Majra Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Siui Bhan Singh S/o Shri Khan Singh S/o Rattan Singh, V. Mugal Majra, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Punjab Steel Forging & Agro Industries, Mandi Gobindgarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 9 Kanals at V. Mugal Majra, Teh. Nabha. (The property as mentioned in the sale deed No. 986 of August, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Dato: 15-4-1980

(1) Shri Surinder Singh S/o Sh. Surjan Singh r/o Village Bhagomajra, Teh. & Distt. Roper.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sher Singh Klair S/o Sh. Gurbakh Singh, R/o V. Amrala Teh. Samrala, Distt. Ludhiana. (Now H. No. 3281—35 D. Chandigarh). (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ludhiana, the 15th April 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/192/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver. in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House No. 3281, situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in August1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

#### THE SCHEDULE

Residential House No. 3281, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1112 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHANE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Dato: 15-4-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/188/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1739 situated at Sector 34-D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prem Singh S/o Sh. Shadi Singh, V & PO Daon Tehsil Kharar, Distt. Ropar, (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar Arota S/o Shri Jagan Nath & Shrimati Shakuntla Arota W/o Sh. Raj Kumar Arota, r/o House No. 1336, Sector 23B, Chandigarh.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 1739, Sector 34D, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1091 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana,

Date: 15-4-1980

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. KHR/18/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 651, Phase-I situated at Mohali, Teh. Distt. Ropar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Kharar in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Chand Thakar S/o Shri Thakar Nama Ram R/o through General Attorney Sh. Jagdish Thakur S/o Thakur Nama Ram R/o H. No. 235, Phase II, S.A.S. Nagar Mohali (Ropar).
- (Transferor)
  (2) Shri Ranjit Singh Kathpal S/o Sh. Kartar Singh, resident of H. No. 651 Phase-I, Mohali, Teh. Kharar, Distt. Ropar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 651, Phase-I, Mohali, Teh. Kharar Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2691 of Sept., 1979 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/200/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 112 Share of Residential plot No. 252, situated at Sector 35A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Major Renu Sarla W/o Late Shri C. L. Anand r/o I.N.H.S. Aswini Colba Bombay-5, through her general power of attorney Shri Hari Singh S/o Sh. Waryam Singh, r/o Village Bir Pawahis, Teh. Phagwara, Distt. Kapurthala.

(2) Shrimati Bhupinder Kaur W/o Capt. Joga Singh, 45K, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Sh. Harcharan Singh S/o Sh. Waryam Singh r/o Vill. Bir Pawnhis, Tch. Phagwara. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this horice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half share in residential plot No. 252, Sector 35A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1143 of August, 1979 of the egistering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tent
Acquisition Range,
Ludhlana.

Date: 15-4-1980

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/226/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Half share in residential plot No. 252, situated at Sector 35A Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—66GI/80

(1) Major Renu Sarla W/o Late Shri C. L. Anand R/o, INHS Aswini Colba, Bombay-5 through her general power of atorney Shri Hari Singh S/o Shri Waryam Singh, R/o Village Bir Pawahis, Teh. Phagwara, Dist. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shrimati Bhupinder Kaut W/o Capt. Joga Singh, 45K, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Sh. Harcharan Singh S/o Sh. Waryam Singh r/o Vill Bir Pawahis, Teh. Phagwara. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Half share in plot No. 252 Sector 35A, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 1288 of Sopt., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date, 15-4-1980

Seal<sup>1</sup>.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/187/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immosable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House No. 3123, situated at Sector 22D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigmh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a sore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Murari Lal S/o Shri Maman Chand resident of Gidderbaha, Tch. Muktsar Distt. Faridkot through his special Attorney Sh. Ganga Ram S/o Sh. Parmesari Dass S/o Sh. Tansukh Dass, R/o Gidderwaha, Teh. Muktsar, Distt. Faridkot.

  (Transferor)
- (2) Smt. Kamla Devi W/o Shri Rajinder Paishad S/o Shri Nathu Ram r/o House No. 3127, Sector 22D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Shri Rajinder Gupta,

Mrs. Krishna Devi r/o House No. 3123 Sector
 Chandigarh 3. Smt. Geeta Devi w/o Shri
 Vinod Kumar 2123 Sector 22 D, Chandigarh.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice-in the Official Gazette.

Expranation: -- The terms and expressions used herein area as defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 3123, Sector 22 D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1090 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhlana.

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMI NT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th April 1980

Ref. No. CHD/208/70-80 —Where is 1 SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Half Share of Residential House No. 3123 situated at Sector 22D, Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have 'not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 7(1) Shri Muran I al S o Shn Maman Chand 1/0 Gid derbaha through his special attorney Shn Ganga Rem S/0 Shn Parmesan Dass S/0 Shn Fansukh Dass, 1/0 Gidderbaha Teh Muktsar, Disti Fandkot (Transfero)
- (2) Smt Geeti Devi W/o Shii Vinod Kumai S/o Shii Nathu Ram, icsident of House No 3123, Sec 22D, Chandigaih. (Transferee)

3, Smt KamlaDe vi w/o Sh Rajindei Parshad II. dents of House No 3123, Sector 22D, Chandigath 3, Smt Kamla Devi w/o Sh Rajindei Parshad H No 3123 Sector 22 D Chandigath

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisitio of the the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other personn terested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as 'given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 Share in Residential House No 3123, Sector 22D, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No 1182 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Ludhana

Dated 15-4-1980 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. LDH/297/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Shop No. B-II-347(Old)/B-IV-2004(New) situated at

Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Som Parkash Adya S/o Shri Mum Lal Adya, Mohalla Phala Adan, Ludhiana

(Transfero)

(2) M/s Nurmal Brothers through Shri Nirmal Kumar & Shri Ram Lal Ss/o Shri Roshan Lal, House No. B-VIII-439, Mohalla Mullan Shakur, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. B-II-347(Old)/B-IV-2004 (New) at Chaura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2444 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Dated 15-4-1980 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. LDH/R/138/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 4 bighas situated at Village Bhanohar, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dilbagh Singh S/o Shri Sant Singh S/o Nihal Singh, r. o 504, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Mastan Singh S/o Shri Ishar Singh S/o Shri Kahan Singh, resident of V. Hassanpur, Tehsil Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas situated at V. Bhanohar (Distt. Ludhiana). The property as mentioned in the sale deed No. 4257 of August, 1979 of the the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Dated 15-4-1980

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. LDH/315/79-80, --Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 550 sq. yds. situated at Village Duba, G. T. Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Baljit Singh S/o Shri Jagdev Singh through General power of attorney Sh. Kchar Singh S/o Shri Sada Singh, Dashmesh Nagar, Ludhiana.

(Transferee)
(2) Shri Gurcharan Singh S/o Shri Jagir Singh resident of V. Burz, Distt. Ludhiana. Smt. Surjit Kaur W/o Sh. Randhir Singh, H. No. 2082, B-XI, Mohalla Futhe Gonj, Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 550 sq. yds. at V. Daba, G. T. Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2632 of August, 1979 of Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Dated 15-4-1980 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, I UDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. I.DH/303/79-79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Acquisition Range, Ludhiana Inspecting Assistant Commuscioner of Income-fax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property,

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot mensuring 644 sq. vds. situated at Mohalla Gurdev Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Major Fauja Singh S.o Sh Surain Singh, Gill House, Civil Lines, Ludhiana.
  - (Transferor)
- (2) Shri Harpat Singh S/o Shri Amai Singh, 104-L, Model Town, Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 644 sq. yds. situated in Gurdev Nagar, 1 udhiana. ((The property as mentioned in the sale deed No. 2524 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Dated 15-4-1980 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/203/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1806, situated at Sector 33D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Major Dharamvir Singh S/o Dr. Kapur Singh, resident of House No. 18/6, West Patel Nagar, New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Rameshwar Dass Kansal S/o Sh. Sant Ram Kansal, resident of House No. 3039/Sector 35D, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1806, Sector 33D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1160 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Dated: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref, No. CHD/166/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Residential plot No. 205, situated at Sector 33-A,

Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion or me liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-**34**—66GI/80

- (1) Capt. Harkishan Lal Sood S/o Sh. Mathra Dass Sood R'o Mohalla Dharam Kotian Soodan, Arya School Road, Moga through his general power of attorney Shri Gurcharan Singh S/o Shri Gopal Singh, R o House No. 3211, Sector 28D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Suri Vit Singh S/o Shri Gurcharan Singh resident of House No. 199, Sector 20A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential plot No. 205, Sector 33A, Chandigarh. (The roperty as mentioned in the sale deed No. 965 of August 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 15-4-1980

# FORM ITNS——

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHJANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/185/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 68, situated at Sector 33A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath, in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shir Suaj Letlash Ahuji S/o Lt. Shir Sita Ram Ahuji, resident of 218/6, D. L. Road, Dehradun (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Kii hai Kumar Garg S o Sh. Ved Parkash, resident of House No. 3567/Sector 35D, Chandigarh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act that have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Plot No. 68, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1080 of August, 1979 of the registering authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 15-4-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Rcf. No. KIIR/17/79-80.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential House No. 205, Phase-I, situated at Mohali (S.A.S. Nagar) Teh. Kharar, Distt. Roop Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kharar in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, us respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Parkash Bahri S/o Shri Jiwa Ram Bahri, r/o 3793, Sector 22D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shi Mohinder Singh S/o Sh. Sohan Singh & Smt. Baljit Kaut W/o Sh. Mohinder Singh r/o 1001, Sector 37, Chandigath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Residential house No. 205 Phase-I, Mohali (S.A.S. Nagar) Teh Kharar Di II R open we albe property as mentioned in the sale deed No. 2612 of August, 1979 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Dated: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDIHANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. DBS/50/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he cinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 10 bighas situated at V (hhat, Teh, Derg Bassi.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ajit Singh, Prem Singh Ss/o Shri Man Singh S/o Shri Gopal Singh, R/o 620, Sector 11, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Avtar Kaur W/o Shri Gurnam Singh S/o Sh. Puran Singh, r/o House No. 1591, Sector 34D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas at V. Chhat, Teh. Dera Bassi. (The property as mentioned in the sale deed No. 683 of August, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 15-4-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. DBS/53/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market yaluajjexapading Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 8 bighas 7 biswas situated at V. Chhat, Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Defa Bassi in August 1979

'for'- an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Şurınder Singh S/o Shri Mann Singh S/o Sh. Gopal Singh, r/o House No 620, Sector 11, Chandi-

(Transferor)

(2) Shri Harnam Singh S/o Shri Gurnam Singh R/o Kothi No. 1591, Sector 34D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas 7 biswas at V. Chhat, Teh. Dera Bassi. (The property as mentioned in the sale deed No. 686 of August, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana

Dated : 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Surinder Singh S. o Sh. Mann Singh r/o 620, Sector 11, Chandigarh.

(Transferor)

# (2) Smt. Avtar Kaur W/o Sh. Gurnam Singh S/o Sh. Puran Singh R/o 1591, Sector 34D, Chandigarh. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, I UDITIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. DBS/51/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 8 bighas 8 biswas situated at Village Chhatt, Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in August, 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas 8 biswas at V. Chhat, Tch. Dera Bassi. (The property as mentioned in the sale deed No. 684, of August, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Dated: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA (FNIRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No DBS/52/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Land measuring 8 bighas 7 biswas situated at V Chhat, Tch Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Dera Bassi in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shir Surinder Singh S o Sh. Mann Singh S/o Sh. Gopal Singh, 620. Sector 11, Chand gach

(Transferor)

(2) Lt Col Gurnam Singh S o Shri Puran Singh R/o Group Commander, NCC Group IId Qrs 84 B, Model Town, Patrala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDUJE

Land measuring 8 bighas 7 biswas at V. Chhat Ich. Dera Bassi

(The property as mentioned in the sale deed No 685 of August, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date :15-5-1980 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACOUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No LDH/333/79-80 —Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Residential House (Area 374½ sq yds) situated at Sham Singh Road, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Stiff. Blistriwen Bai W/o Shri Ram Parkash, 126, Green Park Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jiwan Lai Jain S/o Sh. Naranjari Dass r/o 120B-4, Gali Mahian, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intuitive able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hetcht as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential House (Area 374½ sq. yds) at Sham Singh Road, Civil Lines, Ldh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2763 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitjon Range, Ludhjana.

Date: 15-4-1980

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shii Avtar Singh I.O.W. S/o Shri Natinder Singh r/o T. 7C, Railway Colony, Chandigath.

Transferor)

(2) Shri Ranbir Singh adopted s/o Shri Arjan Singh r/o V. Roshanpura, C/o Sapt. Amar Singh, Govt. College Hoshiarpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PTA/292/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 76A, situated at Mehar Singh Colony Tripari Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—35—66GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 76A, Mehar Singh Colony, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 3555 of September 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I udhiana

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref No.CHD/181/79-80.Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Half share of plot No. 550 situated at Sector 33B, Chandigath.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pations, namely:—

(1) Lt. Col. Harindra Singh S/o S. Sunder Singh through general attorney Lt. Col. Birinder Raj Singh S/o Sh. Harbachan Singh, R/o House No. 270, Sector 35A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Anupam Mehta W/o Shii V. K. Mchta, R/o House No. 544, Sector 8B, Chandigarh.

(Transferce)

(4) Shri V. K. Mehta S/o S. R. Mehta, 544/8D, CHD.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half share of plot No. 550, Sector 33B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1060 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/140/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Half share of plot No. 550, situated at Sector 33B, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Lt. Col. Harindra Singh S/o Sh. Sunder Singh through General Attorney (Lt. Col.) Bunder Raj Singh S/o Shri Harbachan Singh, resident of Fouse No. 270, Sector 35A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Mehta S/o Shri S. R. Mehta, House No. 544, Sector 8B, Chandigaih.

(Transferce)

(4) Sint Anupam Mchta W/o Sh. V. K. Mehta r/o H. No. 544-8B Chandigarh, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half share of plot No. 550, Sector 33B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1059 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-4-1980

### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/172/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1043 situated at Sector 36C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Leut. Col. Baldev Kumar Mehta S/o Sh. H. R. Mehta r/o E/363/A, Greater Kailash New Delhi through his special power of attorney Smt. Sarla Singla wife of Sh. K. C. Singla, r/o House No. 3597 Sector 23D Chandigarh.

(Transferor)

(2) Dr. K. C. Singla S/o Sh. Kundanlal resident of House No. 3597, Sector 23D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovdefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential plot No. 1043, Sector 36 C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1027 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/210/79-80.—Whereas I, SUKIIDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1281, situated at Sector 33C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath, in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Swaian Singh S/o Shri Suiat Singh through his substitute special attorney Smt. Shanta Sharma W/o Shri Madan Lal Sharma resident of House No. 1294, Sec. 33C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Sharma S/o Shri Sham Dass Sharma C/o The Punjab Agro Industries Corporation Ltd, SCF No. 2907-08, Sector 22C, Chandigarh at present residing at House No. 1281, Sector 33C, Chandigarh. (Transferee)

(3) Smt Sharan Kaur W/o Sh. Guidial Singh R/o H. No. 1281-33, C Chandigarh.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

In an, other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential plot No. 1281, Sector 33C, Chandigath.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1195 of September 1979 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-4-1980

#### FORM IINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CLNTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. LDH/329/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. B-XXVI-203/1 situated at Model Gram, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Surjit Singh S/o Shri Harnam Singh, 96, Shakti Nagar, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal S/o Shri Gopal Dass, r/o B-XXVI-203/1, Model Gram, Ludhiana. (Transferee)

(3) S/Shri

Sarvshreth S/o Sh. Des Raj.
 Kulwant Singh S/o Sh. Mehar Singh,
 Gurcharan Singh S/o Sh. Phuntan Singh,
 Kulwant Singh S/o S. Niranjan Singh,
 Ashwani Kumar S/o Sh. Manohar Lal
 B-XXVI-203/1, Model Gram, Ludhiana.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabe property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property No. B-XXVI-203/1, Model Gram, Ludhiana. (The Property as mentioned in the sale deed No. 2756 of Aug. 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 15-4-1980

(1) Bhal Fathe Jang Singh, Sidhwal Lodge, Ridge, Simla.

48, The Mall, Simla.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. SML/34/79-80.—Whereas I, SUKHDEV HAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax equisition Range. Ludhiana eing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

ncome-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nd bearing

Io. Plot measuring 301 sq, yds 3 sq. ft, situated at near titz Cinema, Simla.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 [16 of 1908), in the office of the Registering Officer at limits in August, 1979

or an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly taked in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Smt. Asha Gupta & Smt. Manju S. Gupta,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land measuring 301 sq. yds. 3 sq. ft. near Ritz Cinema, Simla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 501 of August, 1979 of the Registering Authority, Simla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PTA/231/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 10 biswas situated at Bandugar, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vidyawant Kaur W/o Sh. Balwant Singh R/o Harigarh, Teh. Barnala.

(Transferor)

(2) Shri Sarbrinder Singh S/o Shri Atma Singh, 60B, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 10 biswas at V. Bandugar, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 2999 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiala)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhima.

Date: 15-4-1980

Beal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (Transferor) (2) Shri Atma Singh S/o Shri Jeewan Singh,

(1) Smt. Vidyawant Kaur W/o S. Balwant Singh, R/o V. Harigarh, Teh. Barnala.

R/o 60, Model Town, Patiala.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PTA/232/79-80.—Whereas I, SUKHDEV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of Land measuring 500 sq. yds, situated at Bendugar, Patiala

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala, in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq. yds. at Bandugar, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 3000 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

36---66GI/80

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Karanvir Parkash S/o Smt. Krishna Parkash C/o D S. C. Parkash P.G.I. Chandigarh. (Transferor)

(2) Smt. Pritam Kaur Wd/o Sh. Gurcharan Singh r/o 2173/5, Lelal, Patiala. (Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PTA/229/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2-24 bighas situated at V. Had, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the "llowing persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and measuring 2-21 bighas at V. Had Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 2968 of August, 1979 of the Registering Authority Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-4-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhlana, the 15th April 1980

Ref. No PTA/228/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 2 21 bighas situated at Lehal (Hed), Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patiala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Deepak Parkash s/o Smt. Krishana Parkash C/o Dr. C. Parkash, P.G.I. Chandigarh.

  (Transferor)
- (2) 1. Smt. Raminder Kaur W/o Sh. Jasbir Singh & 2. Smt. Kuljinder Kaur W/o Shri Amuitbir Singh r/o 2173/5, Lehal, Patiala.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land manning 2.25 blobbs of Lehal (Had) Dist. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 2567 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiala)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th April, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. AML/96/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent-Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 1½ bigha situated at Village Jasran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in Sept., 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amarjit Singh S/o Shri Ujaggar Singh, R/o Jasran. Teh. Anıloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Chanchal Kumari W/o Shri Devinder Kumar & Smt. Anita Goyal W/o Shri Darshan Kumar C/o M/s Darshan Kumar, Iron Merchants, Banga. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 14 bigha at Village Jasran.

(The property as mentioned in the Regn. Deed No. 1103 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUF BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. SRD/125/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I and measuring 4 bighas 17 biswas situated at Village Ajnali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Sighind in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shii Balkar Singh & Jharmal Singh Sylo Shri Ram Rakha resident of V. Ajnali, Teh, Sirhind.

(Transferor)

(2) M/9 Sunshine Steel Corporation, Gobindgath, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas 17 biswas at V. Ajnali,

(The property as mentioned in the sale deed No. 2077 of August, 1979 of the Registering Authority, Sinhind)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, I udhiana

Date . 15-4-1980.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/196/79-80,—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Residential Plot No. 3100, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have realon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sq. Leader Balwant Singh S/o Shri Narain Singh, Village & Post Office, Tohana, Distt. Hissar, (Transferor)
- Shri Pritam Singh S/o Sh. Hawela Singh &
   Smt. Balwant, Kaur W/o Shri Pritam Singh resident of Nawanshchar, Distt. Jullundur.
   (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential plot No. 5100, Sector 35D, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 1117 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,

Date: 15 Apr 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/201/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Residential Plot No. 168 situated at Sector 33A Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii P. S. Cheema S/o Late S. Punjab Singh of 11K, Manohar Pukar Road, Calcutta-26 through the Attorney Shri N. S. Rattan S/o Giani Mohinder Singh Rattan, resident of House No. 206, Sector 33A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Rattan W/o Sh. N. S. Rattan, I.A.S. resident of 206, Sector 33A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Plot No. 168/Sector 33A, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1144 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 Apr 1980.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/214-A/79-80.—Whereus, I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 47, Sector 4, Chandigarh situated at Sector 4, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1979.

for an apparent consideration which is less than the hair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (3) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Justice Rajinder Sachar S/o Sh. Bhim Sen Sachar, as the Karta of H.U.F. consisting of his wife Smt, Raj Sachar, son Sanjiv Sachar, Daughter Kumari Madhavi, all R/o H. No. 6, Tughlak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jagesh Kumar Khaitan S/o Sh. Tulsi Parshad Khaitan, Smt. Usha Khaitan W/o Sh. Jagesh Kumar Khaitan Sh. Pawan Khaitan (Minor) son of Sh. Jagesh Kumar Khaitan (Through his father and Natural Guardian Sh. Jagesh Kumar Khaitan) R/o 60 Sector 8, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Residential H. No. 47, Sector 4, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 394 of August, 1979 of the Registering Authority, Delhi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/177/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 8, situated at Sector 19A, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh, in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-37.--66GI/80

(1) Shri Atma Ram Gupta S/o Shri Hans Raj Gupta & Smt. Indra Gupta W/o Sh. Atma Ram Gupta, Superintending Engineer, Bhakra Canal Circle No. II, Sirsa (Haryana).

(Transferor)

(2) 1. Shri Deepak Kapoor S/o Sh. Kishori Lal Kapoor

Smt. Mohini Kapoor W/o Shri Bhupesh Kapoor, Smt. Kiran Kapoor W/o Shri Ashok Kapoor, all residents of House No. 3, Sector 19A, Chandigarh,

(Transferee)

(3) (1) Dr. O. N. Mathur, House No. 8, Sector 19A, Chandigarh.

(2) Sh. A. R. Gupta, Sapurdar.
(3) Punjab National Bank
all R/o H. No. 8 Sector 19A, Chandigarh.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acshall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 8, Sector 19A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1037 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana Jullundur.

Date: 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/209/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1357-P, situated at Sector 33-C, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Brig. Sikander Lal Chawla S/o Sh. Dewan Chand Chawla House No. J-33, New Delhi South Extension Part I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kartar Singh Bawa S/Sons (H.U.F.) comprising of (1) Sh. Kartar Singh Bawa, IAS S/o Bawa Budh Singh, (2) Smt. Mohinder Kaur Bawa W/o Sh. Kartar Singh Bawa IAS, (3) Capt. Arshi Kawal Singh Bawa and (4) Sh. Raman Deep Singh Bawa Ss/o Sh. Kartar Singh Bawa IAS through Sh. Kartar Singh Bawa All t/o H. No. 532/Sector 8B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a person or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and empressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1357, Sector 33-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1192 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE, INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. LDH/316-A/79-80:—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent-Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2351A/B17, measuring 2874 sq. yds. situated at Taraf Peeru Banda Teh. Ludhjana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or...
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lecla, Watl W/o Sh. Khushi Ram, R/o 692/B5, Samrala Road, Ludhiana through Sh. Khushi Ram, General Attorney.

  (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Wati w/o Sh. Tulsi Dass, 418, Pindi Gali, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2351A/B17, measuring 2871 eq. yds, shuated in Taraf Peoru Banda Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2653 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. LDH/321/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2351A/B17, measuring 2871 sq. yds. situated at Taraf Pheru Banda Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Leela Wati W/o Sh. Khushi Ram R/o 692B/5 Samrala Road, Ludhiana through Sh. Khushi Ram, General Attorney.

(Transferor)

(2) M/s. International Automobile, 17-R, Industry Area 'B', Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2351A/B17, Portion measuring 2874 sq. yds. situated Taraf Peru Banda, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2675 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15th, April 1980

#### . .

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/190/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 3072, Sector 35-D, situated at Sector 35-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 1979
for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Major Man Mohan Singh s/o Sh. Kanwar Singh r/o House No. 638, Sector 16-D Chandigarh through his special Power of Attorney Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Sardar Joga Singh H. No. 3072, Sector 35-D, Chandigarh.
- (2) Sh. Joga Singh s/o Sh. Waryam Singh, Embassy of India, Rome c/o Ministry of External Affairs, New Delhi-110011.

(3) Sh. Gurmeet Singh & Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Joga Singh r/o 3072, Sector 35-D, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3072, Sector 35-D. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1106, of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Ludhiana.

Date: 15th April 1980

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRIAL, REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/182/79-80,—Whereas I, Sukhdey Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Residential Plot No. 1559, situated at Sector 36-D, Chindigaritis

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Wing Commander L. C. Stephan S/o Sh. J. Stephen, 11, Sheikh Sarai, New Delhi through his General Attorney Smt. Bimla Stephen (wife), 11 Sheikh Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kharaiti Lal Vij S/o Late Sh. Ram Lubhaya Vij, as Karti of M/s Kharaiti Lal Vij (HUF) comprising of Sh. K. L. Vij S/o Late Sh. Ram Lubhaya Mrs. Prem Vij (wife) Mr. Ajay Kumar Vij (son) Mr. Arvind, Kumar Vij (son) all residents of 270, Sector 10-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and, expressions used here; in as are defined in Chapter, XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1559, Sector 36-D. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1063 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana.

Date: 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF ENCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PTA/238/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 500 sq. yds. situated at lagdish Marg, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the saic Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Teja Singh S/o Sh. Jeewan Singh R/o 1016/4, Sheranwala Gate, Patiala.

  (Transferor)
- (2) Shiri Chand 'Krishan Khosla S/o Shri Hari Krishan Khosla, near Sat Narain Mandir, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property that the made an writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 500 sq. yds. at Jagdish Marg, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 3035 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistlon Range, Ludhiana.

Date: 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/179/79-80.-Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 681, Sector 20A, Chandigarh, situated at Sector 20A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), transferred under the Registration Act, has been 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Chandigarh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jarnail Singh and S/Sh. Hari Singh, Ajmer Singh, Jit Singh, Karnail Singh Ss/o Sh. Darb Singh resident of V. Palaka, Teh. Thanesar, Distt. Kurukshetra through Sh. Jarnail Singh S/o Sh. Darb Singh, General Attorney, R/o Vill palaka, Teh. Thaneswar Distt. Kurukshetra.
- (2) Smt. Nirmal Kaur Sodhi W/o Sh. Gurdarshan Singh Sodhl, resident of House No. 681, Sector 20A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Sh. Lal Chand

2. Sh. Bishan Singh 3. Sh. Harnek Singh

4. Sh. Parshotam Singh

5. Sh. Mangal Singh all C/o H. No. 681 Sector 20A, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 681, Sector 20A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1047 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana.

Date: 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/103/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Residential House No. 3504, Sector 35-D, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Ex. Sepoy Tara Singh S/o Sh. Shadi Singh, R/o H. No. 152, Sector 20-A, Chandigarh through Spl. Attorney of Sh. Jaspal Singh S/o Sh. Kehar Singh, Qr. No. 12/23-C, Chandigarh.
- (Transferor)
  (2) Sh. Melwon Deepak (Minor) s/o Sh. E. Raj
  through his mother and Natural Guardian Smt.
  Elvceno, R/o 3504—35-D, Chandigarh.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 3504, situated in Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1076 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Ludhiana.

Date: 15th April 1980

### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. CHD/207/79-80.—Whereas J, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 234, situated at Sector 21A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Shamsher Singh S/o Sh Fateh Singh, through his General, Attorneys S/Sh. Hazara Singh s/o Sh. Shamsher Singh and Kulwant Singh s/o Sh. Piara Singh r/o Vill Gudha, Teh & Distt Karnal (Haryana).

(Transferor)

(2) The Punjab Khadi Mandal Adampur Doaba, Distt. Jullundur through Shr; Janardhan Parsad Manager of Pb. Khadi Mandal Sector 22-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 234, Sector 21A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1173 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana

Date; 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PTA/248/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 12 bighas 13 biswas vituated at V. Wazidpur, Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Sawn Singh S/o Shri Kalu Singh R/o V. Wazidpur, Tehsil Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Mukhtiar Kaur W/o Shri Harphool Singh, R/o V. Jafarpur, Tehsil Patjala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unid measuring 12 bighas 13 biswas at V. Wazi pur, Patiala

(The property as manifold in the sale dead No. 3107 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiola).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquistion Range, Ludhana

Date: 15th April 1980

(1) Shri Sawn Singh S/o Shri Kalu Singh, R/o V Wazidpur, Teh & Disti Patiala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt Gindo W/o Shit Bant Singh, R/o Jafarpur, Tehsil Patiala

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref No PrA/247/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Land measuring 11 bighas 3 biswas situated at V Wazid-pur, Teh & Distt Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 3 biswas at V Wazidpur, Teh

(The property as mentioned in the sale deed No 3106 of August 1979 of the Registering Authority Patiala)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range Ludhiana

Date : 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

LuJhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PAT/250/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 11 bighas 3 biswas, situated at Village Wazidpur, Teh. & Distt. Patiale,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in August, 1979

PART III-SEC. 11

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sawn Singh S/o Shri Kalu Singh R/o V. Wazidpur, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Bant Singh S/o Sh, Sawn Singh and Shri Harphool Singh, S/o Shri Sawn Singh R/o V. Jafarpur, Teh. Petiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARMANION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shull have the same meaning as given i that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 3 biswas at V. Wazidpur, Teh, Patiala

(The property as mentioned in the sale deed No. 3170 of August 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana.

Date: 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. PAT/251/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beating

No. Land measuring 11 bighes 3 biswas situated at V. Wazidpur, Teh, & Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala, in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sawn Singh S/o Shri Kalu R/o V, Wazidpur, Teh, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Bant Singh & Sh. Harphool Singh Ss/o Shri Sawn Singh, R/o V. Jaferpur, Teh. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land meaturing 11 bigha, 3 biswas at V. Wazidpur, Tch. Patiala.

(the present a mentioned in the sale deed No. 3171 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhjana.

Date . 15th Aniil 1980

Sual:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. LDH/310/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 866 sq. yds. situated at Pritam Puri, Sekhewal Road, Ludhiana,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jugal Kishore S/o Sh Milkhi Ran, R/o House No B-III-986, Division No. 4 Chati Gujian, Ludhiana.

(Timisferor)

(2) Shri Ramesh Kumar S/o Shii Mehar Chand R/o 18, Vallabh Nagar, Shivpuri, Ludhiana. Sh Kaushal Kumar S/o Sh. Muni Lal, 6, Vallabh Nagar, Shivpuri, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 866 sq. yds. at Pritam Puri, Sckhewal Road, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 2559 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquistion Range, Ludhiana

Date 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th April 1980

Ref. No. LDH/309/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 560 sq. yds. situated at Pritam Nagar, Schhewal Road, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Padmo Jain D/o Sh. Ram Lal (W/o Sh. Jugal Kishote) R/o B-III-986, Division No. 4 Chatti Gujiran, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar S/o Shri Mehr Chand, R/o 18, Vallabh Nagar, Shiv Puri Ludhiana. Sh Kaushal Kumar S/o Sh. Muni I al 6 Vallabh Nagar, Shivpurl, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 560 sq. yds. at Pritam Nagar, Sekhewal Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2558 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana.

Date: 15th April 1980